जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

विश्व का सर्वप्रथम
जैन कैलेण्डर

# जनवरी 2021 JANUARY

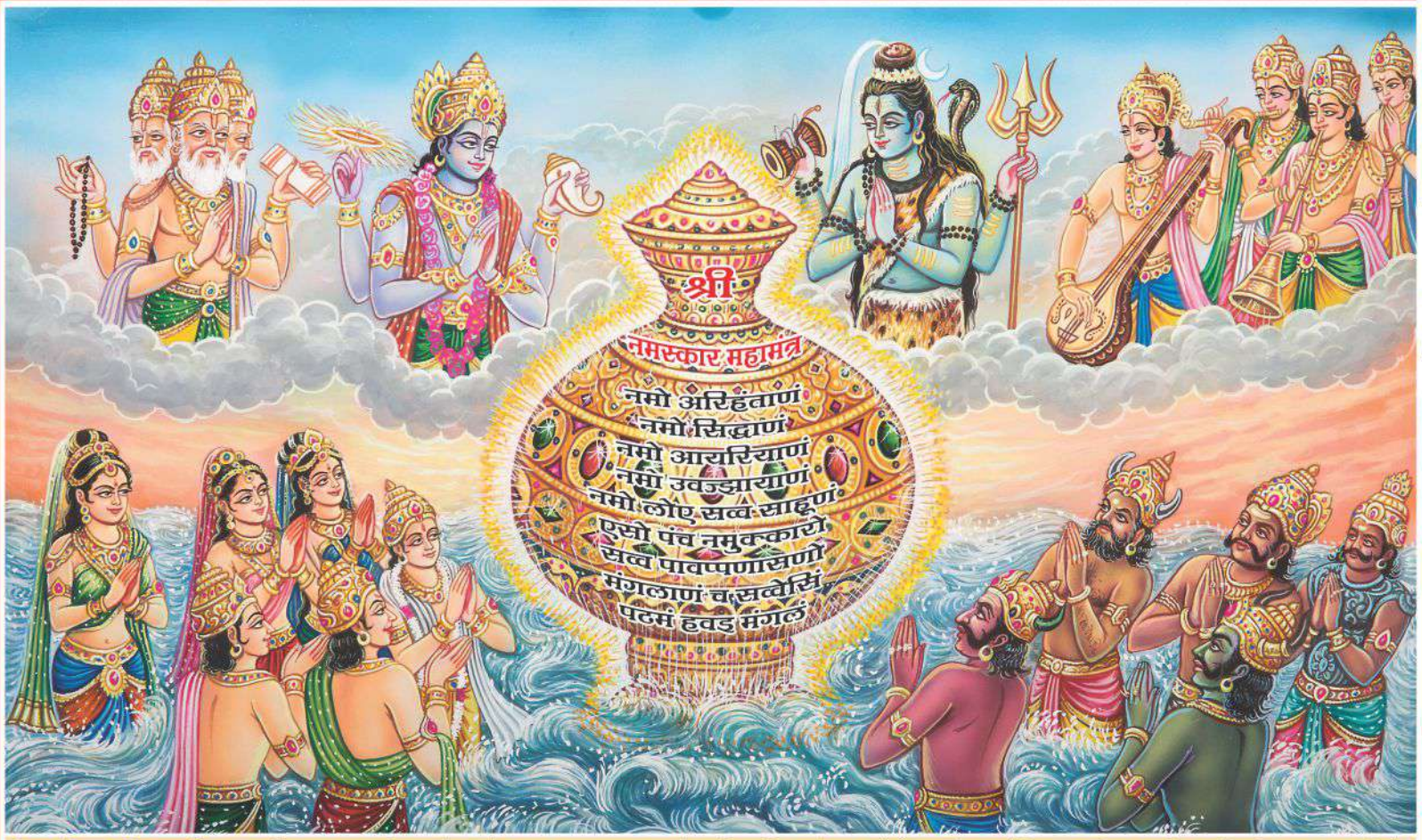




चित्र केवल परिचयार्थ : 14 पूर्व रूप समुद्र के महामंथन से प्रकट नमस्कार महामंत्र की स्तुति एवं गुण कीर्तन करते हुए देवेन्द्र, असुरेन्द्र आदि अपने को धन्य मान रहे हैं।


JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com


विक्रम संवत् : 2077 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 225 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | पूर्वा फाल्गुनी २५/२०<br>कन्या ३१/००<br>**31**<br>माघ वद ३ | मघा २०/००<br>सिंह<br>**3**<br>पौष वद ४/५ | अनुराधा १०/४९<br>वृश्चिक<br>**10**<br>पौष वद १२ | पूर्वा भाद्रपद<br>मीन २५/११<br>**17**<br>पौष सुद ४ | रोहिणी २४/००<br>वृषभ<br>**24**<br>पौष सुद ११ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>1 जनवरी, शुक्रवार, सूर्योदय से रात्रि 8.16 बजे तक; 28 जनवरी, गुरुवार, सूर्योदय से अर्द्धरात्र्योपरान्त 3.49 बजे तक। | पूर्वा फाल्गुनी १९/२०<br>कन्या २५/०७<br>**4**<br>पौष वद ६ | ज्येष्ठा ९/१०<br>धनु ९/१०<br>**11**<br>पौष वद १३ | पूर्वा भाद्रपद ७/३८<br>मीन<br>**18**<br>पौष सुद ५ | मृगसिरा २५/५३<br>मिथुन १३/०१<br>**25**<br>पौष सुद १२ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | **पंचक**<br>15 जनवरी, सायं 5.04 बजे से 20 जनवरी, मध्याह्न 12.34 बजे तक। | उत्तरा फाल्गुनी १८/२२<br>कन्या<br>**5**<br>पौष वद ७ | मूल ७/३९<br>धनु<br>**12**<br>पूर्वाषाढ़ा ३०/२३<br>पाक्षिक पर्व<br>पौष वद १४ | उत्तरा भाद्रपद ९/५०<br>मीन<br>**19**<br>पौष सुद ६ | आर्द्रा २७/०९<br>मिथुन<br>**26**<br>पौष सुद १३ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | **शुभ दिन**<br>2, 16, 19, 21, 25, 26, 28, 29<br>**अशुभ दिन**<br>1, 3, 6, 7, 10, 13, 20, 23, 24 | हस्त १७/०९<br>तुला २८/२८<br>**6**<br>पौष वद ८ | उत्तराषाढ़ा २९/२९<br>मकर १२/०७<br>**13**<br>अमावस्या<br>पौष वद ३० | रेवती १२/३४<br>मेष १२/३४<br>**20**<br>पौष सुद ७ | पुनर्वसु २७/४७<br>कर्क २१/४१<br>**27**<br>पाक्षिक पर्व<br>पौष सुद १४ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | **अमृत सिद्धि योग**<br>28 जनवरी, गुरुवार, पुष्य नक्षत्र, सूर्योदय से अर्द्धरात्र्यौपरान्त 3.49 बजे तक। | चित्रा १५/४५<br>तुला<br>**7**<br>पौष वद ९ | श्रवण २९/०४<br>मकर<br>**14**<br>चन्द्र दर्शन<br>पौष सुद १ | अश्विनी १५/३६<br>मेष<br>**21**<br>पौष सुद ८ | पुष्य २७/४९<br>कर्क<br>**28**<br>पौष सुद १५ |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | पुष्य २०/१६<br>कर्क<br>**1**<br>पौष वद २ | स्वाती १४/११<br>वृश्चिक ३०/५८<br>**8**<br>पौष वद १० | धनिष्ठा २९/१४<br>कुंभ १७/०४<br>**15**<br>पौष सुद २ | भरणी १८/४१<br>वृषभ २५/२६<br>**22**<br>पौष सुद ९ | आश्लेषा २७/२२<br>सिंह २७/२२<br>**29**<br>माघ वद १ |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | आश्लेषा २०/१९<br>सिंह २०/१९<br>**2**<br>पौष वद ३ | विशाखा १२/३१<br>वृश्चिक<br>**9**<br>पौष वद ११ | शतभिषा ३०/०५<br>कुंभ<br>**16**<br>पौष सुद ३ | कृतिका २१/३३<br>वृषभ<br>**23**<br>पौष सुद १० | मघा २६/३०<br>सिंह<br>**30**<br>माघ वद २ |

## पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| जनवरी | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 7.26 | 7.28 | 7.28 | 7.27 | 7.27 | 7.26 |
| सूर्यास्त | 5.57 | 6.00 | 6.05 | 6.09 | 6.12 | 6.16 |
| नवकारसी | 8.14 | 8.16 | 8.16 | 8.15 | 8.15 | 8.14 |
| पोरसी | 10.04 | 10.06 | 10.08 | 10.08 | 10.09 | 10.09 |
| डेढ़ पोरसी | 11.23 | 11.26 | 11.28 | 11.28 | 11.29 | 11.30 |

## जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

8. पार्श्व जिन जन्म, 9. पार्श्व जिन दीक्षा, 10. चंद्रप्रभ जिन जन्म, 11. चंद्रप्रभ जिन दीक्षा, 12. शीतल जिन केवल, 19. विमल जिन केवल, 22. शांति जिन केवल, 24. अजित जिन केवल, 27. अभिनन्दन जिन केवल, आचार्य श्री पार्श्वचन्द्र जी म. सा. का जन्म-दिवस, मरुधर केसरी स्मृति दिवस, आचार्य श्री हस्तीमल जी म. सा. का जन्म-दिवस, 28. धर्म जिन केवल।

## राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

1. नववर्ष प्रारम्भ, 9. सफला एकादशी व्रत, 10. प्रदोष, 13. लोहड़ी (पंजाब), 14 मकर संक्रान्ति, पोंगल, 15. पंचक प्रारम्भ, 20. पंचक समाप्ति, 23. नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयन्ती, 24. पुत्रदा एकादशी व्रत, 26. प्रदोष, गणतंत्र दिवस, 28. माघ स्नानारम्भ, 30. गांधी पुण्य तिथि, 31. सौभाग्य सुंदरी व्रत।

## अवकाश

1. नववर्ष प्रारम्भ (ऐं), 9. द्वितीय शनिवार, 13. लोहड़ी (पंजाब) (ऐं), 14. मकर संक्रान्ति, पोंगल, 20. गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती, 26. गणतंत्र दिवस।

नोट—सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

## याददाश्त

12. पाक्षिक पर्व
27. पाक्षिक पर्व

## दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |


Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®
।। पूज्य प्रवर जयमल्लजी, राय आस सबलेश। नमो हीर कस्तूर, भीष्म कानमल्लेश।।

# 2021 का वार्षिक राशिफल





## 1. मेष लग्न राशि (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके कार्य-व्यवसाय तथा रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक तथा लाभप्रद रह सकता है। इंजीनियरिंग व एकाउण्ट्स के क्षेत्र में प्रयास करने वाले को सफलता मिल सकती है। भूमि-भवन तथा अन्य सम्पत्तियों की प्राप्ति का योग बन सकता है। नव-निर्माण व पुनर्निर्माण की सम्भावनाएँ हैं। विवादित व अदालती मामलों में आपको अपने प्रयासों में सफलता मिल सकती है। किसी कार्य-विशेष में साझेदारी सम्भव है। व्यावसायिक प्रयोजनों से दूरस्थ यात्राएँ हो सकती हैं।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए शुभ संकेतों का सूचक है। विवाह योग्य जातकों के विवाह की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। आय के अतिरिक्त संसाधनों से लाभ व आय की प्राप्ति होगी। संतान-विषयक चिंताओं का निवारण हो सकता है। आर्थिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिल सकता है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—इस काल में आपको उच्च उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। राज्य अधिकारियों को महत्वाकांक्षी पद की प्राप्ति हो सकती है। राजनीतिज्ञों को अपेक्षित पद व अधिकारों की प्राप्ति हो सकती है। संतान-विषयक शुभ व मांगलिक कार्य हो सकते हैं। किसी राजकीय सेवा में उच्च पद पर नियुक्ति का योग बन सकता है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको सामान्यत: धैर्य व संयम से काम लेना होगा। भूमि, भवन व अन्य सम्पत्ति के लेन-देन में सतर्कता रखें। कार्य-व्यापार में रोजगार के क्षेत्र में नये अवसर मिल सकते हैं। किसी निकट सम्बन्धी के साथ आर्थिक लेन-देन में सावधानी रखें।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—इस काल में आपको आकस्मिक धन लाभ की प्राप्ति हो सकती है। मेडिकल व मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को अपेक्षित परिणाम प्राप्त होगा संतान-विषयक शुभ व मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। विवाह तथा सगाई-सम्बन्ध होने का योग है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—इस काल में विवाह योग्य जातकों के विवाह की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता के बाद उपयुक्त पदों पर नियुक्ति मिल सकती है। राज्यकर्मियों व अधिकारियों का इच्छित स्थान पर स्थानांतरण सम्भव हो सकता है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—कार्य-व्यापार के क्षेत्र में उच्च सम्भावना बन सकती है। साझेदारी कार्य के प्रस्तावों पर सहमति बन सकती है। घर-परिवार में मांगलिक व शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। विदेश यात्राएँ व्यावसायिक कारणों से हो सकती हैं। अपने कार्य को विस्तार देने का आपका प्रयास सफल हो सकता है। राज्यकर्मियों व अधिकारियों के स्थानांतरण का योग है।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष आपके लिए राहू में शनि की स्थिति में सकारात्मकता बनी रहे, अत: इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें तथा उन्नत किस्म का सिंदूरी मूँगा व मोती धारण करें।

**माला—ॐ नमो वासुपूज्याय जिनाय ह्रीँ नम:। ॐ ऐँ चन्द्रप्रभ जिनाय श्रीँ नम:।**

## 2. वृषभ लग्न राशि (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

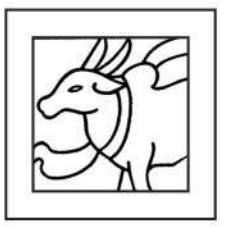

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए भाग्यशाली तथा मंगलकारी हो सकता है। आर्थिक क्षेत्र में कुछ उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। कार्य-व्यापार के क्षेत्र में नव सम्भावनाओं के साथ सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। भाग्य-पक्ष की अनुकूलता का लाभ आपको प्रत्येक क्षेत्र में प्राप्त हो सकता है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—इस काल में आपको व्यावसायिक कारोबारी तथा आजीविका के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। कार्य-व्यापार विस्तार की सम्भावनाओं को बल मिल सकता है। आपको अपनी आर्थिक योजनाओं व प्रयोजनों में इच्छित सफलता प्राप्त हो सकती है। संतान की शिक्षा-दीक्षा पर विशेष ध्यान दे सकते हैं। विवादित व अदालती मामलों में आपको सफलता मिल सकती है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके आर्थिक मामलों में सकारात्मक रह सकता है। राजकीय अधिकारियों को इच्छित स्थान पर स्थानांतरण मिलने की सम्भावना है। बड़े व्यवसायियों व उद्यमियों को अपने कार्य के विस्तार का अवसर मिल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय से जुड़ने तथा व्यवसाय को विस्तार देने का योग बन सकता है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको कार्य-व्यापार के क्षेत्र में उच्च उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। आय तथा लाभ की स्थिति में सुधार होगा, संतान-विषयक शुभ मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों व गतिविधियों में सक्रियता बनी रह सकती है। संतों व महापुरुषों के सान्निध्य व दर्शन का लाभ मिल सकता है।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद व सुविधाजनक रह सकता है। निर्माण कार्य से जुड़े व्यक्तियों को कुछ बड़ा व नया करने का अवसर मिल सकता है। भूमि-भवन व अन्य सम्पत्तियों का लेन-देन सम्भव है। किसी पर अधिक भरोसा करने से बचें। कार्य-व्यापार व उद्यम के क्षेत्र में इच्छित सफलता के परिणामों की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों में संलग्नता बनी रह सकती है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—आपके लिये यह काल सामान्यत: सुविधाजनक तथा संतोषप्रद रह सकता है। घर-परिवार में मांगलिक व शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। संतान के सगाई-विवाह का योग बन सकता है। आकस्मिक स्रोतों से धन-प्राप्ति सम्भव हो सकती है। अदालती मामलों में आपको किसी राज्य अधिकारी का सहयोग मिल सकता है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपको सामान्यत: रोजगार तथा कामकाज के नये अवसर प्रदान कर सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट व निर्माण कार्य से जुड़े जातकों को किसी बड़ी निगम निर्माण योजना पर कार्य करने का अवसर प्रदान कर सकता है। विवाह योग्य जातकों के विवाह की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। किसी कार्य-विशेष में साझेदारी तथा नए कार्य को प्रारम्भ करने की सम्भावनाएँ हैं।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष गुरु में राहु की स्थिति नकारात्मक होने से इन ग्रहों की विधि व शांति करावें, साथ ही उन्नत किस्म का सफेद मूँगा व पन्ना धारण करें।

**माला—ॐ ऋषभ जिनाय ह्रीँ ऐँ नम:। ॐ अर्हं अरिष्टनेमि जिनाय नम:।**

## 3. मिथुन लग्न राशि (का, की, कू, के, को, घ, ड, छ, ह)

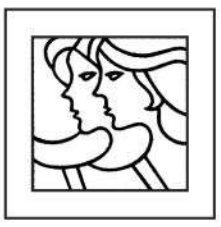

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए सामान्यत: नव सम्भावनाओं वाला रह सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट व निर्माण कार्य से जुड़े जातकों को अपने क्षेत्र में उचित अवसर मिल सकते हैं। किसी भी डॉक्यूमेंट पर हस्ताक्षर करने से पूर्व भलीभाँति जाँच अवश्य कर लें। विद्यार्थी वर्ग को अपने क्षेत्र में उच्च परिणाम व सफलता की प्राप्ति हो सकती है। उच्च शिक्षा से जुड़े जातकों को प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश की अनुमति प्राप्त हो सकती है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—इस काल में विवाह योग्य जातकों को वैवाहिक प्रस्तावों की प्राप्ति व सहमति का योग बन सकता है। गारमेंट व ज्वेलरी व्यवसायियों को अपने व्यवसाय विस्तार का अवसर मिल सकता है। संतान-विषयक शुभ मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। संतान को उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ व विदेश भेजने की सम्भावनाएँ हैं। संतान-पक्ष का रोजगार व व्यवसाय क्षेत्र में सहयोग प्राप्त हो सकता है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—इस काल में आप कार्य-व्यापार के क्षेत्र में नव सम्भावना को ध्यान में रख बड़े परिवर्तन की योजना बना सकते हैं। किसी अंतर्राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कम्पनी से व्यावसायिक सम्बन्ध बनने का योग बन सकता है। अपने व्यापार को विदेश तक विस्तार देने की योजना पर कार्य कर सकते हैं। विद्यार्थी वर्ग को अपने लक्ष्य में सफलता मिल सकती है। किसी राज्याधिकारी के सहयोग से विवादास्पद मामलों को सफलतापूर्वक सुलझा लेने में सफल हो सकते हैं।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सकारात्मक तथा सुविधाजनक रह सकता है। आजीविका बेरोजगार के लिए प्रयासरत जातकों को नए क्षेत्र में अवसर मिल सकते हैं।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद व सुविधाजनक रह सकता है। आपसी सहयोग तथा मेल-मुलाकात का प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से प्रत्येक क्षेत्र में सुविधाजनक लाभ रह सकता है। आप अपने प्रभाव व दबाव से विवादास्पद मामलों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। भूमि-भवन व अन्य सम्पत्ति के लेन-देन का परिणाम सुखद रह सकता है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके आर्थिक प्रबंधन व समायोजन में सहायक रह सकता है। लैंड डेवलपर, बिल्डर्स तथा प्रॉपर्टी डीलर के लिए बड़ी उपलब्धियों की प्राप्ति सामान्य प्रयासों से संभव हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग के लिए कुछ नया सीखने, करने का अवसर बन सकता है। प्रतियोगी परीक्षा तथा साक्षात्कार में सफलता के साथ ही योग्यता अनुसार पद पर नियुक्ति सम्भव हो सकती है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए शुभ सकारात्मक रह सकता है। मशीनरी, सीमेंट, सरिया व्यवसायियों व उद्यमियों के लिए उच्च स्तर पर अनुबंध व समझौते की सम्भावना है। अपनी क्षमताओं के अनुरूप कार्य करने का पूर्ण अवसर प्राप्त हो सकता है। मेडिकल क्षेत्र में आजीविका का प्रयास करने वाले जातकों को योग्यतानुसार अवसर मिल सकते हैं।

**उपाय-सुझाव**—शनि व गुरु के नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें।

**माला—ॐ मुनिसुव्रत जिनाय ह्रीँ नम:। ॐ नमो आयरियाणं ऐँ नम:।**

## 4. कर्क लग्न राशि (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके कार्य-व्यापार तथा आजीविका करियर के क्षेत्र में उच्च सम्भावनाएँ व उपलब्धियाँ प्रदान करने वाला हो सकता है। दूरस्थ तथा विदेश यात्राएँ सम्भव हैं। विवादास्पद मामलों का निर्णय आपके पक्ष में हो सकता है। मेडिकल मैनेजमेंट तथा कंस्ट्रक्शन क्षेत्र से जुड़े जातकों को अपनी योजनाओं में सफलता मिल सकती है। संतान-विषयक शुभ व मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। किसी निकटस्थ परिचित व मित्रों के सहयोग से अपने कार्यों व योजनाओं में सफलता मिल सकती है। व्यवसाय व रोजगार क्षेत्र में संतान का सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो सकता है।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

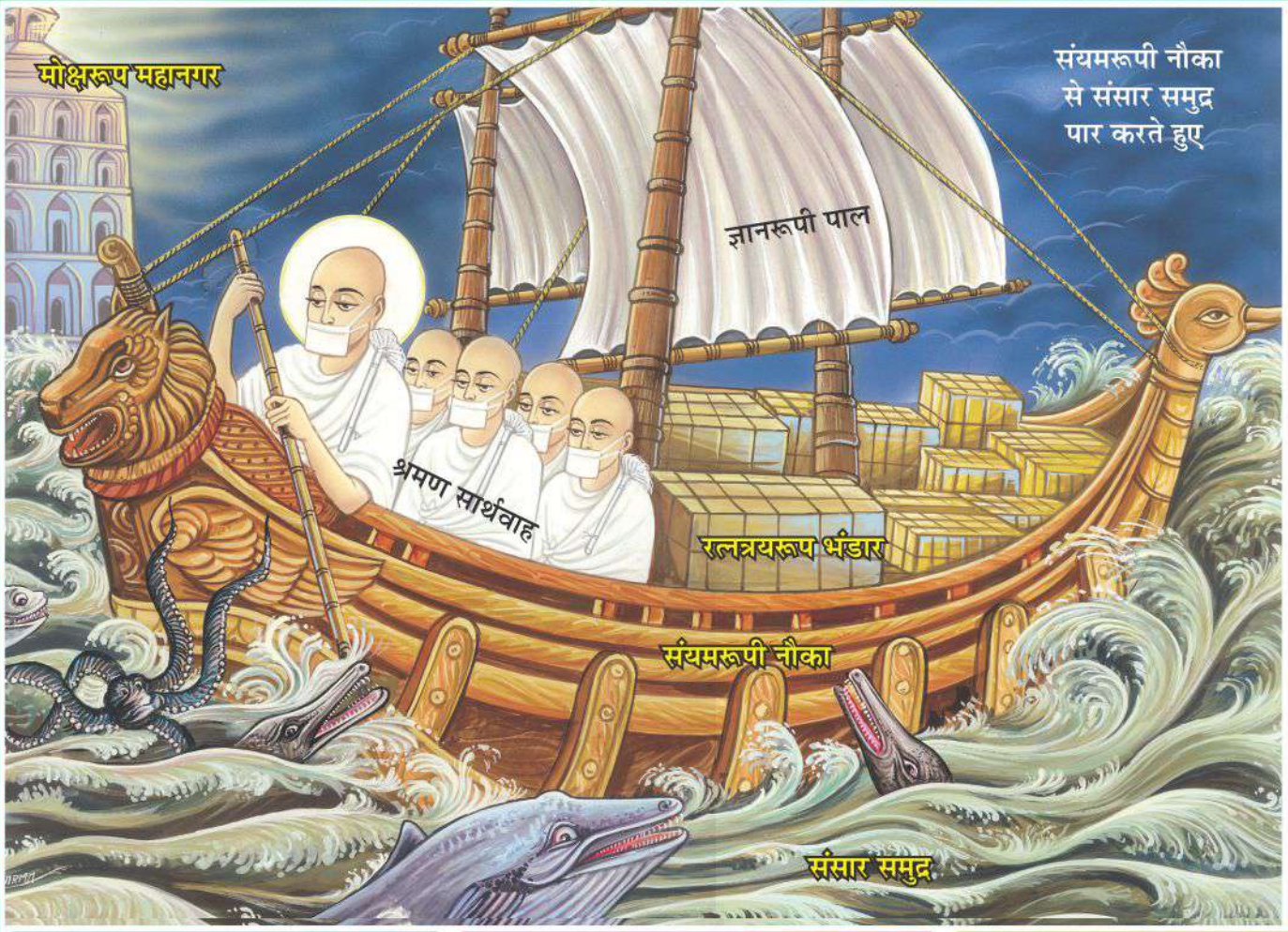

विश्व का सर्वप्रथम **जैन कैलेण्डर**




**चित्र केवल परिचयार्थ :** संसाररूपी समुद्र को संयमरूपी नौका से पार करते श्रमणरूपी सार्थवाह। इस नौका पर ज्ञानरूपी पाल लगा है। रत्नत्रयरूपी भंडार भरा है। यह नौका मोक्षरूप महानगर की ओर जा रही है। संसार समुद्र में अज्ञानरूपी मगरमच्छ आर्त्त और रौद्र ध्यानरूपी भयंकर जलजीव भरे पड़े हैं।

## फरवरी 2021 FEBRUARY


JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com


विक्रम संवत् : 2077 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 225 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **रवि** SUNDAY<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | | ज्येष्ठा १६/१४<br>धनु १६/१४<br>**7**<br>माघ वद ११ | पूर्वा भाद्रपद १६/२९<br>मीन १०/०५<br>**14**<br>माघ सुद ३ | रोहिणी ८/४२<br>मिथुन २१/५४<br>**21**<br>माघ सुद ९ |
| **सोम** MONDAY<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | उत्तरा फाल्गुनी २३/५९<br>कन्या<br>**1**<br>माघ वद ४ | मूल १५/२०<br>धनु<br>**8**<br>माघ वद १२ | उत्तरा भाद्रपद १८/२४<br>मीन<br>**15**<br>माघ सुद ४ | मृगसिरा १०/५६<br>मिथुन<br>**22**<br>माघ सुद १० |
| **मंगल** TUESDAY<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | हस्त २२/३३<br>कन्या<br>**2**<br>माघ वद ५ | पूर्वाषाढ़ा १४/३८<br>मकर २०/३०<br>**9**<br>माघ वद १३ | रेवती २०/५२<br>मेष २०/५२<br>**16**<br>माघ सुद ५ | आर्द्रा १२/२८<br>मिथुन<br>**23**<br>माघ सुद ११ |
| **बुध** WEDNESDAY<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | चित्रा २१/०७<br>तुला ९/४९<br>**3**<br>माघ वद ६ | उत्तराषाढ़ा १४/११<br>मकर<br>**10**<br>माघ वद १४ | अश्विनी २३/४५<br>मेष<br>**17**<br>माघ सुद ६ | पुनर्वसु १३/१४<br>कर्क ७/०७<br>**24**<br>माघ सुद १२ |
| **गुरू** THURSDAY<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | स्वाती १९/४४<br>तुला<br>**4**<br>माघ वद ७ | श्रवण १४/०४<br>कुम्भ २६/०९<br>**11**<br>पाक्षिक पर्व अमावस्या<br>माघ वद ३० | भरणी २६/५२<br>मेष<br>**18**<br>माघ सुद ६ | पुष्य १३/१५<br>कर्क<br>**25**<br>माघ सुद १३ |
| **शुक्र** FRIDAY<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | विशाखा १८/२७<br>वृश्चिक १२/४५<br>**5**<br>माघ वद ८ | धनिष्ठा १४/२१<br>कुम्भ<br>**12**<br>माघ सुद १ | कृतिका २९/५६<br>वृषभ ९/३९<br>**19**<br>माघ सुद ७ | आश्लेषा १२/३३<br>सिंह १२/३३<br>**26**<br>पाक्षिक पर्व<br>माघ सुद १४ |
| **शनि** SATURDAY<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | अनुराधा १७/१६<br>वृश्चिक<br>**6**<br>माघ वद ९/१० | शतभिषा १५/०८<br>कुम्भ<br>**13**<br>चन्द्र दर्शन<br>माघ सुद २ | रोहिणी<br>वृषभ<br>**20**<br>माघ सुद ८ | मघा ११/१७<br>सिंह<br>**27**<br>माघ सुद १५ |

पूर्वा फाल्गुनी ९/३४ — कन्या १५/०५ — **28** — फाल्गुन वद १

**पुष्य नक्षत्र**
24 फरवरी, बुधवार, मध्याह्न 1.14 बजे से 25 फरवरी, गुरुवार, मध्याह्न 1.15 बजे तक।

**पंचक**
11/12 फरवरी, रात्रि 2.09 बजे से 16 फरवरी, रात्रि 8.52 बजे तक।

**शुभ दिन**
7, 9, 12, 14, 20, 22, 24, 25, 28

**अशुभ दिन**
3, 6, 11, 19, 23, 27

**अमृत सिद्धि योग**
20 फरवरी, शनिवार, रोहिणी नक्षत्र, सूर्योदय से अहोरात्र; 25 फरवरी, गुरुवार, पुष्य नक्षत्र, सूर्योदय से मध्याह्न 1.15 बजे तक।

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| फरवरी | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 7.23 | 7.21 | 7.15 | 7.10 | 7.07 | 7.05 |
| सूर्यास्त | 6.20 | 6.25 | 6.28 | 6.31 | 6.33 | 6.37 |
| नवकारसी | 8.11 | 8.09 | 8.04 | 8.00 | 7.58 | 7.53 |
| पोरसी | 10.08 | 10.07 | 10.05 | 10.02 | 10.00 | 9.59 |
| डेढ़ पोरसी | 11.31 | 11.30 | 11.29 | 11.28 | 11.27 | 11.26 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

3. पद्मप्रभ जिन च्यवन, 8. शीतल जिन जन्म, शीतल जिन दीक्षा, 9. ऋषभ जिन मोक्ष, 11. श्रेयांस जिन केवल, खद्दरधारी गुरु गणेश पुण्य तिथि, 13. अभिनन्दन जिन जन्म, वासुपूज्य जिन केवल, 14. धर्म जिन जन्म, विमल जिन जन्म, 15. विमल जिन दीक्षा, 20. अजित जिन जन्म, 21. अजित जिन दीक्षा, 24. अभिनन्दन जिन दीक्षा, 25. धर्म जिन दीक्षा।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

4. स्वामी विवेकानंद जयन्ती, 9. प्रदोष, 11. मौनी अमावस्या, पंचक प्रारम्भ, 16. बसंत पंचमी, पंचक समाप्ति, 23. जया एकादशी व्रत, 24. प्रदोष, 27. माघ स्नान पूर्ति।

### अवकाश

13. द्वितीय शनिवार
27. गुरु रविदास जयन्ती

नोट—सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

11. पाक्षिक पर्व
26. पाक्षिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| | | |
| | | |
| | | |


Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# 2021 का वार्षिक राशिफल

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: संतोषप्रद तथा सुखद रह सकता है। पारिवारिक सम्पत्तियों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निर्णय हो सकते हैं। किसी निकटस्थ परिजन के उत्तराधिकारी के रूप में धन-सम्पत्ति की प्राप्ति हो सकती है। बाहरी व दूरस्थ यात्राओं में सामान्य सावधानी व सुरक्षा को प्राथमिकता दें। संतान-विषयक शुभ कार्य सम्भव हो सकते हैं।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके कार्य-व्यापार तथा रोजगार के क्षेत्र में सकारात्मक रह सकता है। राज्य अधिकारियों को किसी पद-विशेष पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है। सेवा में नियुक्ति की तैयारी करने वाले जातकों को योग्यता व कौशल के अनुसार पद विशेष पर नियुक्ति प्राप्त हो सकती है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में किसी पर अधिक भरोसा करना उचित नहीं रहेगा। व्यावसायिक गतिविधियों में सामान्य सतर्कता तथा पारदर्शिता आवश्यक है। किसी एग्रीमेंट, सौदे-समझौते आदि पर हस्ताक्षर व सहमति में सावधानी रखें।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—इस काल में आपको आर्थिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में उच्च उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। किसी गुप्त व आकस्मिक स्रोत से बड़ी रकम प्राप्त हो सकती है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुविधाजनक तथा सकारात्मक रह सकता है। संतान-विषयक समस्याओं व चिंताओं का निवारण हो सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट तथा पुलिस-सेवा में जाने वाले अभ्यर्थियों को अपनी योग्यता अनुसार पद की प्राप्ति हो सकती है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद व संतोषप्रद रह सकता है। आपको घरेलू व पारिवारिक मामलों में सकारात्मक सहयोग मिल सकता है। भूमि-भवन सम्बन्धी सौदों व लेन-देन में विवाद रह सकता है। संतान के विवाह, सगाई-सम्बन्धी मामलों में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी आने व व्यावसायिक सम्पत्तियों में वृद्धि के योग हैं।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष गुरु में शनि की स्थिति नकारात्मक बनी है। इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें तथा उन्नत किस्म का सिन्दूरी मूँगा व मोती धारण करें।

**माला—ॐ ह्रीँ भगवते वासुपूज्याय नमः। ॐ अर्हं चन्द्रप्रभ जिनाय नमः।**

### 5. सिंह लग्न राशि (म, मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

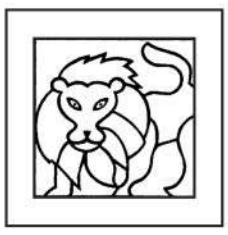

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए सकारात्मक तथा शुभ रह सकता है। आर्थिक तथा सम्पत्तिजन्य मामलों में आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। घर-परिवार में मांगलिक तथा शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। बड़े व्यवसायियों व उद्यमियों को अपने सीमेंट, सरिया तथा स्टील व्यवसाय से जुड़े जातकों को अपने क्षेत्र में सफलता की प्राप्ति हो सकती है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—इस काल में व्यावसायिक क्षेत्र में आपको इच्छित व सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। निर्माण कार्य व भूमि-भवन सम्बन्धी मामलों में सफलता मिल सकती है। संतान-विषयक मामलों में सकारात्मकता से महत्वपूर्ण निर्णय हो सकते हैं तथा आपको अधिकार प्राप्त भी हो सकता है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: नव सम्भावनाओं से परिपूर्ण रह सकता है। कम्प्यूटर डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर इंजीनियर के क्षेत्र में कार्य व रोजगार करियर की नव सम्भावनाएँ बन सकती हैं। राजनीतिज्ञों तथा उच्च अधिकारियों को अपने अधिकार तथा पद विशेष पर बड़ी उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्य रह सकता है। शुभ परिणाम मिल सकते हैं। आजीविका तथा करियर के नए अवसर मिल सकते हैं। संतान-विषयक समस्याओं का समाधान व शिक्षा सम्बन्धी बाधाएँ दूर हो सकती हैं।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए प्रभावशाली तथा महत्वाकांक्षी रह सकता है। आप किसी बड़ी कार्य योजना को सफलतापूर्वक पूरा करना चाहेंगे। भूमि-भवन सम्बन्धी विवादित मामलों का समाधान आप अपने प्रभाव तथा दबाव से बना लेने में सफल हो सकते हैं। किसी भव्य पारिवारिक, सामाजिक व धार्मिक आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—इस काल में आपको अपने आर्थिक प्रयोजनों, प्रबंधन व समायोजनों में सामान्य प्रयासों से सफलता मिल सकती है। संतान-विषयक शुभ व मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपको अपने मित्रों और शुभचिंतकों का पूर्ण सहयोग मिल सकता है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए नव व्यावसायिक सम्भावनाओं तथा विस्तार की योजनाओं में सफलताप्रद रह सकता है। किसी उच्च व प्रतिष्ठित अनुबंध सौदे व समझौते की सम्भावना है। आपको अपनी क्षमता में योग्यता अनुसार सामर्थ्य के प्रदर्शन का अवसर मिल सकता है। अपने मित्रों व सहयोगियों का पूर्ण सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो सकता है।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष राहु व शनि की स्थिति नकारात्मक बनी है। इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें तथा उन्नत किस्म का पुखराज सिंदूरी मूँगा चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ अरिष्टनेमि जिनाय नमः। ॐ मुनिसुव्रत जिनाय नमः।**

### 6. कन्या लग्न राशि (टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपकी आर्थिक व सम्पत्तिजन्य लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक रह सकता है। रेडीमेड गारमेंट, स्वर्ण-आभूषण व्यवसायियों को अपने कार्य-व्यवसाय के विस्तार का प्रस्ताव तथा अवसर मिल सकता है। संतान-विषयक किये गये मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए उच्च सम्भावनाओं तथा उपलब्धियों का रह सकता है। साझेदारी कार्य-व्यापार के प्रस्तावों पर सहमति बन सकती है। घर-परिवार में विवाह तथा आय एवं लाभ के अनेक अवसर मिल सकते हैं। मशीनरी तथा मैकेनिज्म से जुड़े जातकों को आजीविका व करियर बनाने में सफलता मिल सकती है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—इस काल में आपको सामान्यत: धैर्य तथा संयम से काम लेना होगा। 1 मई से 23 मई के मध्य आपको कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—यह काल आपके कार्य-व्यापार तथा आजीविका करियर के क्षेत्र में नव सम्भावनाओं का रह सकता है। वकालत तथा न्यायिक क्षेत्र में योग्यता रखने वाले जातकों को करियर बनाने का अवसर मिल सकता है। फाइनेंस बैंकिंग तथा शिक्षा के क्षेत्र में आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके आर्थिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में सकारात्मक तथा महत्वपूर्ण रह सकता है। आर्थिक तथा पूँजीगत प्रबंधन व समायोजन में सहायक रह सकता है। किसी बड़े धार्मिक व पारिवारिक-सामाजिक आयोजन में सम्मिलित व सम्मानित होने का अवसर मिल सकता है। आर्थिक उपायों, प्रबंधन तथा समायोजनों में इच्छित परिणाम व सफलता मिल सकती है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सकारात्मक तथा संतोषप्रद रह सकता है। पारिवारिक व सामाजिक गतिविधियों में आपकी सक्रियता अधिक रह सकती है। व्यावसायिक क्षेत्र में आपको उच्च परिणाम तथा इच्छित सफलता की प्राप्ति हो सकती है। मार्केटिंग, एकाउंट, कम्प्यूटर तथा इंजीनियरिंग से सम्बन्धित जातकों को इन क्षेत्रों में अपना करियर बनाने का अवसर मिल सकता है। विद्यार्थी वर्ग को अपने लक्ष्यों में सफलता मिल सकती है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—इस काल में आप अपने आवश्यक कार्यों को आपसी सहयोग तथा मेल-मुलाकात से सफलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। संतान-विषयक समस्या व चिंताओं का निराकरण करने में सफल होंगे।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष गुरु व मंगल की स्थिति आपके लिए नकारात्मक बनी है। इन ग्रहों की विधिवत् शांति करें-करावें तथा साथ ही उन्नत किस्म का सफेद मूँगा व पन्ना चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ ऊषभं नमः। ॐ णमो सिद्धाणं।**

### 7. तुला लग्न राशि (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए सकारात्मक तथा शुभ रहेगा। आपको अपने कार्य-व्यवसाय व करियर के क्षेत्र में इच्छित परिणाम में सफलता प्राप्त होगी। साझेदारी कार्य-व्यापार के प्रस्तावों पर सहमति बन सकती है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—इस काल में रेडीमेड गारमेंट, ज्वेलरी, कॉस्मेटिक तथा डेकोरेशन से जुड़े जातकों को कुछ अवसर मिल सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं और संसाधनों की प्राप्ति का योग है। निर्माण में पुनर्निमाण की सम्भावनाएँ हैं। मेडिकल, मशीनरी व मैनेजमेंट से सम्बन्धित जातकों को अपनी योग्यता अनुसार करियर व आजीविका के अवसर मिल सकते हैं।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सकारात्मक तथा सुविधाजनक रह सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट, लैंड डेवलपर्स, बिल्डर्स, कैटरिंग, होटल, रेस्टोरेंट आदि से जुड़े जातकों के लिए रोजगार व करियर के अनेक अवसर मिल सकते हैं। सीमेंट, सरिया, लोहा, मशीनरी से सम्बन्धित व्यवसायियों में उद्यमियों को किसी नए प्रोजेक्ट पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सकारात्मक तो रह सकता है परन्तु साथ ही आपको सामान्य सावधानी व सतर्कता से काम लेना होगा। कार्य-व्यवसाय तथा करियर के क्षेत्र में सामान्य उतार-चढ़ाव तथा अस्थिरता की स्थिति बन सकती है। पारिवारिक व सामाजिक स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी तथा दायित्व निर्वाह करने की सम्भावना बन सकती है।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—इस काल में आपको अपने कार्य-व्यापार तथा करियर के क्षेत्र में सकारात्मक सम्भावनाएँ प्राप्त हो सकती हैं। आर्थिक क्षेत्र में आपको बड़ी उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। विवाह योग्य जातकों के वैवाहिक कार्यक्रम तय हो सकते हैं। पारिवारिक सम्पत्तियों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निर्णय हो सकते हैं। राजनीतिज्ञों तथा अधिकारियों को महत्वाकांक्षी कार्य-योजना पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है। राजकीय सेवा तथा राजकीय कार्यों में सफलता पाने के प्रयास सफल हो सकते हैं।



कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।
जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

विश्व का सर्वप्रथम **जैन कैलेण्डर**

## मार्च 2021 MARCH




चित्र केवल परिचयार्थ : समवसरण में भगवान महावीर की वन्दना करने आये चारों जाति (निकाय) के देव।

पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2077 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 225 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| वार | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि (राहुकाल सायं 4.30 से 6.00 बजे) | **पुष्य नक्षत्र** 24 मार्च, बुधवार, सूर्योदय से रात्रि 11.10 बजे तक। | मूल २०/५७ · धनु · **7** · फाल्गुन वद ९ | उत्तरा भाद्रपद २६/१६ · मीन · **14** · चन्द्र दर्शन · फाल्गुन सुद १ | मृगसिरा १९/२१ · मिथुन · **21** · फाल्गुन सुद ७ | उत्तरा फाल्गुनी १७/३१ · कन्या · **28** · चातुर्मासिक पर्व · फाल्गुन सुद १५ |
| MONDAY सोम (प्रातः 7.30 से 9.00 बजे) | उत्तरा फाल्गुनी ७/३५ · कन्या · **1** · हस्त २८/३० · फाल्गुन वद २/३ | पूर्वाषाढ़ा २०/३८ · मकर २६/३६ · **8** · फाल्गुन वद १० | रेवती २८/३९ · मेष २८/३९ · **15** · फाल्गुन सुद २ | आर्द्रा २१/२५ · मिथुन · **22** · फाल्गुन सुद ८ | हस्त १४/५८ · तुला २५/३८ · **29** · चैत्र वद १ |
| TUESDAY मंगल (मध्याह्न 3.00 से 4.30 बजे) | चित्रा २७/२७ · तुला १६/२७ · **2** · फाल्गुन वद ४ | उत्तराषाढ़ा २०/३९ · मकर · **9** · फाल्गुन वद ११ | अश्विनी · मेष · **16** · फाल्गुन सुद ३ | पुनर्वसु २२/४३ · कर्क १६/२८ · **23** · फाल्गुन सुद ९ | चित्रा १२/१७ · तुला · **30** · चैत्र वद २ |
| WEDNESDAY बुध (मध्याह्न 12.00 से 1.30 बजे) | स्वाती २५/३३ · तुला · **3** · फाल्गुन वद ५ | श्रवण २१/०० · मकर · **10** · फाल्गुन वद १२ | अश्विनी ७/२५ · मेष · **17** · फाल्गुन सुद ४ | पुष्य २३/१० · कर्क · **24** · फाल्गुन सुद १० | स्वाती ९/४१ · वृश्चिक २५/५३ · **31** · चैत्र वद ३ |
| THURSDAY गुरू (मध्याह्न 1.30 से 3.00 बजे) | विशाखा २३/५५ · वृश्चिक १८/१८ · **4** · फाल्गुन वद ६ | धनिष्ठा २१/४३ · कुम्भ ९/११ · **11** · फाल्गुन वद १३ | भरणी १०/२९ · वृषभ १७/१६ · **18** · फाल्गुन सुद ५ | आश्लेषा २२/४६ · सिंह २२/४६ · **25** · फाल्गुन सुद ११ | **पंचक** 11 मार्च, प्रात: 9.19 बजे से 16 मार्च, प्रात: 4.39 बजे तक। |
| FRIDAY शुक्र (प्रातः 10.30 से 12.00 बजे) | अनुराधा २२/३६ · वृश्चिक · **5** · फाल्गुन वद ७ | शतभिषा २२/४९ · कुम्भ · **12** · फाल्गुन वद १४ | कृतिका १३/३९ · वृषभ · **19** · फाल्गुन सुद ६ | मघा २१/३६ · सिंह · **26** · फाल्गुन सुद १२/१३ | **शुभ दिन** 5, 7, 10, 14, 16, 18, 19, 20, 27, 28 **अशुभ दिन** 1, 8, 13, 15, 22, 26, 31 |
| SATURDAY शनि (प्रातः 9.00 से 10.30 बजे) | ज्येष्ठा २१/३६ · धनु २१/३६ · **6** · फाल्गुन वद ८ | पूर्वा भाद्रपद २४/२० · मीन १७/५५ · **13** · अमावस्या पाक्षिक पर्व · फाल्गुन वद ३० | रोहिणी १६/४१ · मिथुन ३०/०५ · **20** · फाल्गुन सुद ७ | पूर्वा फाल्गुनी १९/४८ · कन्या २५/१६ · **27** · फाल्गुन सुद १४ | **अमृत सिद्धि योग** 16 मार्च, मंगलवार, अश्विनी नक्षत्र, सूर्योदय से अहोरात्र; 20 मार्च, शनिवार, रोहिणी नक्षत्र, सूर्योदय से सायं 4.41 बजे तक; 28 मार्च, रविवार, हस्त नक्षत्र, सायं 5.31 से आगामी सूर्योदय तक। |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| मार्च | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 7.01 | 6.56 | 6.50 | 6.47 | 6.42 | 6.36 |
| सूर्यास्त | 6.40 | 6.42 | 6.44 | 6.48 | 6.49 | 6.52 |
| नवकारसी | 7.49 | 7.44 | 7.38 | 7.35 | 7.30 | 7.24 |
| पोरसी | 9.55 | 9.52 | 9.48 | 9.46 | 9.44 | 9.40 |
| डेढ़ पोरसी | 11.22 | 11.21 | 11.18 | 11.16 | 11.14 | 11.12 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

1. आचार्य जीत स्मृति दिवस, 4. सुपार्श्व जिन केवल, 5. सुपार्श्व जिन मोक्ष, चन्द्रप्रभ जिन केवल, 7. सुविधि जिन च्यवन, 9. ऋषभ जिन केवल, 10. मुनिसुव्रत जिन केवल, श्रेयांस जिन जन्म, 11. श्रेयांस जिन दीक्षा, 12. वासुपूज्य जिन जन्म, 13. वासुपूज्य जिन दीक्षा, 15. अरह जिन च्यवन, 17. मल्लि जिन च्यवन, 22. संभव जिन च्यवन, 26. मुनिसुव्रत जिन दीक्षा, मल्लि जिन मोक्ष।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

7. रामदास नवमी, 9. विजया एकादशी व्रत, 10. प्रदोष, 11. महाशिवरात्रि व्रत, पंचक प्रारम्भ, 15. श्री रामकृष्ण परमहंस जयन्ती, पंचक समाप्ति, 18. याज्ञवल्क्य जयन्ती, 22. होलाष्टक प्रारम्भ, 25. आमलकी एकादशी व्रत, 26. मेला श्यामजी (खाटु), प्रदोष, 28. होलिका दहन, 29. छारेंडी।

### अवकाश

11. महाशिवरात्रि व्रत, 13. द्वितीय शनिवार, 28. होलिका दहन, 29. छारेंडी।

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

13. पाक्षिक पर्व
28. चातुर्मासिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# 2021 का वार्षिक राशिफल

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्य से सकारात्मक तथा सुविधाजनक रह सकता है। कार्य-व्यापार में व करियर के क्षेत्र में परिवर्तन सम्भव हो सकता है। राज्यकर्मियों के स्थानांतरण की सम्भावना है। संतान-विषयक मामलों को ज्यादा तूल देना उचित नहीं रहेगा।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए प्रभावशाली तथा सकारात्मक रह सकता है। कार्य-व्यापार तथा करियर के क्षेत्र में आपको इच्छित परिणाम तथा सफलता प्राप्त हो सकती है। इंजीनियरिंग मार्केटिंग एकाउंट कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर एजेंसी कार्यों से जुड़े जातकों को विशेष लाभ तथा लक्ष्य की प्राप्ति हो सकती है। आपसी लेन-देन व्यवहार में सामान्य सावधानी तथा सतर्कता रखना हितकर रहेगा।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष गुरु में शनि की स्थिति नकारात्मक है। अत: इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें तथा साथ ही उन्नत किस्म का सिंदूरी मूँगा व मोती धारण करें।

**माला—ॐ वन्दे मुणी सुवयं। ॐ ऊषभं वंदे।**

### 8. वृश्चिक लग्न राशि (तो, न, ना, नी, नू, ने, नो, य, या, यी, यू)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके करियर व रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तथा सकारात्मक रह सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, होटल, रेस्टोरेंट तथा निर्माण कार्य से जुड़े जातकों के लिए नव सम्भावनाओं का रह सकता है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सकारात्मक व सुविधाजनक रहेगा। साझेदारी कार्य व्यापार की स्थितियों में सुधार तथा विस्तार की सम्भावना है। संतान-विषयक शुभ, मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त हो सकती है। राजनीतिज्ञों को अपने प्रभाव के अनुसार पद में अधिकारों की प्राप्ति हो सकती है। सुख-सुविधा व संसाधनों की प्राप्ति में सुविधा रह सकती है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके कार्य-व्यापार तथा आजीविका करियर के क्षेत्र में नई सम्भावनाओं का रह सकता है। राज्यकर्मियों तथा राज्य-अधिकारियों को विशेषाधिकार तथा महत्वाकांक्षी कार्य करने का अवसर मिल सकता है। राजनीतिज्ञों को मंत्री पद या समकक्ष पद पर आसीन होने की सम्भावनाएँ हैं। मीडिया, मार्केटिंग, विज्ञापन, इंजीनियरिंग, एजेंसी, ट्रांसपोर्टेशन, स्वर्ण-आभूषण के कार्य-व्यापार से सम्बन्धित जातकों के लिए विशेष अनुकूलता बनी रहेगी।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आप सामान्य धैर्य व संयम से काम लेते हुए चुनौतियों को अवसर व उपलब्धियों में बदलने में सफल हो सकते हैं। किसी के प्रभाव-प्रलोभन व दबाव में आकर किसी प्रकार का कोई कदम उठाना उपयुक्त नहीं रहेगा। कार्य-व्यापार के क्षेत्र में स्थितियों को सम्भालने का प्रयास करें। गुरु भगवंतों की सेवा-सान्निध्य व सत्संग के अवसर का लाभ उठायें।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए अत्यधिक सुविधाजनक तथा संतोषप्रद रह सकता है। कार्य-व्यापार के क्षेत्र में आपको बड़ी उपलब्धियाँ तथा महत्वाकांक्षी अवसर मिल सकते हैं। राज्यकर्मियों तथा राज्य अधिकारियों को पदोन्नति तथा उच्च पद पर नियुक्ति मिल सकती है। राजकीय सेवा में जाने की तैयारी करने वाले जातकों को अपनी योग्यता अनुसार पद-विशेष पर नियुक्ति का अवसर मिल सकता है। राज्यकर्मियों व अधिकारियों को अपने उचित स्थान पर स्थानांतरण का लाभ मिल सकता है। कार्य-व्यापार के क्षेत्र में नये व बड़े अनुबंध, एग्रीमेंट व सौदे-समझौते हो सकते हैं।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद तथा संतोषप्रद रह सकता है। आप किसी नये व्यवसाय प्रोजेक्ट पर कार्य करने की योजना बना सकते हैं। भावी व्यावसायिक सम्भावनाओं को देखते हुए वर्तमान स्थितियों में परिवर्तन कर सकते हैं।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए प्रभावशाली तथा महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। अपनी कार्य-व्यवस्थाओं में तात्कालिक व्यवस्थाजन्य परिवर्तन करते हैं। कार्य-विस्तार तथा साझेदारी की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। विवाह योग्य जातकों के विवाह की पूर्ण सम्भावना है। किसी कार्य-विशेष में अस्थाई रूप से साझेदारी सम्भव है। परिवार में मांगलिक, शुभ तथा धार्मिक कार्य के आयोजन सम्पन्न हो सकते हैं। पारिवारिक सम्पत्तियों पर अधिकार प्राप्त होने का योग है।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष शनि व राहु की स्थिति नकारात्मक है। अत: इन ग्रहों की विधिवत् शांति करावें तथा उन्नत किस्म का पुखराज, सिंदूरी मूँगा चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ णमो लोए सव्व साहूणं। ॐ अरिष्ट नेमि वंदामि।**

### 9. धनु लग्न राशि (ये, यो, भा, भी, भू, भे, धा, फा, ढा)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए सकारात्मक तथा संतोषप्रद रह सकता है। कार्य-व्यापार तथा करियर के क्षेत्र में आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। तात्कालिक परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्षेत्र में परिस्थितिजन्य बदलाव करने की सम्भावनाएँ हैं। राजनीतिज्ञों के प्रभाव तथा अधिकार-क्षेत्र में विस्तार हो सकता है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद व संतोषप्रद रह सकता है। आपस के घरेलू मामलों को सभी की सहमति से सुलझाने में सफलता मिल सकती है। मेडिकल, मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, होटल, रेस्टोरेंट, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स के कार्य-व्यापार से जुड़े जातकों को विशेष सुविधा के लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: उच्च उपलब्धियों तथा अवसरों का रह सकता है। राजनीतिज्ञों तथा राज्य के उच्च अधिकारियों को उच्च पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। संतान-विषयक शुभ मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मार्केटिंग, मीडिया, इंजीनियरिंग तथा ऐजेंसी कार्य से जुड़े जातकों को करियर के क्षेत्र में नये अवसर मिल सकते हैं।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको सामान्यत: आजीविका रोजगार तथा करियर के क्षेत्र में नव सम्भावनाएँ मिल सकती हैं। राजकीय सेवा के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने प्रयासों में सफलता प्राप्त हो सकती है। भूमि-भवन व अन्य सम्पत्तियों के लेन-देन, व्यवहार में सामान्य सावधानी सतर्कता व पारदर्शिता आवश्यक है। किसी के प्रभाव, प्रलोभन व दबाव में आकर किसी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सर्वाधिक सुखद तथा सुविधाजनक रह सकता है। भाग्य-पक्ष की अनुकूलता का लाभ आपको सभी क्षेत्रों में प्राप्त होगा। राज्यकर्मियों तथा उच्च अधिकारियों को पदोन्नति तथा अन्य इच्छित सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है। राजनीतिज्ञों को अपनी इच्छा अनुसार मंत्री तथा समकक्ष पद-प्राप्ति की सम्भावना है। संतान की उच्च शिक्षा तथा करियर प्रशिक्षण तथा इंटर्नशिप के लिए किसी उच्च संस्थान में प्रवेश सम्भव है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—इस काल में आपके कार्य-व्यापार तथा करियर के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की सम्भावना का योग है। मेडिकल, मैनेजमेंट, कंस्ट्रक्शन, होटल, रेस्टोरेंट से जुड़े व्यवसायियों तथा कामगारों के लिए यह काल सकारात्मक रह सकता है। राज्य कर्मचारियों को अतिरिक्त सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षा तथा साक्षात्कार में सफलता के साथ ही नवीन पद पर नियुक्ति सम्भव है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद तथा संतोषप्रद रह सकता है। राजनीतिज्ञों तथा राज्य अधिकारियों को विशेषाधिकारों की प्राप्ति हो सकती है। राज्यपाल से सम्बन्धित विवादित मामलों में आपको अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिल सकता है तथा निर्णय भी आपके पक्ष में हो सकता है। किसी बहुराष्ट्रीय कम्पनी व उच्च संस्थान में इंटर्नशिप सम्भव है। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट व व्यवसाय में बड़े व सकारात्मक अनुबंध तथा समझौतों की सम्भावना है।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष शनि में केतु की स्थिति नकारात्मक है। इन ग्रहों की विधिवत् शांति जप-दान आदि उपायों से करें-करावें तथा उन्नत किस्म का सफेद मूँगा व पुखराज धारण करें।

**माला—ॐ णमो लोए सव्व साहूणं। ॐ ह्रीँ पार्श्व जिनाय नम:।**

### 10. मकर लग्न राशि (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके लिए बहुआयामी सकारात्मक परिणाम लेकर आयेगा। आपको अपने कार्य-व्यापार, रोजगार तथा करियर की दिशा व दशा को तय करने में सहायक रह सकता है। एकाउंट, मार्केटिंग, मीडिया, ट्रेडिंग तथा एजेंसी कार्य करने वाले जातकों के लिए उत्तम तथा उच्च परिणामों की सम्भावना है। सीमेंट, स्टील, लौह उत्पाद, मशीनरी से जुड़े उद्यमियों व व्यापारियों के लिए व्यावसायिक विस्तार के प्रस्ताव के अवसर मिल सकते हैं। साझेदारी, कार्य-व्यापार की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। रेडीमेड गारमेंट, फैन्सी आधुनिक उत्पाद व सौंदर्य प्रसाधन से जुड़े जातकों को अपेक्षित लाभ की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपनी व्यवस्थाओं में परिस्थितिजन्य परिवर्तन करना पड़ सकता है। भूमि-भवन व वाहन के लेन-देन में सुविधा रह सकती है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए सुखद तथा संतोषप्रद रह सकता है। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आर्थिक उपलब्धियों तथा उपाय व समायोजनों में सफलता मिल सकती है। आकस्मिक व गुप्त स्रोतों से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक क्षेत्र में चल रही समस्याओं का समाधान मिल सकता है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुविधाजनक तो रह सकता है परन्तु साथ ही तात्कालिक छोटी-मोटी समस्याएँ तथा दुविधाएँ बनी रह सकती हैं। आर्थिक लेन-देन व्यवहार में किसी पर अधिक भरोसा व निर्भरता उपयुक्त नहीं है। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी के प्रभाव, प्रलोभन व बहकावे में आकर जोखिम उठाना उचित नहीं रहेगा।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको साझेदारी कार्य-व्यापार के प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। परन्तु किसी भी कार्य में सहभागिता के मामले में सामान्य सावधानी तथा पारदर्शिता से काम लें। किसी के दबाव, प्रभाव व प्रलोभन में आकर काम न करें। विवाह योग्य जातकों के विवाह की सर्वाधिक सम्भावनाएँ हैं। राजकीय सेवा में जाने की तैयारी करने वाले जातक अतिरिक्त प्रयासों से सफलता की अपेक्षा कर सकते हैं।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—इस काल में आपको बड़ी आर्थिक तथा धन-सम्पत्ति सम्बन्धी उपलब्धियों की प्राप्ति हो सकती है। जो भी कदम उठायें, बहुत ही सोच-समझकर तथा सूझबूझ के साथ उठायें। किसी के कहने-सुनने में आने से बचें।



कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।
जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

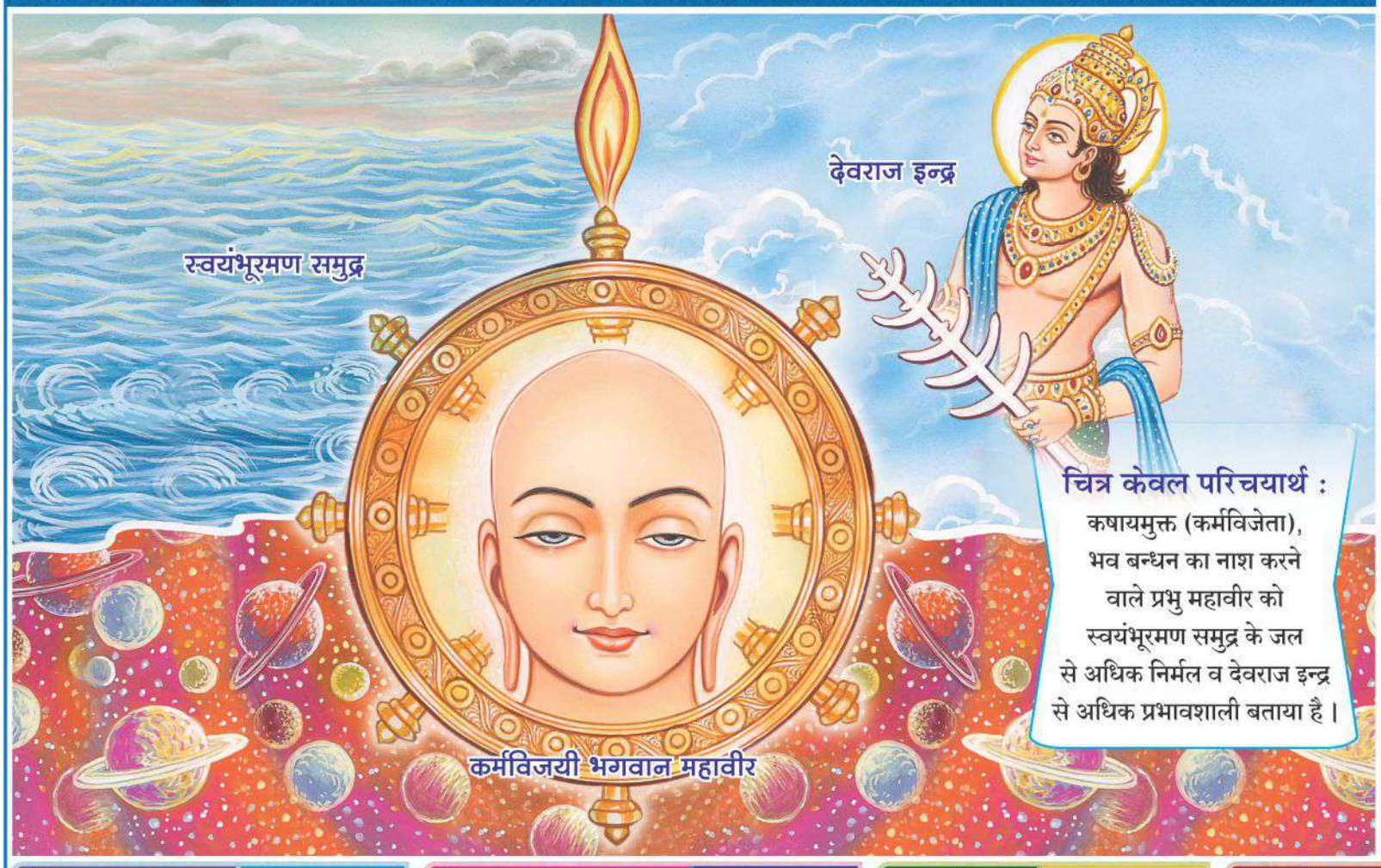

« विश्व का सर्वप्रथम »

## जैन कैलेण्डर

# अप्रैल 2021

# APRIL




JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2077-78 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 225 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रवि SUNDAY<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>20 अप्रैल, मंगलवार, प्रात: 6.50 बजे से 21 अप्रैल, बुधवार प्रात: 7.58 बजे तक। | पूर्वाषाढ़ा २६/०३<br>धनु **4**<br>चैत्र वद ८ | उत्तरा भाद्रपद ८/५६<br>मीन **11** पाक्षिक पर्व<br>चैत्र वद ३० | आर्द्रा २८/५७<br>मिथुन **18**<br>चैत्र सुद ६ | हस्त २५/५०<br>कन्या **25**<br>चैत्र सुद १३ |
| सोम MONDAY<br>प्रात:<br>7.30 से 9.00 बजे | **पंचक**<br>7 अप्रैल, मध्याह्न 2.56 बजे से 12 अप्रैल, प्रात: 11.28 बजे तक। | उत्तराषाढ़ा २६/०१<br>मकर ७/५९ **5**<br>चैत्र वद ९ | रेवती ११/२८<br>मेष ११/२८ **12** अमावस्या<br>चैत्र वद ३० | पुनर्वसु<br>कर्क २४/२६ **19**<br>चैत्र सुद ७ | चित्रा २३/०१<br>तुला १२/२८ **26** पाक्षिक पर्व<br>चैत्र सुद १४ |
| मंगल TUESDAY<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | **अमृत सिद्धि योग**<br>13 अप्रैल, मंगलवार, अश्विनी नक्षत्र, सूर्योदय से मध्याह्न 2.15 बजे तक; 25 अप्रैल, रविवार, हस्त नक्षत्र, सूर्योदय से मध्यरात्रि 1.50 बजे तक। | श्रवण २६/३०<br>मकर **6**<br>चैत्र वद १० | अश्विनी १४/१५<br>मेष **13** चन्द्र दर्शन<br>चैत्र सुद १ | पुनर्वसु ६/५०<br>कर्क **20**<br>चैत्र सुद ८ | स्वाती २०/०५<br>तुला **27**<br>चैत्र सुद १५/१ |
| बुध WEDNESDAY<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | **अमृत सिद्धि योग**<br>28 अप्रैल, बुधवार, अनुराधा नक्षत्र, सायं 5.10 बजे से आगामी सूर्योदय तक। | धनिष्ठा २७/२९<br>कुम्भ १४/५६ **7**<br>चैत्र वद ११ | भरणी १७/१६<br>वृषभ २४/०३ **14**<br>चैत्र सुद २ | पुष्य ७/५८<br>कर्क **21**<br>चैत्र सुद ९ | विशाखा १७/१०<br>वृश्चिक ११/५३ **28**<br>वैशाख वद २ |
| गुरू THURSDAY<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | विशाखा ७/१९<br>वृश्चिक **1** अनुराधा २९/१७<br>चैत्र वद ४ | शतभिषा २८/५४<br>कुम्भ **8**<br>चैत्र वद १२ | कृतिका २०/२५<br>वृषभ **15**<br>चैत्र सुद ३ | आश्लेषा ८/१४<br>सिंह ८/१४ **22**<br>चैत्र सुद १० | अनुराधा १४/२८<br>वृश्चिक **29**<br>वैशाख वद ३ |
| शुक्र FRIDAY<br>प्रात:<br>10.30 से 12.00 बजे | ज्येष्ठा २७/४२<br>धनु २७/४२ **2**<br>चैत्र वद ५/६ | पूर्वा भाद्रपद<br>मीन २४/२५ **9**<br>चैत्र वद १३ | रोहिणी २३/३२<br>वृषभ **16**<br>चैत्र सुद ४ | मघा ७/४०<br>सिंह **23**<br>चैत्र सुद ११ | ज्येष्ठा १२/०७<br>धनु १२/०७ **30**<br>वैशाख वद ४ |
| शनि SATURDAY<br>प्रात:<br>9.00 से 10.30 बजे | मूल २६/३६<br>धनु **3**<br>चैत्र वद ७ | पूर्वा भाद्रपद ६/४५<br>मीन **10**<br>चैत्र वद १४ | मृगसिरा २६/२७<br>मिथुन १३/०२ **17**<br>चैत्र सुद ५ | पूर्वा फाल्गुनी ६/२०<br>कन्या ११/५३ **24** उत्तरा फाल्गुनी २८/२०<br>चैत्र सुद १२ | **शुभ दिन**<br>10, 13, 14, 20, 22, 23, 25, 28, 29<br>**अशुभ दिन**<br>2, 5, 7, 11, 12, 17, 18, 19, 24, 27 |

## पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| अप्रैल | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.29 | 6.24 | 6.18 | 6.14 | 6.09 | 6.05 |
| सूर्यास्त | 6.56 | 6.58 | 7.00 | 7.03 | 7.06 | 7.08 |
| नवकारसी | 7.17 | 7.12 | 7.06 | 7.02 | 6.58 | 6.53 |
| पोरसी | 9.36 | 9.32 | 9.29 | 9.26 | 9.24 | 9.21 |
| डेढ़ पोरसी | 11.09 | 11.07 | 11.05 | 11.02 | 11.01 | 10.59 |

## जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

1. पार्श्व जिन च्यवन, पार्श्व जिन केवल, 2. चन्द्रप्रभ जिन च्यवन, 4. ऋषभ जिन जन्म, ऋषभ जिन दीक्षा, वर्षीतप प्रारम्भ, 15. कुन्थु जिन केवल, 17. अनंत जिन मोक्ष, अजित जिन मोक्ष, 18. संभव जिन मोक्ष, 19. ओली तप प्रारम्भ, 21. सुमति जिन मोक्ष, 23. सुमति जिन केवल, 25. महावीर जिन जन्म, 27. पद्मप्रभ जिन केवल, ओली तप समाप्त, कुन्थु जिन मोक्ष, 28. शीतल जिन मोक्ष।

## राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

3. शीतला सप्तमी, 4. शीतला अष्टमी (जोधपुर), 7. पापमोचनी एकादशी व्रत, पंचक प्रारम्भ, 9. प्रदोष, 12. पंचक समाप्ति, सोमवती अमावस्या, 13. नवरात्रारम्भ (घटस्थापना), संवत्सरारंभ, 14. डॉ. अंबेडकर जयन्ती, 15. गणगौरी पूजा, 20. दुर्गाष्टमी, 21. रामनवमी, 23. कामदा एकादशी व्रत, 24. प्रदोष, 25. भगवान महावीर जन्म जयन्ती, 27. हनुमान जयन्ती, वैशाख स्नानारंभ, 30. अनुसूया जयन्ती।

## अवकाश

2. गुड फ्राइडे, 10. द्वितीय शनिवार, 13. झूलेलाल जयन्ती, 14. डॉ. अंबेडकर जयन्ती, 21. रामनवमी, 25. महावीर जयन्ती, 27. हनुमान जयन्ती।

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

## याददाश्त

11. पाक्षिक पर्व, 26. पाक्षिक पर्व

## दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# 2021 का वार्षिक राशिफल



व्यावसायिक तथा कामकाजी प्रयोजनों से दूरस्थ व विदेश यात्राएँ हो सकती हैं। किसी बहुराष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थान में उच्च पद पर नियुक्ति का अवसर आपके चाहने पर मिल सकता है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपकी उम्मीदों तथा अपेक्षाओं के अनुरूप फलप्रद रह सकता है। राजनीतिज्ञों तथा उच्च अधिकारियों को अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को प्रारम्भ करने का अनुकूल समय तथा अवसर मिल सकता है। नौकरी पेशा व्यक्तियों को अपने कार्य-स्थल पर सामान्य परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए कुछ उपलब्धियों व सफलता का रह सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट, पुलिस सेवा, सुरक्षा व्यवस्था, बिल्डर्स, कंस्ट्रक्शन तथा केटरिंग कार्य-व्यवहार से सम्बन्धित जातकों को अपने-अपने क्षेत्र में कुछ व्यावसायिक सम्बन्ध में अनुबंध के अवसर मिल सकते हैं। किसी प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय विदेशी संस्थान के साथ कार्य करने का अवसर मिल सकता है। भूमि, भवन, वाहन, सम्पत्तियों के लेन-देन में सुविधा रहेगी।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष शनि व गुरु की स्थिति नकारात्मक व बाधक बनी है। अत: इन ग्रहों की विधिवत् शांति, जप, दानादि उपायों से करें-करावें तथा उन्नत किस्म का सफेद मूँगा व सिंदूरी मूँगा चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ भगवते मुनिसुव्रताय नम:। ॐ ऊषभ जिनाय नम:।**

### 11. कुंभ लग्न राशि (गू, गे, स, सा, सी, सू, से, सो, द, दा)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष का प्रारम्भिक काल आपके कार्य, व्यापार तथा रोजगार के क्षेत्र में परिवर्तन के साथ नव सम्भावनाओं वाला रह सकता है। बड़े उद्यमियों तथा उद्योगपतियों, व्यापारियों को अपने कार्यक्षेत्र में नए प्रस्ताव तथा एग्रीमेंट, समझौते पर सहमति बन सकती है। भावी सम्भावनाओं को देखते हुए तात्कालिक परिवर्तन की सम्भावनाएँ हैं।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए शुभ तथा मंगलकारी रह सकता है। घर-परिवार में मांगलिक, शुभ तथा धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन सम्भव हो सकता है। आपको उपहार के रूप में धन-सम्पत्ति तथा भौतिक सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है। विवाह योग्य जातकों के विवाह की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। साझेदारी, कार्य-व्यापार के प्रस्ताव पर सामान्य प्रयासों से सहमति बन सकती है। कार्य-विस्तार तथा नव-व्यापार प्रारम्भ करने का योग है। भूमि, भवन व अन्य सम्पत्ति सम्बन्धी मामलों में सुविधा रह सकती है।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—इस काल में किसी बड़े व्यवस्थाजन्य व तात्कालिक परिवर्तन करने की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। राज्यकर्मियों में उच्चाधिकारियों को किसी महत्वाकांक्षी कार्य को करने तथा दायित्व को निभाने का अवसर मिल सकता है। राजनीतिज्ञों तथा उच्च अधिकारियों से अपने सम्पर्कों का प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से लाभ मिल सकता है। राजकीय सेवा में जाने के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने प्रयासों से सफलता मिल सकती है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको सामान्यत: कार्य-व्यापार तथा रोजगार करियर के क्षेत्र में नए प्रस्ताव मिल सकते हैं। परन्तु साथ ही कार्य करने को लेकर शंकाएँ तथा दुविधा की स्थिति बनी रह सकती है। किसी भी कार्य को स्वीकार करने से पूर्व अच्छे से समझकर कदम उठाना उपयुक्त रहेगा।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—इस काल में आपके लिए व्यवसाय क्षेत्र में साझेदारी, व्यापार के प्रस्तावों तथा किसी नए कार्य के प्रारम्भ करने का योग बन सकता है। संतान के विवाह-सगाई सम्बन्ध आदि के प्रस्ताव पर बातचीत व सहमति का प्रयास सफल हो सकता है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—यह काल आपके घरेलू, पारिवारिक तथा सामाजिक कार्यों तथा मामलों में विशेष रूप से सुविधाजनक तथा सकारात्मक रह सकता है। नये पारिवारिक सम्बन्धों का विस्तार हो सकता है। आपस के निकट सम्बन्धों में आने-जाने की सम्भावनाएँ बन सकती हैं। बड़े पारिवारिक, सामाजिक आयोजन तथा समारोह आदि की भव्य रूपरेखा बन सकती है। राजनीतिज्ञों तथा राज्याधिकारियों को अपनी योग्यता, क्षमता व प्रतिभा को सिद्ध करने का अवसर मिल सकता है।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके कार्य-व्यापार तथा आजीविका व करियर के क्षेत्र में उच्च सम्भावनाओं का रह सकता है। मेडिकल, मैनेजमेंट, निर्माण कार्य तथा होटल, रेस्टोरेंट से जुड़े जातकों व व्यवसायियों को बड़े व महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है। अपने कार्य को विस्तार देने का प्रयास सफल हो सकता है। राज्यकर्मियों तथा राज्याधिकारियों को अपनी सेवाओं के विस्तार तथा साथ ही अन्य सुविधाओं व अधिकारों की प्राप्ति हो सकती है।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष गुरु व शनि की स्थिति नकारात्मक बनी है, अत: इन ग्रहों की विधिवत् शांति जप-दान आदि उपायों से करें-करावें तथा साथ ही उन्नत किस्म का सफेद मूँगा व माणक चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ वन्दे मुणि सुवयं। ॐ ऊषभ जिणं वन्दे।**

### 12. मीन लग्न राशि (दी, दू, दे, दो, थ, झ, भ, च, चा, ची)

**1 जनवरी 2021 से 20 फरवरी 2021 तक**—नववर्ष के प्रारम्भिक काल में आपका भाग्य प्रबल रह सकता है जिससे आपको अपने सभी कार्यों में उत्तरोत्तर सफलता मिल सकती है। देव योग से गुरु भगवंतों की कृपा से किसी भव्य धार्मिक, आयोजन में सहभागिता का अवसर मिल सकता है। घर-परिवार में मांगलिक तथा शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक तथा सम्पत्तिजन्य मामलों में आपको अपेक्षित तथा इच्छित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्य-व्यवसाय तथा रोजगार के क्षेत्र में आपको सामान्यत: चल रही स्थितियों पर नियंत्रण रखना पड़ सकता है।

**21 फरवरी 2021 से 12 अप्रैल 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: संतोषप्रद तथा सुखद रह सकता है। इस काल में आपको उपलब्धियों के लिए सामान्य पुरुषार्थ और सार्थक प्रयास करने पड़ सकते हैं। आपको अपनी व्यवस्थाओं में तात्कालिक परिस्थितिजन्य छोटे-मोटे परिवर्तन करने पड़ सकते हैं। रेस्टोरेंट से जुड़े व्यवसायियों व जातकों को अच्छे अवसर व प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं।

**13 अप्रैल 2021 से 31 मई 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: प्रभावशाली तथा महत्वपूर्ण रह सकता है। राज्यकर्मियों तथा राज्य अधिकारियों को किसी महत्वपूर्ण पद तथा महत्वाकांक्षी कार्य को करने का अवसर मिल सकता है। किसी बड़े आर्थिक तथा सम्पत्तिजन्य विवाद के सुलझने से बड़ी राहत मिल सकती है। राजकीय सेवा में जाने की तैयारी करने वाले जातकों को अपनी योग्यता, क्षमता व प्रतिभा के अनुसार कार्य करने का अवसर मिल सकता है।

**01 जून 2021 से 19 जुलाई 2021 तक**—इस काल में आपको सामान्य धैर्य तथा संयम से काम लेना होगा। किसी के प्रभाव-प्रलोभन के दबाव में आकर इन्वेस्टमेंट सम्बन्धी जोखिम उठाने से बचें।

**20 जुलाई 2021 से 04 सितम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुविधाजनक तथा संतोषप्रद रह सकता है। कार्य-व्यापार तथा करियर के क्षेत्र में आपको अनेक नये अवसर मिल सकते हैं। विद्युत विभाग, चिकित्सा क्षेत्र, मैनेजमेंट, होटल, रेस्टोरेंट के क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को अपनी योग्यता, क्षमता व प्रतिभा के अनुसार उपयुक्त पद पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है। मार्केटिंग, इंजीनियरिंग, मीडिया, रेडीमेड गारमेंट, ज्वेलरी, फैशन डिजाइनिंग, एकाउंट्स तथा बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े जातकों को रोजगार व करियर के अनेक नए अवसर मिल सकते हैं। राजनीतिज्ञों तथा राज्य अधिकारियों को अपने क्षेत्र में उच्च पद की प्राप्ति का योग है।

**05 सितम्बर 2021 से 20 अक्टूबर 2021 तक**—इस काल में आपको कार्य-व्यापार तथा व्यवसाय के क्षेत्र में साझेदारी प्रस्तावों पर बातचीत व सहमति बनाने के प्रयासों में सफलता मिल सकती है। संतान विषयक शुभ तथा मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**21 अक्टूबर 2021 से 31 दिसम्बर 2021 तक**—यह काल आपके लिए सामान्यत: सुखद तथा सुविधाजनक रह सकता है। कार्य-व्यापार तथा रोजगार-आजीविका करियर के क्षेत्र में नव प्रस्ताव तथा सम्भावनाएँ बन सकती हैं। साझेदारी कार्य-व्यापार में चल रही समस्याओं का समाधान आपस में मिल-बैठकर निकाल लेने में सफल हो सकते हैं। कार्य-विशेष में नवीन साझेदारी, कार्य-व्यापार प्रारम्भ कर सकते हैं। सीमेंट, सरिया, मशीनरी तथा स्टील उद्यमियों, उद्योगपतियों तथा व्यवसायियों को बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य करने का अवसर मिल सकता है। एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट के कार्य व्यवसाय को विस्तार देने की योजना पर कर सकते हैं।

**उपाय-सुझाव**—इस वर्ष राहू में शनि की स्थिति नकारात्मक बनी है। अत: ग्रहों की विधिवत् शांति जप, दान आदि उपायों से करें-करावें तथा साथ ही उन्नत किस्म का पुखराज तथा सिंदूरी मूँगा चाँदी में धारण करें।

**माला—ॐ अरिष्टनेमि जिनाय नम:। ॐ णमो लोए सव्व साहूणं।**

**पं. प्रेमकुमार शर्मा** (खगोल ज्योतिष केन्द्र)
4, पल्ली वालों का बास, सत्यनारायण मंदिर के पास,
पानी दरवाजा, पाली-मारवाड़-306 401 (राज.)
मो. : 9352928420, 8003341593 (Whatsapp)

## पद्मोदय जैन कैलेण्डर MOBILE APP पर भी

विश्व का सर्वप्रथम जैन कैलेण्डर 'पद्मोदय जैन कैलेण्डर' अत्यधिक लोकप्रिय हो चुका है। इसी को ध्यान में रखते हुए MOBILE APP तैयार किया गया है। PLAY STORE से 'PADMODAYA JAIN CALENDAR' FREE DOWNLOAD किया जा सकता है। RATING में 5 STAR देवें।

धन्यवाद !

| | | |
|---|---|---|
| For Android | : | https://play.google.com/store/apps/details?id=com.bion.jain.padmodayacalendar&hl=en |
| For iphone | : | https://appsto.re/in/7T934.i |
| Connect on facebook | : | https://www.facebook.com/padmodaya.jain.calendar |

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

《 विश्व का सर्वप्रथम 》
जैन कैलेण्डर

### श्री उवसग्गहरं स्तोत्र
(प्रथम गाथा)

उवसग्गहरंपासं, पासं वंदामि,
कम्म-घण-मुक्कं।
विसहर-विस-निन्नासं,
मंगल-कल्लाण-आवासं॥1॥

-: चित्र केवल परिचयार्थ :-

भगवान पार्श्वनाथ अष्टकर्म रूपी बादलों से मुक्त होकर केवलज्ञान रूपी सूर्य के प्रकाश से प्रकाशमान हैं।

प्रभु का नाम स्मरण करते ही पार्श्व यक्ष प्रकट होकर भक्तों की रक्षा करते हैं।

प्रभु का नाम स्मरण मात्र से ही विषधरों के विष का नाश होता है।

## मई 2021 MAY

JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 225-26 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | उत्तराषाढ़ा १६/४२<br>मकर 30<br>ज्येष्ठ वद ५ | पूर्वाषाढ़ा ८/५८<br>मकर १४/४५ 2<br>वैशाख वद ६ | रेवती १७/२९<br>मेष १७/२९ 9<br>वैशाख वद १३ | आर्द्रा ११/०८<br>मिथुन 16<br>वैशाख सुद ४ | हस्त १२/१०<br>तुला २३/०१ 23<br>वैशाख सुद ११/१२ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | श्रवण १६/००<br>कुम्भ २७/५७ 31<br>ज्येष्ठ वद ६ | उत्तराषाढ़ा ८/२०<br>मकर 3<br>वैशाख वद ७ | अश्विनी २०/२५<br>मेष 10<br>वैशाख वद १४ | पुनर्वसु १३/१९<br>कर्क ६/४१ 17<br>वैशाख सुद ५ | चित्रा ९/४७<br>तुला 24<br>वैशाख सुद १३ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | पुष्य नक्षत्र<br>17 मई, सोमवार, मध्याह्न 1.19 बजे से 18 मई मंगलवार मध्याह्न 2.54 बजे तक। | श्रवण ८/२२<br>कुम्भ २०/३१ 4<br>वैशाख वद ८ | भरणी २३/२८<br>मेष 11 पाक्षिक पर्व अमावस्या<br>वैशाख वद ३० | पुष्य १४/५४<br>कर्क 18<br>वैशाख सुद ६ | स्वाती ७/०४<br>वृश्चिक २२/५४ 25 विशाखा २८/१० पाक्षिक पर्व<br>वैशाख सुद १४ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | पंचक<br>4 मई, रात्रि 8.39 बजे से 9 मई, सायं 5.29 बजे तक। | धनिष्ठा ९/०६<br>कुम्भ 5<br>वैशाख वद ९ | कृतिका २६/३४<br>वृषभ ६/१५ 12<br>वैशाख सुद १ | आश्लेषा १५/४९<br>सिंह १५/४९ 19<br>वैशाख सुद ७ | अनुराधा २५/१६<br>वृश्चिक 26<br>वैशाख सुद १५ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | शुभ दिन<br>2, 3, 4, 6, 7, 9, 12, 17, 18, 19, 26, 30, 31<br>अशुभ दिन<br>1, 8, 11, 15, 22, 23, 27, 28, 29 | शतभिषा १०/२८<br>कुम्भ 6<br>वैशाख वद १० | रोहिणी २९/३७<br>वृषभ 13 चन्द्र दर्शन<br>वैशाख सुद २ | मघा १५/५८<br>सिंह 20<br>वैशाख सुद ८ | ज्येष्ठा २२/३१<br>धनु २२/३१ 27<br>ज्येष्ठ वद १ |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | अमृत सिद्धि योग<br>3 मई, सोमवार, श्रवण नक्षत्र, प्रातः 8.20 बजे से आगामी सूर्योदय तक; 23 मई, रविवार, हस्त नक्षत्र, सूर्योदय से मध्याह्न 12.10 बजे तक; 26 मई, बुधवार, अनुराधा नक्षत्र, सूर्योदय से मध्यरात्रि 1.16 बजे तक; 31 मई, सोमवार, श्रवण नक्षत्र, सूर्योदय से अपराह्न 4.00 बजे तक। | पूर्वा भाद्रपद १२/२४<br>मीन ५/५२ 7<br>वैशाख वद ११ | मृगसिरा<br>मिथुन ११/०६ 14<br>वैशाख सुद ३ | पूर्वा फाल्गुनी १५/२२<br>कन्या २१/०७ 21<br>वैशाख सुद ९ | मूल २०/०४<br>धनु 28<br>ज्येष्ठ वद २ |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | मूल १०/१५<br>धनु 1<br>वैशाख वद ५ | उत्तरा भाद्रपद १४/४७<br>मीन 8<br>वैशाख वद १२ | मृगसिरा ८/३२<br>मिथुन 15<br>वैशाख सुद ३ | उत्तरा फाल्गुनी १४/०४<br>कन्या 22<br>वैशाख सुद १० | पूर्वाषाढ़ा १८/०५<br>मकर २३/४१ 29<br>ज्येष्ठ वद ३/४ |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| मई | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.01 | 5.56 | 5.53 | 5.51 | 5.49 | 5.47 |
| सूर्यास्त | 7.10 | 7.14 | 7.16 | 7.18 | 7.21 | 7.24 |
| नवकारसी | 6.49 | 6.44 | 6.41 | 6.39 | 6.37 | 6.35 |
| पोरसी | 9.18 | 9.16 | 9.14 | 9.13 | 9.12 | 9.11 |
| डेढ़ पोरसी | 10.57 | 10.56 | 10.55 | 10.54 | 10.54 | 10.54 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

1. कुन्थु जिन दीक्षा, 2. शीतल जिन च्यवन, 6. नेमि जिन मोक्ष, 9. अनंत जिन जन्म, 10. अनंत जिन दीक्षा, अनंत जिन केवल, कुन्थु जिन जन्म, 14. अक्षय तृतीया, आचार्य जय पद प्रदान दिवस एवं जयगच्छीय दशम पट्टधर आचार्य लाल स्मृति दिवस, 16. अभिनन्दन जिन च्यवन, 19. धर्म जिन च्यवन, 20. अभिनन्दन जिन मोक्ष, सुमति जिन जन्म, आचार्य हस्ती पुण्य तिथि, 21. सुमति जिन दीक्षा, 22. महावीर जिन केवल, 23. स्वामी हरक-रावत गुरु स्मृति दिवस, विमल जिन च्यवन, 24. अजित जिन च्यवन, 25. एकभवावतारी आचार्य सम्राट् श्री जयमल जी म. सा. स्मृति दिवस, 31. श्रेयांस जिन च्यवन।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

1. मजदूर दिवस, 4. पंचक प्रारम्भ, 7. टैगोर जयन्ती, 8. प्रदोष, 9. पंचक समाप्ति, 13. शिवाजी जयन्ती, 14. परशुराम जयन्ती, अक्षय तृतीया, 17. आद्यशंकराचार्य जयन्ती, 18. रामानुज जयन्ती, 19. गंगोत्पत्ति, 23. मोहिनी एकादशी व्रत, 24. प्रदोष, 25. नृसिंहचतुर्दशी, 26. वैशाख स्नान पूर्ति, बुद्ध पूर्णिमा, खण्डग्रास चंद्रग्रहण, 28. नारद जयन्ती।

### अवकाश

1. मजदूर दिवस, 8. द्वितीय शनिवार, 14. रमजान (ईद), 26. बुद्ध पूर्णिमा।

नोट– सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

11. पाक्षिक पर्व, 25. पाक्षिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# तीर्थंकर परिचय

| क्र.सं. | तीर्थंकर | माता का नाम | पिता का नाम | लांछन | वर्ण | जन्म | यक्ष | जिनशासन देवी | प्रमुख गणधर | गणधरों की सं. | प्रमुख साध्वी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री ऋषभ जिन जी | श्री मरुदेवी | श्री नाभि | वृषभ | पीला | इक्ष्वाकुभूमि | गौमुख | चक्रेश्वरी | उषभसेण जी | 84 | ब्राह्मीसुन्दरी जी |
| 2. | श्री अजित जिन जी | श्री विजयादेवी | श्री जितशत्रु | गज | पीला | अयोध्या | महायक्ष | रोहिणी | सिंहसेण जी | 95 | फागुणी जी |
| 3. | श्री संभव जिन जी | श्री सेना | श्री जितारि | अश्व | पीला | श्रावस्ती | श्रीमुख | प्रज्ञप्ति | चारु जी | 102 | सामा जी |
| 4. | श्री अभिनंदन जिन जी | श्री सिद्धार्था | श्री संवर | वानर | पीला | अयोध्या | यक्षेश्वर | वज्रशृंखला | बजरनाथ जी | 116 | अजियां जी |
| 5. | श्री सुमति जिन जी | श्री मंगला | श्री मेष | क्रोंच | पीला | अयोध्या | तुंबरु | पुरुषदत्ता | चिमर जी | 100 | काचवा जी |
| 6. | श्री पद्म जिन जी | श्री सुसीमा | श्री धर | पद्म | पीला | कौशाम्बी | पुष्प (कुसुम) | मनोवेगा | सुव्रत जी | 107 | रतियां जी |
| 7. | श्री सुपार्श्व जिन जी | श्री पृथ्वी | श्री प्रतिष्ठ | स्वस्तिक | लाल | वाराणसी | नंदी | कालीदेवी | विदर्भ जी | 95 | सोभा जी |
| 8. | श्री चन्द्रप्रभ जिन जी | श्री लक्ष्मी | श्री महासेन | चन्द्र | सफेद | चन्द्रपुरी | शाम (विजय) | ज्वालामालिनी | दीनकरण जी | 93 | सोहनी जी |
| 9. | श्री सुविधि जिन जी | श्री रामा | श्री सुग्रीव | मकर | सफेद | काकंदी | अजित | महाकाली | बारु जी | 88 | वांरनी जी |
| 10. | श्री शीतल जिन जी | श्री नन्दा | श्री दृढ़रथ | श्रीवत्स | पीला | भद्दिलपुर | ब्रह्मयक्ष | मानवी | आनन्द जी | 81 | सुलसा जी |
| 11. | श्री श्रेयांस जिन जी | श्री विष्णुदेवी | श्री विष्णु | गेंडा | पीला | सिंहपुर | ईश्वर (यक्षराष्ट्र) | गौरी | गौतम जी | 76 | धारणी जी |
| 12. | श्री वासुपूज्य जिन जी | श्री जया | श्री वासुदेव | महिष | लाल | चम्पापुर | कुमार | गांधारी | सोम जी | 66 | धनधारणी जी |
| 13. | श्री विमल जिन जी | श्री श्यामा | श्री कृतवर्मा | सूअर | पीला | कपिलपुर | चतुर्मुख | वैरोटीदेवी | मिन्दर जी | 57 | धारणी जी |
| 14. | श्री अनन्त जिन जी | श्री सुयशा | श्री सिंहसेन | बाज | पीला | अयोध्या | पाताल | अनन्तमती | जसोधर जी | 50 | पद्मावती जी |
| 15. | श्री धर्म जिन जी | श्री सुव्रता | श्री भानु | वज्र | पीला | रत्नपुर | किन्नर | मानसी | अरिष्ठ जी | 43 | शिवा जी |
| 16. | श्री शान्ति जिन जी | श्री अचिरा | श्री विश्वसेन | मृग | पीला | हस्तिनापुर | गरुड़ यक्ष | महामानसी | चक्रू जी | 36 | सुइ जी |
| 17. | श्री कुंथु जिन जी | श्री श्रीदेवी | श्री सूरसेन | बकरा | पीला | हस्तिनापुर | गंधर्व | जया, गंधारी | संभु जी | 35 | अज्यां जी |
| 18. | श्री अर जिन जी | श्री महादेवी | श्री सुदर्शन | नंदावर्त | पीला | हस्तिनापुर | खगेंद्र | तारावती | कुम्भकरण जी | 33 | रखीया जी |
| 19. | श्री मल्लि जिन जी | श्री प्रभावती | श्री कुम्भ | कलश | नीला | मिथिला | कुबेर | अपराजिता | अमीर जी | 28 | बुद्धवन्ता जी |
| 20. | श्री मुनिसुव्रत जिन जी | श्री पद्मावती | श्री सुमित्र | कछुआ | काला | राजगृह | वरुण | बहुरूपिणी | इन्द्रकुम्भ जी | 18 | पुष्पचूला जी |
| 21. | श्री नमि जिन जी | श्री वप्रा | श्री विजयसेन | कमल | पीला | मिथिला | भृकुटी | चामुण्डी | कुम्भ जी | 17 | अनिला जी |
| 22. | श्री नेमि जिन जी | श्री शिवादेवी | श्री समुद्रविजय | शंख | काला | शोर्यपुर | गोमेद (सर्वाण्ह) | कुष्माण्डिणी | बरदत्त जी | 11 | यक्षणी जी |
| 23. | श्री पार्श्व जिन जी | श्री वामा | श्री अश्वसेन | सर्प | नीला | वाराणसी | धरणेन्द्र | पद्मावती | दीनकर्ण जी | 10 | पुष्पचूला जी |
| 24. | श्री वर्द्धमान जिन जी | श्री त्रिशला | श्री सिद्धार्थ | सिंह | पीला | कुण्डलपुर | मातंग | सिद्धायनी | इन्द्रभूति जी | 11 | चन्दनबाला जी |

## चौदह नियम

त्याग व्रत मर्यादा का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इहलोक व परलोक दोनों सुखमय बनाने का एकमात्र साधन ही त्याग व मर्यादा है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए श्रावक ही क्या प्रत्येक धर्मप्रेमी सद्गृहस्थ को चाहिए कि वह प्रतिदिन प्रात: निम्न चौदह नियमों को ग्रहण करे एवं आवश्यकता के अनुसार मर्यादा करके उपरान्त त्याग कर ले, जितना त्याग उतनी ही शान्ति। चौदह नियम धारण करने से समुद्र जितना पाप घटकर बूँद के बराबर रह जाता है।

1. **सचित्त**—कच्चा पानी, हरी वनस्पति, फल, सचित्त नमक, कच्चा पूरा धान आदि सचित्त वस्तुओं का परिमाण करना।
2. **द्रव्य**—रोटी, दाल, शाक, पूड़ी, पापड़, पान, सुपारी, इलायची, लौंग आदि द्रव्यों की मर्यादा करना।
3. **विगय**—घी, तेल, दूध, दही व मीठा—इन पाँचों विगय का परिमाण करना।
4. **उपानह**—जूते, चप्पल, मोजे आदि की मर्यादा करना।
5. **ताम्बूल**—पान, सुपारी, इलायची, लौंग, चूर्ण आदि मुखवास की मर्यादा करना।
6. **वस्त्र**—पहनने, ओढ़ने के सारे वस्त्रों की मर्यादा करना।
7. **कुसुम**—सूँघने की वस्तु (फूल, इत्र की मर्यादा करना)।
8. **वाहन**—साइकिल, स्कूटर, मोटर, रेल, हाथी, घोड़ा आदि वाहनों की मर्यादा करना।
9. **शयन**—पलँग, खाट, बिछौने आदि की मर्यादा करना।
10. **विलेपन**—केसर, चन्दन, तेल, उबटन आदि की मर्यादा करना।
11. **अब्रह्म**—मैथुन-सेवन का त्याग करना या मर्यादा करना।
12. **दिशा**—ऊँची, नीची, तिरछी दिशा में जाने की मर्यादा करना।
13. **स्नान**—स्नान एवं स्नान के लिए जल की मर्यादा करना।
14. **भक्त**—भोजन (कितने समय व कितना प्रमाण) की मर्यादा करना।

## तीन मनोरथ

प्रात:काल उठकर तीन नवकार का ध्यान करें तथा फिर निम्न तीन मनोरथ का चिन्तन करें। पश्चात् तीन बार 'तिक्खुत्तो' के पाठ से देव-गुरु-धर्म को नमस्कार करें।

1. वह दिन मेरा धन्य होगा, जब मैं आरम्भ-परिग्रह को तजकर निवृत्ति को धारण करूँगा।
2. वह दिन मेरा धन्य होगा, जब मैं आगारधर्म को छोड़कर अणगारधर्म को धारण करूँगा।
3. वह दिन मेरा धन्य होगा, जब मैं संथारा-संलेखना करके पण्डितमरण को प्राप्त होऊँगा।

## कलयुग का कल्पवृक्ष

इस कलिकाल में लोगस्स रूपी कल्पवृक्ष तत्काल वांछित फल देने वाला है। साधक धैर्य एवं निष्ठा से आराधना करें।

### प्रथम मण्डल

**ॐ ऐं औं ह्रीं श्रीं लोगस्स उज्जोयगरे, धम्मतित्थयरे जिणे। अरिहन्ते कित्तइस्सं चउवीसंपि केवली, मम मनोतुष्टिं कुरु कुरु ॐ स्वाहा।**

**विधि**—प्रथम मण्डल को पूर्व दिशा सन्मुख खड़े होकर 14 दिन तक काउस्सग्ग में 108 बार जपें। साधनाकाल में ब्रह्मचर्य-पालन करते हुए भूमि या पाट पर शयन करें। मान-सम्मान, ऋद्धि-सिद्धि प्राप्त होवे, चोर-भय दूर होवे। इति सत्यम्॥

### द्वितीय मण्डल

**ॐ क्रां क्रीं ह्रां ह्रीं उसभमजियं च वन्दे सम्भवमभिनन्दणं च सुमइं च। पउमप्पहं सुपास, जिणं च चन्दप्पहं वन्दे स्वाहा।**

**विधि**—इस मण्डल को पद्मासन में उत्तर दिशा सन्मुख प्रतिदिन 108 बार 7 दिन जपें। सोमवार से प्रारम्भ करें। एक समय भोजन तथा ब्रह्मचर्य का पालन, भूमि शयन करें। भोजन सफेद वस्तु का ही करें। कलह मिटे, मैत्रीभाव बढ़े, सुख-सम्पत्ति मिले।

### तृतीय मण्डल

**ॐ ऐं ह्रीं झूँ झीं सुविहिं च पुप्फदंतं, सीयल सिज्जंस वासुपुज्जं च। विमल मणंतं च जिणं, धम्मं संतिं च वंदामि स्वाहा।**

**विधि**—तृतीय मण्डल को लाल रंग की माला से 21 दिन तक 108 बार जपें। शत्रु-भय मिटे तथा संग्राम या मुकद्दमे में जीत होवे।

### चतुर्थ मण्डल

**ॐ ह्रीं श्रीं कुंथुं अरं च मल्लिं वन्दे मुणिसुव्वयं नमजिणं च। वंदामि रिट्ठनेमिं, पासं तह वद्धमाणं च मम मनोवांछित पूरय पूरय ह्रीं स्वाहा।**

**विधि**—इस मण्डल को पीले रंग की माला से पूर्व दिशा की ओर मुँह करके 11,000 बार जपें अथवा प्रतिदिन एक माला फेरें। भूत-प्रेत बाधा दूर हो, अष्टगंध या केसर से लिखकर गले में बाँधने से ज्वर पीड़ा मिटे।

### पंचम मण्डल

**ॐ ह्रीं ह्रां एवं मए अभित्थुआ, विहुयरयमला पहीण जर मरणा। चउवीसंपि जिणवरा, तित्थयरा मे पसीयंतु स्वाहा।**

**विधि**—इस मण्डल को पूर्व दिशा की ओर हाथ जोड़कर खड़े-खड़े मुख आकाश की तरफ रखते हुए 5,500 बार जपें अथवा प्रतिदिन एक माला फेरें। सभी सुख प्राप्त होवें, सभी का प्रिय बनें।

### षष्ट मण्डल

**ॐ अम्बराय किंत्तिय वंदिय महिया जे ए लोगस्स उत्तमा सिद्धा। आरुग्ग-बोहिलाभं, समाहिवरमुत्तमं दितु स्वाहा।**

**विधि**—इस मण्डल को उत्तर दिशा की ओर मुँह करके 15,000 बार जपें अथवा प्रतिदिन एक माला फेरें। देवगण भी प्रसन्न हों, जय-जयकार एवं सुख मिले, अन्त में समाधिमरण (संथारा) होवे।

### सप्तम मण्डल

**ॐ ह्रीं ऐं ओं झौं चंदेसु निम्मलयरा, आइच्चेसु अहियं पयासयरा। सागरवरगम्भीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु। मम मनोवांछितं पूरय पूरय स्वाहा।**

**विधि**—इस मण्डल को पूर्व दिशा की ओर मुख करके 1,000 बार जप करने से अथवा प्रतिदिन एक माला फेरने से मन की आशा पूर्ण होती है एवं यश-प्रतिष्ठा बढ़े तथा सभी का पूजनीय बनें।



जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।
कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

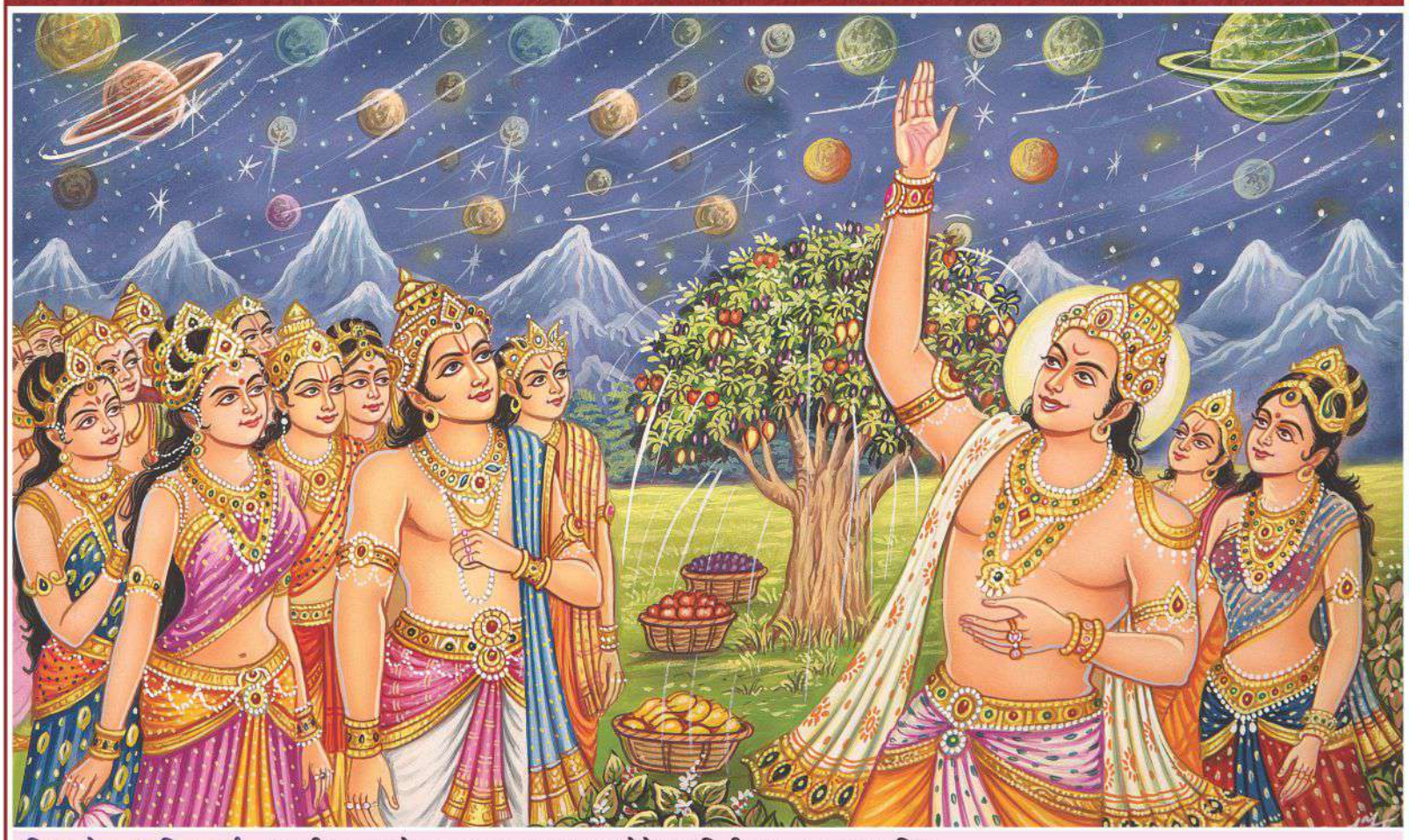

विश्व का सर्वप्रथम जैन कैलेण्डर

# जून 2021 JUNE



चित्र केवल परिचयार्थ : अपनी प्रजा को तारामण्डल का ज्ञान देते हुए द्वितीय कुलकर सन्मति।

पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2543

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>13 जून, रविवार, सायं 6.58 बजे से 14 जून, सोमवार, रात्रि 8.37 बजे तक। | अश्विनी २६/३०<br>मेष<br>**6**<br>ज्येष्ठ वद ११ | पुनर्वसु १८/५८<br>कर्क १२/२९<br>**13**<br>ज्येष्ठ सुद ३ | चित्रा १८/४९<br>तुला ७/४२<br>**20**<br>ज्येष्ठ सुद १० | श्रवण २५/२३<br>मकर<br>**27**<br>आषाढ़ वद ३ |
| MONDAY सोम<br>प्रात:<br>7.30 से 9.00 बजे | **पंचक**<br>1 जून, प्रात: 3.57 बजे से 5 जून, रात्रि 11.30 बजे तक; 28 जून, मध्याह्न 1.00 बजे से 3 जुलाई, प्रात: 6.14 बजे तक। | भरणी २९/३८<br>मेष<br>**7**<br>ज्येष्ठ वद १२ | पुष्य २०/३७<br>कर्क<br>**14**<br>ज्येष्ठ सुद ४ | स्वाती १६/४५<br>तुला<br>**21**<br>ज्येष्ठ सुद ११ | धनिष्ठा २४/४८<br>कुम्भ १३/००<br>**28**<br>आषाढ़ वद ४ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | धनिष्ठा १६/०५<br>कुम्भ<br>**1**<br>ज्येष्ठ वद ७ | कृतिका<br>वृषभ १२/२४<br>**8**<br>ज्येष्ठ वद १३ | आश्लेषा २१/४४<br>सिंह २१/४४<br>**15**<br>ज्येष्ठ सुद ५ | विशाखा १४/२३<br>वृश्चिक ९/००<br>**22**<br>ज्येष्ठ सुद १२ | शतभिषा २५/००<br>कुम्भ<br>**29**<br>आषाढ़ वद ५ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | शतभिषा १६/५६<br>कुम्भ<br>**2**<br>ज्येष्ठ वद ८ | कृतिका ८/४३<br>वृषभ<br>**9**<br>पाक्षिक पर्व<br>ज्येष्ठ वद १४ | मघा २२/१८<br>सिंह<br>**16**<br>ज्येष्ठ सुद ६ | अनुराधा ११/५०<br>वृश्चिक<br>**23**<br>ज्येष्ठ सुद १३/१४ | पूर्वा भाद्रपद २६/०१<br>मीन २१/४१<br>**30**<br>आषाढ़ वद ६ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | पूर्वा भाद्रपद १८/३३<br>मीन १२/०५<br>**3**<br>ज्येष्ठ वद ९ | रोहिणी ११/४१<br>मिथुन २५/०५<br>**10**<br>अमावस्या<br>ज्येष्ठ वद ३० | पूर्वा फाल्गुनी २२/१६<br>कन्या २८/१०<br>**17**<br>ज्येष्ठ सुद ७ | ज्येष्ठा ९/१४<br>धनु ९/१४<br>**24**<br>पाक्षिक पर्व<br>ज्येष्ठ सुद १५ | **शुभ दिन**<br>6, 8, 9, 11, 13, 14, 15, 19, 24, 25, 30<br>**अशुभ दिन**<br>1, 2, 7, 10, 23, 26, 29 |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रात:<br>10.30 से 12.00 बजे | उत्तरा भाद्रपद २०/४७<br>मीन<br>**4**<br>ज्येष्ठ वद १० | मृगसिरा १४/२५<br>मिथुन<br>**11**<br>चन्द्र दर्शन<br>ज्येष्ठ सुद १ | उत्तरा फाल्गुनी २१/३८<br>कन्या<br>**18**<br>ज्येष्ठ सुद ८ | मूल ६/४४<br>धनु<br>**25**<br>पूर्वाषाढ़ा २८/२९<br>आषाढ़ वद १ | **अमृत सिद्धि योग**<br>23 जून, बुधवार, अनुराधा नक्षत्र, सूर्योदय से प्रात: 11.50 बजे तक। |
| SATURDAY शनि<br>प्रात:<br>9.00 से 10.30 बजे | रेवती २३/३०<br>मेष २३/३०<br>**5**<br>ज्येष्ठ वद ११ | आर्द्रा १६/५३<br>मिथुन<br>**12**<br>ज्येष्ठ सुद २ | हस्त २०/२८<br>कन्या<br>**19**<br>ज्येष्ठ सुद ९ | उत्तराषाढ़ा २६/३९<br>मकर १/५९<br>**26**<br>आषाढ़ वद २ | |

## पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| जून | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 5.45 | 5.45 | 5.46 | 5.46 | 5.47 | 5.48 |
| सूर्यास्त | 7.29 | 7.31 | 7.32 | 7.33 | 7.34 | 7.35 |
| नवकारसी | 6.33 | 6.33 | 6.34 | 6.35 | 6.36 | 6.37 |
| पोरसी | 9.11 | 9.12 | 9.13 | 9.14 | 9.15 | 9.16 |
| डेढ़ पोरसी | 10.54 | 10.55 | 10.56 | 10.57 | 10.58 | 10.58 |

## जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

2. मुनिसुव्रत जिन जन्म, 3. वासुपूज्य जिन च्यवन, मुनिसुव्रत जिन मोक्ष, 8. शांति जिन जन्म, शांति जिन मोक्ष, 9. शांति जिन दीक्षा, 15. धर्म जिन मोक्ष, 21. आर्द्रा नक्षत्र प्रारम्भ (गाज बीज होने पर अस्वाध्याय नहीं), सुपार्श्व जिन जन्म, 23. सुपार्श्व जिन दीक्षा, 28. ऋषभ जिन च्यवन।

## राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

1. पंचक प्रारम्भ, 5. पंचक समाप्ति, 6. अपरा एकादशी व्रत, 7. प्रदोष, 10. शनैश्चर जयन्ती, वट पूजनम्, 13. प्रताप जयन्ती, 18. दुर्गाष्टमी, धूमावती जयन्ती, 20. गंगा दशहरा व्रत, 21. निर्जला एकादशी व्रत, सूर्य दक्षिणायन प्रारम्भ, 22. प्रदोष, वट सावित्री व्रत, 24. कबीर जयन्ती, 28. पंचक प्रारम्भ।

## अवकाश

12. द्वितीय शनिवार

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

## याददाश्त

09. पाक्षिक पर्व
24. पाक्षिक पर्व

## दूध का हिसाब

| ता. | प्रात: | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# पद्मोदय चौतीसा यंत्र कल्प

चौतीसा यंत्र अत्यन्त प्रभावशाली यंत्र माना जाता है। यह यंत्र शक्ति-प्रधान होता है। जैनधर्म में सोलह सतियों के आधार पर सोलह अंक के रूप में इस यंत्र का निर्माण होता है। दूसरी अपेक्षा से जिनशासन की रक्षक सोलह देवियों के प्रतीक के रूप में सोलह अंकों से इस यंत्र का निर्माण होता है। अष्टगंध की स्याही से शुभ मुहूर्त्त में भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर अनार अथवा स्वर्ण-रजत की कलम से लिखकर अपने पास रखकर मनोवांछित सिद्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं। सैकड़ों प्रकार के चौतीसा यंत्र होते हैं। सभी के कार्य अलग-अलग होते हैं। सिद्ध करने के मंत्र और लेखन की विधि भी अलग-अलग होती है। इस वर्ष पद्मोदय जैन कैलेण्डर में अप्रकाशित दुर्लभ चौतीसा यंत्र कल्प दिया जा रहा है। साधक शुभ कर्मोदय में निमित्त समझकर इस साधना को अवश्य करें। यह साधना साधक को सम्यक्त्व में स्थिर बनाने में सहयोगी बनेगी, ऐसी हमारी मनोकामना है।

## सोलह सती साधना : सती यंत्र स्तोत्र

आदौ सती सुभद्रा च, पातु पश्चात्तु सुंदरी।
ततश्चंदनबाला च, सुलसा च मृगावती॥१॥
राजीमती ततश्चूला, दमयंती ततः परम्।
पद्मावती शिवा सीता, ब्राह्मी पुनश्च द्रौपदी॥२॥
कौशल्या च ततः कुन्ती, प्रभावती सती वरा।
सती - नामांक - यत्रोऽयं चतुस्त्रिंशत् - समुद्भवः॥३॥
यस्य पार्श्वे सदा यंत्रो, वर्तते तस्य साम्प्रतम्।
भूरि निद्रा न चायाति, न यांति भूतप्रेतकाः॥४॥
ध्वजायां नृपतेर्यस्य, यंत्रोऽयं वर्तते सदा।
तस्य शत्रुभयं नास्ति, संग्रामेऽस्य जयः सदा॥५॥
गृहद्वारे सदा यंत्रो, यंत्रोऽयं ध्रियते वरः।
कार्मणादिक-तंत्रस्य, न स्यात् तस्य पराभवः॥६॥
स्तोत्रं सतीनां सुगुरु-प्रसादात् कृतं मयोद्योत मृगाधिपेन।
यः स्तोत्रमेतत् पठति प्रभाते स प्राप्नुते शं सततं मनुष्यः॥७॥

## सोलह सती स्तुति

शीतल जिनवर करूँ प्रणाम, सोलह सती रा लेसूँ नाम।
ब्राह्मी चंदना राजमती, द्रौपदी कौशल्या मृगावती॥१॥
सुलसा सीता सुभद्रा जाण, शिवा कुंती शीलगुण-खाण।
नल-धरणी दमयंती सती, चेलणा प्रभावती पद्मावती॥२॥
शील-गुणे सुहावे सिरी, ऋषभदेव नी धिया सुन्दरी।
सोलह सतियाँ शील-गुण भरी, भवियण प्रणमो भावे करी॥३॥
ये सुमरयाँ सब संकट टले, मन-चिंतित मनोरथ फले।
इण नामे सब सीझे काज, लहिये मुक्तिपुरी नो राज॥४॥
भूत-प्रेत इण नामे टले, ऋद्धि-सिद्धि घर आई मिले।
इण नामे सहु होय जगीश, ये सतियाँ सुमरो निश-दीश॥५॥

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १४ | ४ | १५ |
| ८ | ११ | ५ | १० |
| १३ | २ | १६ | ३ |
| १२ | ७ | ९ | ६ |

**लेखन विधि**–एक अंक से चढ़ते अंकों में अंक के अनुसार १६ सतियों का नाम स्मरण करते हुए लिखना। नित्य ३४ यंत्र अवश्य लिखना।

यह साधना ब्रह्मचर्य तपश्चर्या के साथ क्रोध, लोभ त्यागपूर्वक श्रद्धा-भक्ति सहित १६ दिन तक निरन्तर करना।

अन्तिम दिन उपवास-पौषध करना। शेष दिन एकासन, आयम्बिल, संवर करना। नित्य सती यंत्र स्तोत्र के १६ पाठ करना। छंद हिन्दी अथवा संस्कृत में पढ़ना।

१. श्री ब्राह्मीजी २. श्री सुन्दरीजी ३. श्री कौशल्याजी ४. श्री सीताजी
५. श्री राजीमतीजी ६. श्री कुंतीजी ७. श्री द्रौपदीजी ८. श्री चंदनबालाजी
९. श्री मृगावतीजी १०. श्री पुष्पचूलाजी ११. श्री प्रभावतीजी १२. श्री सुभद्राजी
१३. श्री दमयंतीजी १४. श्री सुलसाजी १५. श्री शिवाजी १६. श्री पद्मावतीजी

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ श्रीँ | १० श्रीँ | १६ श्रीँ | ७ श्रीँ |
| १५ श्रीँ | ८ श्रीँ | २ श्रीँ | ९ श्रीँ |
| ६ श्रीँ | १३ श्रीँ | ११ श्रीँ | ४ श्रीँ |
| १२ श्रीँ | ३ श्रीँ | ५ श्रीँ | १४ श्रीँ |

### लक्ष्मी चौतीसा यंत्र

**विधि**–रवि पुष्य नक्षत्र से साधना प्रारम्भ करके 'ॐ श्रीँ ह्रीँ क्लीँ महालक्ष्म्यै नमः' की नित्य 10 माला फेरें और चौंतीस यंत्र नित्य लिखें। 21 दिन तक पवित्रतापूर्वक यह साधना करें। भण्डार भरे।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | १६ | ७ |
| १५ | ८ | २ | ९ |
| ४ | ११ | १३ | ६ |
| १४ | ५ | ३ | १२ |

### व्यापार वृद्धि चौतीसा यंत्र

**विधि**–ताँबे, चाँदी अथवा सोने के पत्र पर शुभ मुहूर्त्त में यंत्र खुदवाकर कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की रात को शुद्ध जगह स्थापित करके श्वेत आसन व श्वेत माला का प्रयोग करते हुए 'ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हं नमः' की प्रतिदिन दस माला फेरें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १२ | १३ | ८ |
| ७ | १४ | ११ | २ |
| १६ | ५ | ४ | ९ |
| १० | ३ | ६ | १५ |

### भाग्य वृद्धिकारी चौतीसा यंत्र

**विधि**–इस यंत्र को भोजपत्र पर शुभ मुहूर्त्त में अष्टगंध की स्याही से लिखकर ताँबे, सोने, चाँदी के ताबीज में डालकर पुरुष के दाहिने व स्त्री के बायें हाथ में बाँधें। भाग्य की वृद्धि होवे।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १४ | ११ | ८ |
| ७ | १२ | १३ | २ |
| १६ | ३ | ६ | ९ |
| १० | ५ | ४ | १५ |

### आजीविका प्राप्ति चौतीसा यंत्र

**विधि**–शुभ दिन से प्रारम्भ करके नित्य 108 यंत्र केसर की स्याही से लिखें तथा नित्य आटे की गोली में डालकर 'ॐ श्रीँ नमः' की माला फेरते हुए आटे की गोलियाँ मछलियों को डाल देवें। आजीविका मिले।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | ११ | १४ |
| १० | १५ | ४ | ५ |
| १६ | ९ | ६ | ३ |
| ७ | २ | १३ | १२ |

### ऋण मुक्ति चौतीसा यंत्र

**विधि**–इस यंत्र को 40 दिन में पाँच हजार बार केसर की स्याही से श्वेत कागज पर लिखें। शुक्रवार के दिन से लिखना प्रारम्भ करें। आखिरी दिन एक यंत्र दायीं भुजा में बाँध लें। बाकी यंत्र आटे की गोलियों में डालकर नदी में बहा दें। 'ॐ श्रीँ नमः' की नित्य दस माला फेरें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | ८ | १५ |
| १६ | ७ | ९ | २ |
| ११ | ४ | १४ | ५ |
| ६ | १३ | ३ | १२ |

### आत्मरक्षाकर चौतीसा यंत्र

**विधि**–इस यंत्र को शुक्ल पक्ष में पुष्य नक्षत्र के दिन अष्टगंध से भोजपत्र पर लिखकर सविधि ताबीज बनाकर दाहिनी भुजा पर बाँध लें। आत्म-रक्षा होगी। 'ॐ सुरपति देवाय नमः' की दस माला फेरें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १४ | ११ |
| १० | १५ | ५ | ४ |
| ७ | २ | १२ | १३ |
| १६ | ९ | ३ | ६ |

### देव आकर्षण चौतीसा यंत्र

**विधि**–किसी भी देवी-देवता की साधना करने से पूर्व इक्कीस दिन इस यंत्र की साधना करें तो वह साधना फलीभूत होती है। भोजपत्र पर अष्टगंध की स्याही से अनार की कलम से 21 दिन तक हर रोज यह यंत्र 21 बार लिखें। यंत्र सिद्ध होवे। फिर उन यंत्रों को नदी में बहा देवें। एक यंत्र लिखकर अपने पास रखें।

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | १५ | ८ |
| १६ | ७ | २ | ९ |
| ६ | १३ | १२ | ३ |
| ११ | ४ | ५ | १४ |

### सर्व कार्य सिद्धि चौतीसा यंत्र

**विधि**–शुभ दिन शुभ मुहूर्त्त में अथवा अपना चंद्र स्वर चलता हो, उस समय इस यंत्र को लिखना प्रारम्भ करें। 1250 यंत्र लिखने पर यंत्र सिद्ध होगा। यंत्र सिद्ध होने के बाद नियमित 100 यंत्र लिखें और 16 बार सोलह सती स्तोत्र का पाठ करें। सर्व कार्य सिद्ध होवें।



कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।
जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

« विश्व का सर्वप्रथम »
**जैन कैलेण्डर**

## जुलाई 2021
## JULY

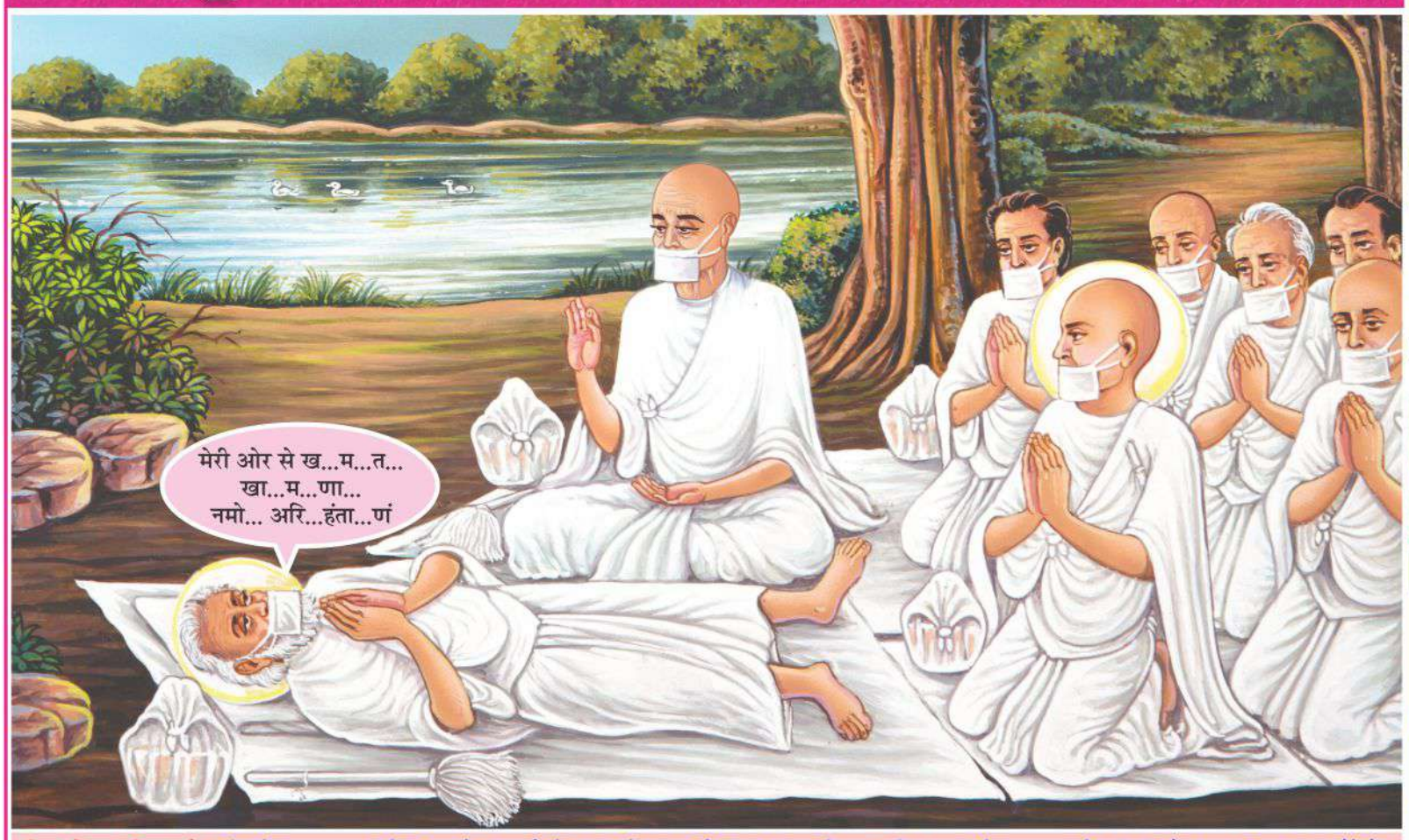




चित्र केवल परिचयार्थ : मुनि श्री नारायणदास जी म. सा. ने आचार्य श्री भूधर जी म. सा. से संथारा ग्रहण किया। द्रवित हृदय श्री जयमल्ल जी म. सा. और अन्य संतगण पास बैठे हैं।


पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com


विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2543-44

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>11 जुलाई, रविवार, सूर्योदय से मध्यरात्रि 2.21 बजे तक। | अश्विनी ९/०८<br>मेष<br>**4**<br>आषाढ़ वद १० | पुष्य २६/२१<br>कर्क<br>**11**<br>चन्द्र दर्शन<br>आषाढ़ सुद १ | स्वाती २४/०८<br>तुला<br>**18**<br>आषाढ़ सुद ९ | श्रवण ११/१९<br>कुम्भ २२/४८<br>**25**<br>श्रावण वद १/२ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | **पंचक**<br>25 जुलाई, रात्रि 10.48 बजे से 30 जुलाई, मध्याह्न 2.00 बजे तक। | भरणी १२/१६<br>वृषभ १९/०३<br>**5**<br>आषाढ़ वद ११ | आश्लेषा २७/१६<br>सिंह २७/१६<br>**12**<br>आषाढ़ सुद २ | विशाखा २२/२७<br>वृश्चिक १६/५४<br>**19**<br>आषाढ़ सुद १० | धनिष्ठा १०/२६<br>कुम्भ<br>**26**<br>श्रावण वद ३ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | **शुभ दिन**<br>2, 3, 4, 6, 7, 11, 15, 21, 24, 29, 30<br>**अशुभ दिन**<br>8, 9, 10, 12, 13, 16, 20, 25, 26 | कृतिका १५/२३<br>वृषभ<br>**6**<br>आषाढ़ वद १२ | मघा २७/४४<br>सिंह<br>**13**<br>आषाढ़ सुद ३ | अनुराधा २०/३४<br>वृश्चिक<br>**20**<br>आषाढ़ सुद ११ | शतभिषा १०/१२<br>मीन २८/३१<br>**27**<br>श्रावण वद ४ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | **अमृत सिद्धि योग**<br>2 जुलाई, शुक्रवार, रेवती नक्षत्र, सूर्योदय से अहोरात्र; 30 जुलाई, शुक्रवार, रेवती नक्षत्र, सूर्योदय से मध्याह्न 2.00 बजे तक। | रोहिणी १८/१९<br>वृषभ<br>**7**<br>आषाढ़ वद १३ | पूर्वा फाल्गुनी २७/४६<br>सिंह<br>**14**<br>आषाढ़ सुद ४ | ज्येष्ठा १८/३२<br>धनु १८/३२<br>**21**<br>आषाढ़ सुद १२ | पूर्वा भाद्रपद १०/४३<br>मीन<br>**28**<br>श्रावण वद ५ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | उत्तरा भाद्रपद २७/४८<br>मीन<br>**1**<br>आषाढ़ वद ७ | मृगसिरा २०/५७<br>मिथुन ७/४१<br>**8**<br>आषाढ़ वद १४ | उत्तरा फाल्गुनी २७/२४<br>कन्या ९/४३<br>**15**<br>आषाढ़ सुद ५ | मूल १६/२७<br>धनु<br>**22**<br>आषाढ़ सुद १३ | उत्तरा भाद्रपद ११/५९<br>मीन<br>**29**<br>श्रावण वद ६ |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | रेवती<br>मीन<br>**2**<br>आषाढ़ वद ८ | आर्द्रा २३/११<br>मिथुन<br>**9**<br>अमावस्या<br>पाक्षिक पर्व<br>आषाढ़ वद ३० | हस्त २६/३९<br>कन्या<br>**16**<br>आषाढ़ सुद ६/७ | पूर्वाषाढ़ा १४/२८<br>मकर २०/००<br>**23**<br>चातुर्मासिक पर्व<br>आषाढ़ सुद १४ | रेवती १४/००<br>मेष १४/००<br>**30**<br>श्रावण वद ७ |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | रेवती ६/१४<br>मेष ६/१४<br>**3**<br>आषाढ़ वद ९ | पुनर्वसु २४/५९<br>कर्क १८/३५<br>**10**<br>आषाढ़ वद ३० | चित्रा २५/३३<br>तुला १४/०९<br>**17**<br>आषाढ़ सुद ८ | उत्तराषाढ़ा १२/४२<br>मकर<br>**24**<br>आषाढ़ सुद १५ | अश्विनी १६/३७<br>मेष<br>**31**<br>श्रावण वद ८ |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| जुलाई | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 5.50 | 5.51 | 5.53 | 5.56 | 5.59 | 6.02 |
| सूर्यास्त | 7.35 | 7.34 | 7.33 | 7.32 | 7.30 | 7.28 |
| नवकारसी | 6.38 | 6.40 | 6.42 | 6.44 | 6.47 | 6.50 |
| पोरसी | 9.16 | 9.18 | 9.19 | 9.21 | 9.22 | 9.23 |
| डेढ़ पोरसी | 11.00 | 11.02 | 11.03 | 11.04 | 11.05 | 11.05 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

1. विमल जिन मोक्ष, 3. नेमि जिन दीक्षा, 13. जयगच्छीय श्रुताचार्य स्वामी चौथ जन्म-स्मृति दिवस, 16. महावीर जिन च्यवन, 17. अरिष्टनेमि जिन मोक्ष, 23. वासुपूज्य जिन मोक्ष, चातुर्मास प्रारम्भ, 24. जैन पंचमारक का 2543वाँ संवत्सर समाप्त, 25. जैन पंचमारक का 2544वाँ संवत्सर प्रारम्भ, 26. श्रेयांस जिन मोक्ष, 30. अनंत जिन च्यवन, आचार्य श्री जीतमल जी म. सा. का जन्म-दिवस, 31. नेमि जिन जन्म।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

3. पंचक समाप्ति, 5. योगिनी एकादशी व्रत, 7. प्रदोष, 20. देवशयनी एकादशी व्रत, 21. प्रदोष, 23. वायु परीक्षा, 24. व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा, 25. पंचक प्रारम्भ, 30. पंचक समाप्ति।

### अवकाश

10. द्वितीय शनिवार
24. गुरु पूर्णिमा

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

09. पाक्षिक पर्व
23. चातुर्मासिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |


Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®
।। पूज्य प्रवर जयमल्लजी, राय आस सबलेश। नमो हीर कस्तूर, भीष्म कानमल्लेश।।

# पद्मोदय चौतीसा यंत्र कल्प

## शत्रु विजय चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १० | १५ |
| ११ | १४ | ४ | ५ |
| १६ | ९ | ७ | २ |
| ६ | ३ | १३ | १२ |

**विधि**—इस यंत्र को केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र/श्वेत कागज पर लिखकर चाँदी के मादलिये में डालकर अपने पास रखें। नित्य 16 बार सोलह सती स्तोत्र का पाठ करें। शत्रु पर विजय प्राप्त होवे।

## मुकद्दमा विजय चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | ८ | १५ |
| १६ | ७ | ९ | २ |
| १३ | ६ | १२ | ३ |
| ४ | ११ | ५ | १४ |

**विधि**—इस यंत्र को रवि पुष्य, गुरु पुष्य, रवि हस्त, रवि मूल अथवा दीपावली के दिन जब अपना सूर्य स्वर चलता हो तो चाँदी के पत्र पर खुदवाकर प्रतिष्ठा करें, अर्चना करें। मुकद्दमा में अवश्य विजय होगी। कोर्ट, कचहरी जायें तब जेब में रखकर जायें।

## आधा शीशी बाधा निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १५ | १० | ८ |
| ६ | १२ | १३ | ३ |
| १६ | २ | ७ | ९ |
| ११ | ५ | ४ | १४ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर शुभ मुहूर्त्त में लिखकर दाहिनी भुजा में बाँधें। आधा शीशी रोग ठीक होवे। नित्य 'ॐ पंचांगुली ठः ठः ठः स्वाहा' की एक माला फेरें।

## वायु गोला-धरण बाधा निवारक यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १३ | १२ |
| ११ | १४ | ७ | २ |
| १६ | ९ | ४ | ५ |
| ६ | ३ | १० | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर कमर में बाँधें। वायु गोला-धरण बाधा ठीक होवे। **सीताजी की कांचली लक्ष्मण जी का बाण आडी टेढी गोला पेचुटी ठिकाणे नहीं आवे तो राजा रामचंद्र जी की आण।** नित्य 1 माला इक्कीस दिन तक फेरें।

## विघ्न हरण चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १५ | १० |
| ११ | १४ | ५ | ४ |
| ६ | ३ | १२ | १३ |
| १६ | ९ | २ | ७ |

**विधि**—इस यंत्र को गोरोचन व कुमकुम से भोजपत्र पर शुभ मुहूर्त्त में लिखें। 'ॐ ह्रीँ नमः' की नित्य दस माला फेरें। सभी विघ्नों का हरण होगा।

## पुराना ज्वर नाशक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | ८ | १४ |
| १६ | ६ | ९ | ३ |
| १० | ४ | १५ | ५ |
| ७ | १३ | २ | १२ |

**विधि**—'ॐ ह्रीँ श्रीँ ह्रीँ' की माला फेरते हुए इस यंत्र को अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर दाहिने हाथ में बाँधें। पुराना ज्वर शांत होवे।

## गाय दूध वृद्धि चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | ८ | १४ |
| १६ | ६ | ९ | ३ |
| १३ | ७ | १२ | २ |
| ४ | १० | ५ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को गोरोचन अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर गाय के सींग अथवा गले में बाँधें। बाँधने से पहले गूगल की धूणी देवें।

## अकाल मृत्यु निवारण चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | १५ | ८ |
| १६ | ७ | २ | ९ |
| ४ | ११ | १४ | ५ |
| १३ | ६ | ३ | १२ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर शुभ मुहूर्त्त में लिखकर पुरुष के दाहिने व स्त्री के बायें हाथ में बाँधने से अकाल मृत्यु का भय-योग टल जाता है।

## भैंस दूध वृद्धि चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १५ | १० |
| १३ | १२ | ३ | ६ |
| ४ | ५ | १४ | ११ |
| १६ | ९ | २ | ७ |

**विधि**—इस यंत्र को गोरोचन अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर भैंस के सींग अथवा गले में बाँधें। बाँधने से पहले गूगल की धूणी देवें।

## नित्य ज्वर निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १२ | १३ |
| १० | १५ | ३ | ६ |
| ७ | २ | १४ | ११ |
| १६ | ९ | ५ | ४ |

**विधि**—इस यंत्र को कोरी ठीकरी पर सिंदूर से लिखकर मंगलवार के दिन अर्चना करके ज्वर वाले के हाथ से कुएँ में डलवा देवें। ज्वर शांत होवे।

## मक्खन वृद्धि चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | १४ | ८ |
| १६ | ६ | ३ | ९ |
| ४ | १० | १५ | ५ |
| १३ | ७ | २ | १२ |

**विधि**—बिलौणे में घृत कम आता हो तो भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर केसर की स्याही से यह यंत्र लिखकर बिलौणे के बाँधें। घृत की वृद्धि होवे।

## एकांतर ज्वर निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | १४ | ८ |
| १६ | ६ | ३ | ९ |
| ७ | १३ | १२ | २ |
| १० | ४ | ५ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर गिलोय के काढ़े में यंत्र को खोलकर पीने से एकांतर ज्वर ठीक होवे।

## सुखपूर्वक प्रसव चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| ९ | १६ | २ | ७ |
| ६ | ३ | १३ | १२ |
| १५ | १० | ८ | १ |
| ४ | ५ | ११ | १४ |

**विधि**—काँसे की थाली में कुमकुम से यंत्र लिखकर स्त्री को दिखायें, तुरन्त बच्चा होवे। अथवा श्वेत कागज पर अनार की कलम से केसर की स्याही से लिखकर पानी में खोलकर पानी पिलावें। सुखपूर्वक प्रसव होवे।

## सर्वरोग निवारण चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | १६ | ६ |
| १४ | ८ | ३ | ९ |
| ७ | १३ | १० | ४ |
| १२ | २ | ५ | १५ |

**विधि**—केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर शुभ मुहूर्त्त में लिखकर हाथ में बांधने से सर्व रोग निवारण होता है। उपचार लागू होता है।

## उदर रोग निवारण चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | १६ | ४ |
| १२ | ८ | ५ | ९ |
| ६ | १० | ११ | ७ |
| १५ | ३ | २ | १४ |

**विधि**—इस यंत्र को शुभ मुहूर्त्त में केसर की स्याही से श्वेत कागज पर लिखकर पानी में खोलकर पीयें। 21 दिन करने से सर्व पेट रोग ठीक होवे।

## मासिकधर्म पीड़ा निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १२ | १३ | ८ |
| ६ | १५ | १० | ३ |
| १६ | ५ | ४ | ९ |
| ११ | २ | ७ | १४ |

**विधि**—गुरुवार के दिन अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर पीड़िता की कमर में बाँधने से रक्त स्राव बंद हो जाता है।

विविध भाँति है जैन के, सम्प्रदाय अभंग। संवत् अठारह पाँच का, स्मारक जयमल संघ।।

कुशल—हर्ष—भगवान—सूर्य—राज—नथमल्लजी। चौथ—बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।
जय—गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय—जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

« विश्व का सर्वप्रथम »

**जैन कैलेण्डर**

## अगस्त 2021

## AUGUST

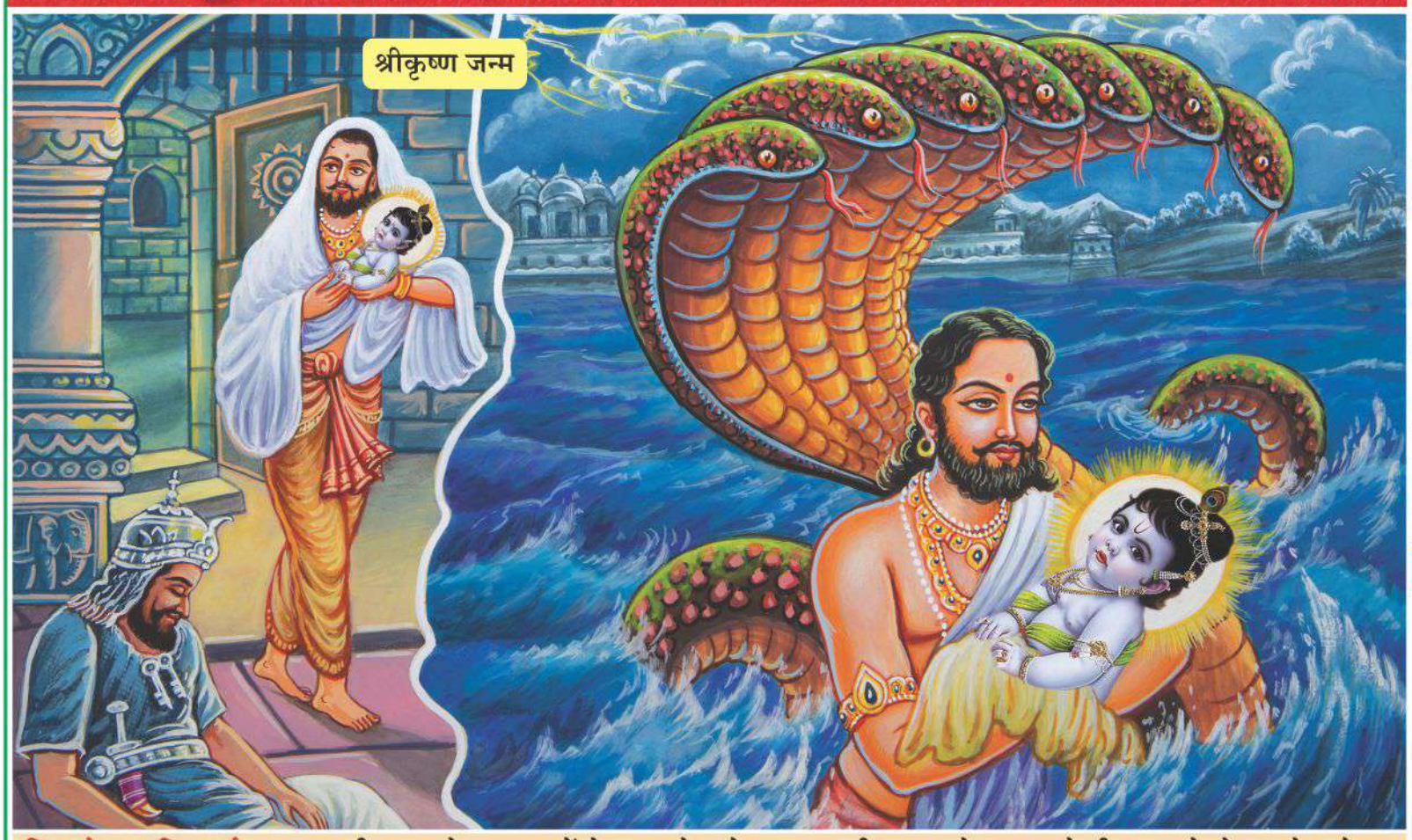




चित्र केवल परिचयार्थ : नवजात श्रीकृष्ण को कारागार में से मथुरा ले जाते हुए। उफनती यमुना को पार करके श्रीकृष्ण को गोकुल ले जाते हुए।


JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com


विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2544

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **SUNDAY रवि** राहुकाल सायं 4.30 से 6.00 बजे | भरणी १९/३७ · वृषभ २६/२४ · **1** · श्रावण वद ८ | पुष्य ९/१७ · कर्क · **8** · अमावस्या · श्रावण वद ३० | विशाखा २८/२६ · वृश्चिक २२/४५ · **15** · श्रावण सुद ७ | धनिष्ठा १९/३८ · कुंभ ७/५६ · **22** · पाक्षिक पर्व · श्रावण सुद १५ | कृतिका · वृषभ १०/१६ · **29** · भाद्रपद वद ७ |
| **MONDAY सोम** प्रात: 7.30 से 9.00 बजे | कृतिका २२/४५ · वृषभ · **2** · श्रावण वद ९ | आश्लेषा ९/४९ · सिंह ९/४९ · **9** · श्रावण सुद १ | अनुराधा २७/०२ · वृश्चिक · **16** · श्रावण सुद ८/९ | शतभिषा १९/२४ · कुंभ · **23** · भाद्रपद वद १ | कृतिका ६/३६ · वृषभ · **30** · भाद्रपद वद ८ |
| **TUESDAY मंगल** मध्याह्न 3.00 से 4.30 बजे | रोहिणी २५/४६ · वृषभ · **3** · श्रावण वद १० | मघा ९/५२ · सिंह · **10** · चन्द्र दर्शन · श्रावण सुद २ | ज्येष्ठा २५/३५ · धनु २५/३५ · **17** · श्रावण सुद १० | पूर्वा भाद्रपद १९/४५ · मीन १३/३६ · **24** · भाद्रपद वद २ | रोहिणी ९/४३ · मिथुन २३/११ · **31** · भाद्रपद वद ९ |
| **WEDNESDAY बुध** मध्याह्न 12.00 से 1.30 बजे | मृगसिरा २८/२५ · मिथुन १५/०९ · **4** · श्रावण वद ११ | पूर्वा फाल्गुनी ९/३२ · कन्या १५/२४ · **11** · श्रावण सुद ३ | मूल २४/०७ · धनु · **18** · श्रावण सुद ११ | उत्तरा भाद्रपद २०/४५ · मीन · **25** · भाद्रपद वद ३ | **पुष्य नक्षत्र** 7 अगस्त, शनिवार, प्रात: 8.13 से 8 अगस्त, रविवार, प्रात: 9.17 बजे तक। |
| **THURSDAY गुरू** मध्याह्न 1.30 से 3.00 बजे | आर्द्रा · मिथुन · **5** · श्रावण वद १२ | उत्तरा फाल्गुनी ८/५४ · कन्या · **12** · श्रावण सुद ४ | पूर्वाषाढ़ा २२/४२ · मकर २८/२१ · **19** · श्रावण सुद १२ | रेवती २२/२५ · मेष २२/२५ · **26** · भाद्रपद वद ४ | **पंचक** 22 अगस्त, प्रात: 7.56 बजे से 26 अगस्त रात्रि 10.25 बजे तक। |
| **FRIDAY शुक्र** प्रात: 10.30 से 12.00 बजे | आर्द्रा ६/३६ · कर्क २५/५२ · **6** · श्रावण वद १३ | हस्त ८/०० · तुला ११/२१ · **13** · श्रावण सुद ५ | उत्तराषाढ़ा २१/२४ · मकर · **20** · श्रावण सुद १३ | अश्विनी २४/४३ · मेष · **27** · भाद्रपद वद ५ | **शुभ दिन** 4, 6, 7, 13, 14, 21, 24, 27, 30 **अशुभ दिन** 1, 8, 10, 11, 12, 15, 16, 26 |
| **SATURDAY शनि** प्रात: 9.00 से 10.30 बजे | पुनर्वसु ८/१३ · कर्क · **7** · पाक्षिक पर्व · श्रावण वद १४ | चित्रा ६/५६ · तुला · **14** · स्वाति २९/४४ · श्रावण सुद ६ | श्रवण २०/२० · मकर · **21** · श्रावण सुद १४ | भरणी २७/३१ · मेष · **28** · भाद्रपद वद ६ |   |

## पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| अगस्त | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.04 | 6.06 | 6.08 | 6.10 | 6.13 | 6.16 |
| सूर्यास्त | 7.26 | 7.23 | 7.17 | 7.13 | 7.06 | 7.03 |
| नवकारसी | 6.52 | 6.54 | 6.57 | 6.59 | 7.01 | 7.04 |
| पोरसी | 9.25 | 9.26 | 9.27 | 9.28 | 9.28 | 9.29 |
| डेढ़ पोरसी | 11.05 | 11.05 | 11.05 | 11.04 | 11.04 | 11.04 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

2. कुन्थु जिन च्यवन, 10. सुमति जिन च्यवन, 13. अरिष्टनेमि जिन जन्म, 14. अरिष्टनेमि जिन दीक्षा, 16. पार्श्व जिन मोक्ष, 18. आचार्य श्री शुभचन्द्रजी म. सा. की जन्म जयन्ती, 21. जयगच्छीय सप्तम पट्टधर आचार्य श्री भीकमचंद जी म. सा. जन्म जयन्ती, स्वामी हरक स्वामी पद प्रदान दिवस, मरुधर केसरी जन्म जयन्ती, 22. मुनिसुव्रत जिन च्यवन, रक्षा बंधन, 29. शांति जिन च्यवन, चन्द्रप्रभ जिन मोक्ष, 30. सुपार्श्व जिन च्यवन।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

4. कामिका एकादशी व्रत, 5. प्रदोष, 8. हरियाली अमावस्या, 11. श्रावण की तीज, 13. नाग पंचमी, कल्की जयंती, 15. स्वतंत्रता दिवस, तुलसी जयंती, 18. पवित्रा एकादशी व्रत, 19. मोहर्रम, 20. प्रदोष, 22. रक्षा बंधन, पंचक प्रारम्भ, 26. पंचक समाप्ति, 30. जन्माष्टमी, 31. गोगा नवमी।

### अवकाश

14. द्वितीय शनिवार, 15. स्वतंत्रता दिवस, 19. मोहर्रम, 22. रक्षा बंधन, 30. जन्माष्टमी।

नोट—सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

07. पाक्षिक पर्व
22. पाक्षिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रात: | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |


Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®

।। पूज्य प्रवर जयमल्लजी, राय आस सबलेश। नमो हीर कस्तूर, भीष्म कानमल्लेश।।

# पद्मोदय चौतीसा यंत्र कल्प

## कर्ण पीड़ा निवारण चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १२ | १३ | ८ |
| ७ | १४ | ११ | २ |
| १६ | ५ | ४ | ९ |
| १० | ३ | ६ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र या श्वेत कागज पर लिखकर पीड़ित व्यक्ति के हाथ पर बाँधने से कर्ण पीड़ा ठीक होवें।

## सर्व बाधा निवारणार्थ चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | १२ | ८ |
| १६ | ४ | ५ | ९ |
| ७ | ११ | १४ | २ |
| १० | ६ | ३ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को शुभ मुहूर्त्त में केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र या श्वेत कागज पर लिखकर अपने पर्स में रखें। नित्य सती यंत्र स्तोत्र का पाठ करें। सभी बाधाओं का निवारण हो।

## बालक रक्षा चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | ११ | १४ |
| १३ | १२ | ७ | २ |
| १६ | ९ | ६ | ३ |
| ४ | ५ | १० | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर शुभ मुहूर्त्त में अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से लिखकर ताबीज बनाकर बच्चे के गले में पहनावें। रक्षा होवे।

## इंटरव्यू सफलता चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | १६ | ४ |
| १२ | ८ | ५ | ९ |
| ७ | ११ | १० | ६ |
| १४ | २ | ३ | १५ |

**विधि**—सूर्योदय के समय सूर्य देव के सम्मुख मुँह करके 7 बार सती यंत्र स्तोत्र का पाठ करें। 21 दिन तक ऐसा करें। फिर इस यंत्र को केसर की स्याही से लिखकर इंटरव्यू के समय अपने साथ ले जायें। इंटरव्यू में सफलता प्राप्त हो।

## मस्तक पीड़ा निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ११ | १६ | ६ |
| १४ | ८ | ३ | ९ |
| ४ | १० | १३ | ७ |
| १५ | ५ | २ | १२ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लिखकर अपने पास रखें अथवा हाथ में बाँधें। 'ॐ ह्रीँ श्रीँ घण्टाकर्ण महावीराय नमः' की नित्य एक माला फेरें। मस्तक पीड़ा ठीक होवे।

## गृह शांति चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १२ | १३ |
| ११ | १४ | २ | ७ |
| ६ | ३ | १५ | १० |
| १६ | ९ | ५ | ४ |

**विधि**—इस यंत्र को रवि पुष्य नक्षत्र में केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से 'ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो लोए सव्व साहूणं' की माला फेरते हुए 108 बार लिखें। 21 दिन तक ऐसा करें। फिर सभी यंत्र नदी में प्रवाहित करें। एक यंत्र अपने पास रखें।

## आय वृद्धि चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १४ | ११ | ८ |
| ७ | १२ | १३ | २ |
| १६ | ३ | ६ | ९ |
| १० | ५ | ४ | १५ |

**विधि**—रोज संध्याकाल के समय खसखस, बाजरी का दलिया, देशी खांड, देशी घी मिलाकर कीड़ियों को डालें। 21 दिन तक ऐसा करें और 21 दिन तक यह यंत्र रोज 34 बार लिखें एवं पानी में बहा दें। आय में वृद्धि हो।

## नवग्रह शान्ति चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | ८ | १२ |
| १६ | ४ | ९ | ५ |
| १० | ६ | १५ | ३ |
| ७ | ११ | २ | १४ |

**विधि**—'ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हं नमः' की नित्य दस माला फेरें। इस यंत्र को 34 बार लिखकर पानी में बहा दें। 34 दिन ऐसा करें। फिर केसर की स्याही से एक यंत्र श्वेत कागज पर लिखकर तिजोरी में रखें। नवग्रह शांति हों।

## ऋण प्राप्ति चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १३ | १२ |
| १० | १५ | ६ | ३ |
| १६ | ९ | ४ | ५ |
| ७ | २ | ११ | १४ |

**विधि**—अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से बटर पेपर पर 21 दिन तक रोज 108 यंत्र लिखें और उन्हें आटे की गोलियों में डालकर नदी अथवा तालाब में डाल दें। फिर 7 दिन तक रोज एक-एक रोटी पर लाल स्केच पैन से यह यंत्र लिखकर रोटी कुत्ते को खिला दें। ऋण प्राप्त होगा।

## ऋण वसूली चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | ८ | १४ | ११ |
| १३ | १२ | २ | ७ |
| ४ | ५ | १५ | १० |
| १६ | ९ | ३ | ६ |

**विधि**—अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से बटर पेपर पर 21 दिन तक रोज 108 यंत्र लिखें और उन्हें आटे की गोलियों में डालकर मछलियों को डाल दें। फिर 7 दिन तक रोज एक-एक रोटी पर लाल स्केच पैन से यह यंत्र लिखकर रोटी गाय को खिला दें। ऋण वसूल होवे।

## पदोन्नति चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | १२ | ८ |
| १६ | ४ | ५ | ९ |
| ६ | १० | १५ | ३ |
| ११ | ७ | २ | १४ |

**विधि**—इस यंत्र की 21 दिन तक साधना करें। रोज एक नोट बुक में 108 यंत्र 21 दिन तक लिखें साथ में सती यंत्र स्तोत्र का पाठ करें, यंत्र सिद्ध होगा। तत्पश्चात् श्वेत कागज पर अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से यह यंत्र लिखकर अपने पास रखें। पदोन्नति होवे।

## हृदय रोग निवारक चौतीसा यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | ८ | १२ |
| १६ | ४ | ९ | ५ |
| ११ | ७ | १४ | २ |
| ६ | १० | ३ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को शुभ मुहूर्त्त में केसर अथवा अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र या श्वेत कागज पर लिखकर गले में बाँधने से हृदय रोग बाधा ठीक होती है। साथ में अर्जुन छाल (एक चम्मच) और पीपल जटा (आधा चम्मच) पानी में भिगोकर प्रात:काल छानकर पीयें।

## बच्चे का रोना बंद होने का यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १३ | १६ | ४ |
| ८ | १२ | ९ | ५ |
| ११ | ७ | ६ | १० |
| १४ | २ | ३ | १५ |

**विधि**—अष्टगंध या केसर की स्याही से भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर शुभ मुहूर्त्त में इस यंत्र को लिखकर सोलह सती स्तोत्र के 16 पाठ करके बच्चे के गले में यह यंत्र चाँदी या ताँबे के मादलिये में डालकर पहना देवें। बच्चे की रक्षा होगी।

## फल वृद्धि यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १६ | १० | ७ |
| ११ | ६ | ४ | १३ |
| ८ | ९ | १५ | २ |
| १४ | ३ | ५ | १२ |

**विधि**—इस यंत्र को मंगलवार के दिन सूर्य उदय के समय भोजपत्र अथवा श्वेत कागज पर लाल चन्दन की स्याही से लिखकर जिस वृक्ष पर फल कम लगते हों, उस वृक्ष की टहनी पर बांध देवें। फलों की वृद्धि हो।

## व्यंतर देव दोष निवारण यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १० | ७ | १६ |
| ८ | १५ | २ | ९ |
| १२ | ३ | १४ | ५ |
| १३ | ६ | ११ | ४ |

**विधि**—इस यंत्र को अष्टगंध की स्याही से अनार की कलम से भोजपत्र पर लिखकर चाँदी के मादलिये में डालकर गले में बांधने से भूत, पिशाच, व्यंतर आदि दोष दूर होते हैं।

## सम्मान वृद्धि यंत्र

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १६ | ७ | १० |
| ११ | ६ | १३ | ४ |
| १४ | ३ | १२ | ५ |
| ८ | ९ | २ | १५ |

**विधि**—इस यंत्र को गोरोचन की स्याही से भोजपत्र पर लिखकर पास में रखने से जहाँ जायें, वहाँ मान-सम्मान मिले। नित्य 16 बार सती यंत्र स्तोत्र का पाठ करें।

कुशल–हर्ष–भगवान–सूर्य–राज–नथमल्लजी। चौथ–बख्तं रायत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।

जय–गच्छ के श्रृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय–जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

विविध भाँति है जैन के, सम्प्रदाय अभंग। संवत् अठारह पाँच का, स्मारक जयमल संघ।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

विश्व का सर्वप्रथम **जैन कैलेण्डर**

## सितम्बर 2021 SEPTEMBER

### चमत्कारी जय जाप

पूज्य जयमल जी हुआ अवतारी, ज्यांरा नाम तणी महिमा भारी।
कष्ट टले मिटे ताव तपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
पूज्य नामे सब कष्ट टले, वली भूत-प्रेत पिण नाय छले।
मिले न चोर हुवे गुप-चुपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
लक्ष्मी दिन-दिन बढ़ जावे, वली दुःख नेड़ो तो नहीं आवे।
व्यापार में होवे बहुत नफो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
अड़ियो काम तो होय जावे, वली बिगड़यो काम भी बण जावे।
भूल-चूक नहीं खाय डफो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
राज-काज में तेज रहे, वली खमा-खमा सब लोक कहे।
आछी जागा जाय रूपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
पूज्य नाम तणो जो लियो ओटो, ज्यारे कदे नहीं आवे टोटो।
घर-घर बारणे काय तपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
एक माला नित्त नेम रखो, किणी बात तणो नहीं होय धखो।
खाली विमाण अरु टलेजी सपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
स्वभक्त तणी प्रतिपाल करे, मुनिराम सदा तुम ध्यान धरे।
कोई परतिख बात मती उथपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।
पूज्य नाम प्रताप इसो जबरो, दुःख कष्ट-रोग जावे सगरो।
केई भवां रा कर्म खपो, पूज्य जयमल जी रो जाप जपो।।

### एकभवावतारी आचार्य जय जीवन प्रकाश

● एक प्रवचन श्रवण मात्र से वैराग्य उत्पन्न होना। 3 घण्टे (1 प्रहर) में खड़े-खड़े प्रतिक्रमण कंठस्थ करना। ● 16 वर्ष एकान्तर ● 16 वर्ष बेले-बेले तप, 20 मासक्षमण तप, 10 द्वि-मासक्षमण तप, 40 अड्ढाई तप, 90 दिन अभिग्रहयुक्त तपस्या, एक बार चौमासी तप, एक बार छह मासी तप, 2 वर्ष तक तेले-तेले पारणा, 3 वर्ष 5 के पारणे 5 की तपस्या आदि अनेक तपस्या करना। ● 50 वर्ष तक आडा आसन नहीं करना वि. सं. 1804 से वि. सं. 1853 तक। ● 8 दिन तक निराहार रहते हुए बीकानेर में 500 यतियों को चर्चा में परास्त कर सदा के लिए जैन सन्तों हेतु सर्वप्रथम क्षेत्र खोला। ● पीपाड़, नागौर, जैसलमेर, बीकानेर, सांचौर, खींचन, फलोदी, सिरोही, जालोर आदि अनेकानेक क्षेत्रों में यतियों को चर्चा में परास्त कर क्षेत्र खोले। ● जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर आदि के राजा-महाराजाओं एवं दिल्ली के बादशाह मोहम्मद शाह तथा उनके शहजादे को प्रतिबोध देकर सुमार्गी बनाया। ● 700 भव्यात्माओं को दीक्षा दी। 51 शिष्य, 200 प्रशिष्य, 449 साध्वी समुदाय। ● संथारे के सोलहवें दिन मध्य रात्रि में उदय (मुनि) केशव (मुनि) ने देव-पर्याय में से आकर वन्दन किया, पूर्ण प्रकाश को देखकर आचार्य श्री रायचन्द जी म. सा. आदि संतों के पूछने पर सीमन्धर स्वामी से समाधान पाया कि पूज्यश्री एकभवावतारी हैं। प्रथम कल्प देवलोक से च्यवकर महाविदेह क्षेत्र में जाकर मोक्ष में जायेंगे। ● वि. सं. 1807 में बड़ी साधु वन्दना की रचना की। इसके अतिरिक्त 250 से अधिक काव्य कृतियों का निर्माण किया।

JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2544

| वार | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल सायं 4.30 से 6.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>3 सितम्बर, शुक्रवार, अपराह्न 4.41 बजे से 4 सितम्बर, शनिवार, सायं 5.43 बजे तक। | आश्लेषा १८/०५<br>सिंह १८/०५<br>**5**<br>भाद्रपद वद १३ | विशाखा ९/४८<br>वृश्चिक<br>**12**<br>भाद्रपद सुद ६ | शतभिषा २७/२५<br>कुम्भ<br>**19**<br>भाद्रपद सुद १४ | कृतिका १४/२७<br>वृषभ<br>**26**<br>आश्विन वद ५ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः 7.30 से 9.00 बजे | **पंचक**<br>18 सितम्बर, अपराह्न 3.22 बजे से 23 सितम्बर, प्रातः 6.42 बजे तक। | मघा १७/४९<br>सिंह<br>**6**<br>पाक्षिक पर्व<br>भाद्रपद वद १४ | अनुराधा ८/२२<br>वृश्चिक<br>**13**<br>भाद्रपद सुद ७ | पूर्वा भाद्रपद २८/००<br>मीन २१/४९<br>**20**<br>पाक्षिक पर्व<br>भाद्रपद सुद १५ | रोहिणी १७/३६<br>वृषभ<br>**27**<br>आश्विन वद ६ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न 3.00 से 4.30 बजे | **शुभ दिन**<br>1, 2, 3, 8, 10, 11, 13, 14, 16, 17, 21, 23, 24, 25, 27, 30<br>**अशुभ दिन**<br>7, 18, 22, 26, 29 | पूर्वा फाल्गुनी १७/०२<br>कन्या २२/४७<br>**7**<br>अमावस्या<br>भाद्रपद वद ३०/१ | ज्येष्ठा ७/०४<br>धनु ७/०४<br>**14**<br>मूल २९/५३<br>भाद्रपद सुद ८ | उत्तरा भाद्रपद २९/०५<br>मीन<br>**21**<br>आश्विन वद १ | मृगसिरा २०/४०<br>मिथुन ७/१०<br>**28**<br>आश्विन वद ७ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न 12.00 से 1.30 बजे | मृगसिरा १२/३४<br>मिथुन<br>**1**<br>भाद्रपद वद १० | उत्तरा फाल्गुनी १५/५३<br>कन्या<br>**8**<br>चन्द्र दर्शन<br>भाद्रपद सुद २ | पूर्वाषाढ़ा २८/५३<br>धनु<br>**15**<br>भाद्रपद सुद ९ | रेवती<br>मीन<br>**22**<br>आश्विन वद २ | आर्द्रा २३/२३<br>मिथुन<br>**29**<br>आश्विन वद ८ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न 1.30 से 3.00 बजे | आर्द्रा १४/५६<br>मिथुन<br>**2**<br>भाद्रपद वद १० | हस्त १४/२८<br>तुला २५/४२<br>**9**<br>भाद्रपद सुद ३ | उत्तराषाढ़ा २८/०५<br>मकर १०/४०<br>**16**<br>भाद्रपद सुद १० | रेवती ६/४२<br>मेष ६/४२<br>**23**<br>आश्विन वद २ | पुनर्वसु २५/३२<br>कर्क ११/०४<br>**30**<br>आश्विन वद ९ |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः 10.30 से 12.00 बजे | पुनर्वसु १६/४१<br>कर्क १०/१८<br>**3**<br>भाद्रपद वद ११ | चित्रा १२/५५<br>तुला<br>**10**<br>भाद्रपद सुद ४ | श्रवण २७/३२<br>मकर<br>**17**<br>भाद्रपद सुद ११ | अश्विनी ८/५०<br>मेष<br>**24**<br>आश्विन वद ३ |   |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः 9.00 से 10.30 बजे | पुष्य १७/४३<br>कर्क<br>**4**<br>पर्युषण प्रारम्भ<br>भाद्रपद वद १२ | स्वाती ११/२०<br>वृश्चिक २८/११<br>**11**<br>संवत्सरी महापर्व<br>भाद्रपद सुद ५ | धनिष्ठा २७/१७<br>कुम्भ १५/२२<br>**18**<br>भाद्रपद सुद १२/१३ | भरणी ११/२८<br>वृषभ १८/११<br>**25**<br>आश्विन वद ४ |   |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| सितम्बर | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.18 | 6.20 | 6.21 | 6.24 | 6.25 | 6.28 |
| सूर्यास्त | 6.59 | 6.55 | 6.48 | 6.43 | 6.35 | 6.28 |
| नवकारसी | 7.06 | 7.07 | 7.10 | 7.12 | 7.14 | 7.16 |
| पोरसी | 9.29 | 9.29 | 9.29 | 9.29 | 9.29 | 9.29 |
| डेढ़ पोरसी | 11.03 | 11.02 | 11.01 | 11.00 | 11.00 | 10.59 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

4. पर्युषण प्रारम्भ, 7. आचार्य सम्राट् श्री शुभचन्द्र जी म. सा. का स्मृति दिवस, 11. संवत्सरी महापर्व, 15. सुविधि जिन मोक्ष, 18. एकभवावतारी आचार्य सम्राट् पूज्य श्री जयमल जी म. सा. का 314वाँ जन्म दिवस (तेले तप का आयोजन)।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

4. प्रदोष, 9. वराह जयन्ती, 10. गणेश चतुर्थी, 11. संवत्सरी महापर्व, ऋषि पंचमी, 14. दधीचि जयंती, 16. रामदेव जी का मेला, 17. जलझूलनी एकादशी व्रत, वामन जयंती, 18. पंचक प्रारम्भ, प्रदोष, 19. अनंत चतुर्दशी, 23. पंचक समाप्ति।

### अवकाश

10. गणेश चतुर्थी
11. द्वितीय शनिवार

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

04. पर्युषण प्रारम्भ, 06. पाक्षिक पर्व, 11. संवत्सरी महापर्व, 20. पाक्षिक पर्व।

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# पद्मोदय चौतीसा यंत्र कल्प

## सर्वसिद्धि ॐकार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १५ | ६ | १२ | ॐ |
| १० | ८ | १३ | ३ | ॐ |
| १६ | २ | ११ | ५ | ॐ |
| ७ | ९ | ४ | १४ | ॐ |
| ॐ | ॐ | ॐ | ॐ | ॐ |

**विधि**—अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से श्वेत कागज पर नित्य चौंतीस यंत्र लिखें। 'ॐ नमः' की 34 माला फेरें। 34 दिन में यह माला सिद्ध होती है। फिर चाँदी अथवा ताँबे के पत्र पर यह मंत्र गढ़वाकर घर-दुकान में लगावें। सभी कार्य सिद्ध हों।

## सर्वसिद्धि ह्रींकार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ७ | १६ | १० | ह्रीं |
| १४ | १२ | ३ | ५ | ह्रीं |
| ११ | १३ | ६ | ४ | ह्रीं |
| ८ | २ | ९ | १५ | ह्रीं |
| ह्रीं | ह्रीं | ह्रीं | ह्रीं | ह्रीं |

**विधि**—अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से श्वेत कागज पर नित्य 34 यंत्र लिखें। 'ॐ ह्रीं नमः' की 34 माला फेरें। 34 दिन में यह माला सिद्ध होती है। फिर चाँदी अथवा ताँबे के पत्र पर यह यंत्र गढ़वाकर घर-दुकान में लगावें। किसी भी देवी की साधना करने से पहले उक्त साधना करने से देवी की साधना सिद्ध होती है।

## सर्वसिद्धि श्रींकार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १० | १६ | ७ | श्रीं |
| ८ | १५ | ९ | २ | श्रीं |
| ११ | ४ | ६ | १३ | श्रीं |
| १४ | ५ | ३ | १२ | श्रीं |
| श्रीं | श्रीं | श्रीं | श्रीं | श्रीं |

**विधि**—किसी भी लक्ष्मी मंत्र को सिद्ध करने से पूर्व इस यंत्र की साधना अवश्य करें। अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से श्वेत कागज पर 34 दिन तक 34 यंत्र लिखें। पीपल के पेड़ के नीचे यंत्रों को गाड़ देवें। एक यंत्र अपने पास रखें। नित्य 7 बार सोलह सती स्तोत्र का जाप करें।

## सर्वसिद्धि क्लींकार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १६ | ११ | ६ | क्लीं |
| १० | ७ | ४ | १३ | क्लीं |
| ८ | ९ | १४ | ३ | क्लीं |
| १५ | २ | ५ | १२ | क्लीं |
| क्लीं | क्लीं | क्लीं | क्लीं | क्लीं |

**विधि**—क्लीं बीजाक्षर काम बीज है। ये सभी प्रकार की कामनाओं को पूर्ण करने में सहायक बनता है। इसकी साधना से ब्रह्माण्ड की सभी दिव्य शक्तियाँ साधक के साथ जुड़ जाती हैं। 108 दिन तक इस यंत्र को 34 बार लिखें। 'ॐ क्लीं नमः' की दस माला रोज फेरें। साधनाकाल के लिखे हुए यंत्र शुक्रवार के दिन खेजड़ी के मूल में गाड़ देवें। एक यंत्र लिखकर अपने पास रखें।

## सर्वसिद्धि ऐंकार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १० | ७ | १६ | ऐं |
| ८ | १५ | २ | ९ | ऐं |
| १४ | ५ | १२ | ३ | ऐं |
| ११ | ४ | १३ | ६ | ऐं |
| ऐं | ऐं | ऐं | ऐं | ऐं |

**विधि**—ऐं वाक् बीजाक्षर है। इसे तत्व बीज भी कहते हैं। इस बीजाक्षर की साधना करने से वाणी के देवता प्रसन्न होते हैं। विद्या प्राप्त होती है। साक्षात् वागेश्वरी जिह्वा पर आकर विराजमान हो जाती है। नित्य दस माला 'ॐ ऐं नमः' की फेरें और 25 दिन तक नित्य 34 यंत्र लिखें और अशोक वृक्ष के मूल में गाड़ देवें। एक यंत्र लिखकर अपने पास रखें। फिर नित्य एक माला फेरते रहें।

## ज्ञान-प्राप्ति चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १६ | ६ | ११ | अर्हं |
| १० | ७ | १३ | ४ | अर्हं |
| १५ | २ | १२ | ५ | अर्हं |
| ८ | ९ | ३ | १४ | अर्हं |
| अर्हं | अर्हं | अर्हं | अर्हं | अर्हं |

**विधि**—अर्हं ज्ञान का बीजाक्षर है। इस बीजाक्षर की साधना से आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। 34 दिन तक नित्य 34 यंत्र अष्टगंध अथवा केसर की स्याही से लिखें। 34 दिन के बाद यंत्रों को शाल वृक्ष के मूल में गाड़ें। नित्य 'ॐ अर्हं नमः' की दस माला फेरें। फिर एक यंत्र लिखकर अपने पास रखें और नित्य एक माला फेरते रहें।

## आयुष्य बोध चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ७ | १६ | १० | श्लीं |
| १२ | १४ | ५ | ३ | श्लीं |
| १३ | ११ | ४ | ६ | श्लीं |
| ८ | २ | ९ | १५ | श्लीं |
| श्लीं | श्लीं | श्लीं | श्लीं | श्लीं |

**विधि**—श्लीं अमृत बीज है। इस बीजाक्षर की साधना करने वाले व्यक्ति को आयुष्य बोध हो जाता है जिससे वह पंडितमरण को प्राप्त कर मृत्यु को महोत्सव बना सकता है। लाल पेन से नित्य 108 यंत्र लिखें। 'ॐ श्लीं नमः' की नित्य दस माला फेरें।

## विषापहार चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ११ | १६ | ६ | क्ष्वीं |
| ८ | १४ | ९ | ३ | क्ष्वीं |
| १० | ४ | ७ | १३ | क्ष्वीं |
| १५ | ५ | २ | १२ | क्ष्वीं |
| क्ष्वीं | क्ष्वीं | क्ष्वीं | क्ष्वीं | क्ष्वीं |

**विधि**—क्ष्वीं विषापहार बीज है। 'ॐ क्ष्वीं नमः' की नित्य दस माला फेरें। दीपावली के समय तीन दिन तक नित्य 108 यंत्र लिखें। किसी भी विष पीड़ित व्यक्ति को यह यंत्र पानी में खोलकर पिलाने से विष का प्रभाव दूर हो।

## शत्रु स्तम्भन चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ११ | ६ | १६ | ठः |
| ८ | १४ | ३ | ९ | ठः |
| १५ | ५ | १२ | २ | ठः |
| १० | ४ | १३ | ७ | ठः |
| ठः | ठः | ठः | ठः | ठः |

**विधि**—ठः बीजाक्षर स्तम्भन बीज है। अगर शत्रु अधिक परेशान करे तो यह साधना अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती है। 34 दिन तक नित्य 34 यंत्र केसर की स्याही से लिखें और पानी में प्रवाहित कर दें। फिर एक यंत्र में बीजाक्षर युक्त शत्रु का नाम लिखकर अपने पास रखें।

## क्रोध उपशमन चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १४ | ७ | १२ | हुं |
| ११ | ८ | १३ | २ | हुं |
| १६ | ३ | १० | ५ | हुं |
| ६ | ९ | ४ | १५ | हुं |
| हुं | हुं | हुं | हुं | हुं |

**विधि**—'ॐ क्रोधम् शांतम् प्रशांतम् उपशांतम् निशांतम् ह्रीं स्वाहा।' इसकी नित्य एक माला फेरते हुए इस यंत्र को ग्यारह बार लिखें। ऐसा तीन महीने तक करने से क्रोध शांत होता है।

## वाण बीज चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | ६ | १६ | ११ | द्रां |
| १२ | १५ | ५ | २ | द्रीं |
| १३ | १० | ४ | ७ | क्लीं |
| ८ | ३ | ९ | १४ | ब्लूं |
| द्रां | द्रीं | क्लीं | ब्लूं | सः |

**विधि**—सभी प्रकार के देवी-देवताओं को वशीभूत करने के लिये अत्यधिक प्रभावशाली यंत्र है। किसी भी देवी-देवता की साधना करने से पूर्व इस यंत्र की साधना अवश्य करें। इन पाँच वाण बीज की नित्य 5 माला फेरें और रोज के सिर्फ 5 यंत्र लिखें। 6 महीने में यंत्र सिद्ध हो। लिखे हुए यंत्रों को पानी में प्रवाहित कर देवें। एक यंत्र अष्टगंध की स्याही से भोजपत्र पर लिखकर अपने पास रखें।

## आकर्षण चौतीसा यंत्र

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| १ | १६ | ४ | १३ | ब्लैं |
| १० | ७ | ११ | ६ | ब्लैं |
| १५ | २ | १४ | ३ | ब्लैं |
| ८ | ९ | ५ | १२ | ब्लैं |
| ब्लैं | ब्लैं | ब्लैं | ब्लैं | ब्लैं |

**विधि**—यह यंत्र स्वतः सिद्ध है। किसी व्यक्ति के घर से भाग जाने अथवा खो जाने पर यह यंत्र लिखकर व्यक्ति का नाम व उसकी माता का नाम लिखकर पंखे के ऊपर चिपका दें एवं पंखा चला दें। 24 घंटे में सूचना प्राप्त हो। पशु खो जाने पर पशु का बोलता नाम यंत्र के साथ लिखकर पशु के खूँटे के अथवा खेजड़ी की डाली के बाँध दें। खोया पशु मिले।



कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बखत रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।
गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

विश्व का सर्वप्रथम जैन कैलेण्डर

# अक्टूबर 2021 OCTOBER




चित्र केवल परिचयार्थ : वीर संवत् 245 में सम्राट् सम्प्रति द्वारा जैन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिये अपनी पुत्रियों को समणियाँ बनाकर विदेशों में भेजा।


JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com


विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2544

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | मघा १३/१६<br>सिंह **31**<br>कार्तिक वद १० | मघा २७/२४<br>सिंह **3**<br>आश्विन वद १२ | अनुराधा १४/४२<br>वृश्चिक **10**<br>आश्विन सुद ५ | शतभिषा ९/४८<br>मीन २८/२९ **17**<br>आश्विन सुद १२ | रोहिणी २४/५५<br>वृषभ **24**<br>कार्तिक वद ४ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>1 अक्टूबर, शुक्रवार, सूर्योदय से मध्यरात्रि 2.57 बजे तक; 28 अक्टूबर, गुरुवार, प्रातः 9.39 से 29 अक्टूबर, शुक्रवार प्रातः 11.38 तक। | पूर्वा फाल्गुनी २६/३३<br>सिंह **4**<br>आश्विन वद १३ | ज्येष्ठा १२/५४<br>धनु १२/५४ **11**<br>आश्विन सुद ६ | पूर्वा भाद्रपद १०/४७<br>मीन **18**<br>आश्विन सुद १३ | मृगसिरा २८/०४<br>मिथुन १४/३० **25**<br>कार्तिक वद ५ |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | **पंचक**<br>15 अक्टूबर, रात्रि 9.10 बजे से 20 अक्टूबर मध्याह्न 2.02 बजे तक। | उत्तरा फाल्गुनी २५/०७<br>कन्या ८/१४ **5** पाक्षिक पर्व<br>आश्विन वद १४ | मूल ११/२५<br>धनु **12**<br>आश्विन सुद ७ | उत्तरा भाद्रपद १२/१२<br>मीन **19**<br>आश्विन सुद १४ | आर्द्रा<br>मिथुन **26**<br>कार्तिक वद ५ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | **शुभ दिन**<br>4, 15, 19, 20, 21, 25, 28, 30<br>**अशुभ दिन**<br>1, 6, 8, 9, 10, 13, 14, 22, 26, 27 | हस्त २३/१६<br>कन्या **6** अमावस्या<br>आश्विन वद ३० | पूर्वाषाढ़ा १०/१६<br>मकर १६/०३ **13**<br>आश्विन सुद ८ | रेवती १४/०२<br>मेष १४/०२ **20** पाक्षिक पर्व<br>आश्विन सुद १५ | आर्द्रा ७/०३<br>कर्क २७/०३ **27**<br>कार्तिक वद ६ |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | **अमृत सिद्धि योग**<br>28 अक्टूबर, गुरुवार, पुष्य नक्षत्र, प्रातः 9.39 से आगामी सूर्योदय तक। | चित्रा २१/०९<br>तुला १०/१४ **7**<br>आश्विन सुद १ | उत्तराषाढ़ा ९/३१<br>मकर **14**<br>आश्विन सुद ९ | अश्विनी १६/१७<br>मेष **21**<br>कार्तिक वद १ | पुनर्वसु ९/३९<br>कर्क **28**<br>कार्तिक वद ७ |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | पुष्य २६/५७<br>कर्क **1**<br>आश्विन वद १० | स्वाती १८/५६<br>तुला **8** चन्द्र दर्शन<br>आश्विन सुद २ | श्रवण ९/११<br>कुम्भ २१/१० **15**<br>आश्विन सुद १० | भरणी १८/५३<br>वृषभ २५/३५ **22**<br>कार्तिक वद २ | पुष्य ११/३८<br>कर्क **29**<br>कार्तिक वद ८ |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | आश्लेषा २७/३४<br>सिंह २७/३४ **2**<br>आश्विन वद ११ | विशाखा १६/४५<br>वृश्चिक ११/१७ **9**<br>आश्विन सुद ३/४ | धनिष्ठा ९/१६<br>कुम्भ **16**<br>आश्विन सुद ११ | कृतिका २१/४८<br>वृषभ **23**<br>कार्तिक वद ३ | आश्लेषा १२/५१<br>सिंह १२/५१ **30**<br>कार्तिक वद ९ |

## पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| अक्टूबर | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.31 | 6.33 | 6.36 | 6.39 | 6.41 | 6.44 |
| सूर्यास्त | 6.25 | 6.20 | 6.15 | 6.10 | 6.05 | 6.00 |
| नवकारसी | 7.19 | 7.21 | 7.24 | 7.26 | 7.29 | 7.32 |
| पोरसी | 9.29 | 9.30 | 9.30 | 9.32 | 9.32 | 9.33 |
| डेढ़ पोरसी | 10.59 | 10.59 | 10.58 | 10.58 | 10.58 | 10.58 |

## जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

6. अरिष्टनेमि जिन केवल, 12. ओली तप प्रारम्भ, 15. आचार्य श्री भूधर जी म. सा. का जन्म-स्मृति दिवस, 20. नेमी जिन च्यवन, शरद पूर्णिमा, ओली तप समाप्त, 23. स्वाती नक्षत्र प्रारम्भ (गाज-बीज होने पर अस्वाध्याय), 25. संभव जिन केवल।

## राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

2. इंदिरा एकादशी व्रत, गांधी जयंती, 4. प्रदोष, 6. सर्वपितृ श्राद्ध, 7. नवरात्रारम्भ, घटस्थापना, अग्रसेन जयन्ती, 12. सरस्वती आह्वान, 13. सरस्वती पूजन, महाष्टमी, 14. शस्त्रादि पूजा, 15. सरस्वती विसर्जन, विजया दशमी, पंचक प्रारम्भ, 17. प्रदोष, 20. शरद पूर्णिमा, पंचक समाप्ति, कार्तिक स्नान प्रारम्भ, 24. करवा चौथ।

## अवकाश

2. गांधी जयन्ती, 7. अग्रसेन जयंती (ऐं), 9. द्वितीय शनिवार, 15. विजया दशमी।

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

## याददाश्त

05. पाक्षिक पर्व
20. पाक्षिक पर्व

## दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |


Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

# ☆☆☆ प्रमुख नगरों का प्रत्याख्यान यंत्र ☆☆☆

## BANGALORE

| माह | ता. | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 6.40<br>6.44 | 6.05<br>6.11 | 7.28<br>7.32 | 9.30<br>9.40 |
| फरवरी | 1<br>16 | 6.44<br>6.40 | 6.21<br>6.27 | 7.32<br>7.28 | 9.40<br>9.35 |
| मार्च | 1<br>16 | 6.34<br>6.26 | 6.28<br>6.30 | 7.22<br>7.24 | 9.35<br>9.30 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.16<br>6.07 | 6.31<br>6.32 | 7.04<br>6.55 | 9.20<br>9.15 |
| मई | 1<br>16 | 5.59<br>5.55 | 6.34<br>6.38 | 6.47<br>6.43 | 9.10<br>9.05 |
| जून | 1<br>16 | 5.54<br>5.55 | 6.42<br>6.47 | 6.42<br>6.43 | 9.05<br>9.05 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.59<br>6.00 | 6.49<br>6.49 | 6.47<br>6.48 | 9.10<br>9.10 |
| अगस्त | 1<br>16 | 6.01<br>6.08 | 6.46<br>6.39 | 6.49<br>6.56 | 9.10<br>9.20 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.09<br>6.09 | 6.29<br>6.19 | 6.57<br>6.57 | 9.20<br>9.20 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.09<br>6.10 | 6.09<br>5.59 | 6.57<br>6.58 | 9.20<br>9.20 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.15<br>6.19 | 5.52<br>5.49 | 7.03<br>7.07 | 9.20<br>9.20 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 6.27<br>6.35 | 5.51<br>5.53 | 7.15<br>7.23 | 9.20<br>9.25 |

## RAICHUR

| माह | ता. | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 6.58<br>7.02 | 6.00<br>6.09 | 7.46<br>7.50 | 9.45<br>9.49 |
| फरवरी | 1<br>16 | 7.01<br>6.55 | 6.19<br>6.26 | 7.49<br>7.45 | 9.51<br>9.48 |
| मार्च | 1<br>16 | 6.46<br>6.36 | 6.31<br>6.34 | 7.35<br>7.24 | 9.41<br>9.46 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.23<br>6.12 | 6.38<br>6.41 | 7.15<br>7.00 | 9.27<br>9.20 |
| मई | 1<br>16 | 6.02<br>5.56 | 6.45<br>6.49 | 6.50<br>6.44 | 9.13<br>9.09 |
| जून | 1<br>16 | 5.53<br>5.53 | 6.55<br>7.00 | 6.41<br>6.41 | 9.09<br>9.10 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.57<br>6.01 | 7.03<br>7.03 | 6.45<br>6.49 | 9.14<br>9.17 |
| अगस्त | 1<br>16 | 6.06<br>6.10 | 6.58<br>6.51 | 6.54<br>6.58 | 9.19<br>9.21 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.14<br>6.16 | 6.39<br>6.28 | 7.02<br>7.04 | 9.21<br>9.19 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.18<br>6.21 | 6.14<br>6.04 | 7.06<br>7.09 | 9.17<br>9.17 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.27<br>6.34 | 5.54<br>5.39 | 7.15<br>7.22 | 9.19<br>9.20 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 6.42<br>6.50 | 5.48<br>5.52 | 7.30<br>7.38 | 9.29<br>9.36 |

## DELHI

| माह | ता. | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 7.19<br>7.18 | 5.31<br>5.43 | 8.03<br>8.04 | 9.50<br>9.53 |
| फरवरी | 1<br>16 | 7.11<br>7.04 | 5.59<br>6.07 | 7.59<br>7.48 | 9.53<br>9.48 |
| मार्च | 1<br>16 | 6.49<br>6.33 | 6.18<br>6.27 | 7.36<br>7.20 | 9.41<br>9.31 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.15<br>5.58 | 6.34<br>6.42 | 7.01<br>7.45 | 9.19<br>9.09 |
| मई | 1<br>16 | 5.44<br>5.34 | 6.52<br>7.01 | 6.31<br>6.20 | 9.00<br>8.55 |
| जून | 1<br>16 | 5.28<br>5.27 | 7.11<br>7.15 | 6.14<br>6.13 | 8.52<br>8.53 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.32<br>5.38 | 7.17<br>7.16 | 6.17<br>6.23 | 8.57<br>9.01 |
| अगस्त | 1<br>16 | 5.47<br>5.54 | 7.04<br>6.55 | 6.32<br>6.40 | 9.06<br>9.09 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.03<br>6.10 | 6.39<br>6.21 | 6.48<br>6.55 | 6.11<br>6.12 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.18<br>6.27 | 5.02<br>5.46 | 7.03<br>7.11 | 9.13<br>9.15 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.37<br>6.48 | 5.33<br>5.23 | 7.22<br>7.23 | 9.19<br>9.25 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 7.01<br>7.11 | 5.20<br>5.22 | 7.45<br>7.56 | 9.33<br>9.42 |

## JODHPUR

| माह | ता. | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 7.26<br>7.27 | 5.57<br>6.09 | 8.14<br>8.15 | 10.04<br>10.08 |
| फरवरी | 1<br>16 | 7.23<br>7.10 | 6.20<br>6.31 | 8.11<br>8.00 | 10.08<br>10.02 |
| मार्च | 1<br>16 | 7.01<br>6.47 | 6.40<br>6.48 | 7.49<br>7.35 | 9.55<br>9.46 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.29<br>6.14 | 6.56<br>7.03 | 7.17<br>7.02 | 9.36<br>9.26 |
| मई | 1<br>16 | 6.01<br>5.51 | 7.10<br>7.18 | 6.49<br>6.39 | 9.18<br>9.13 |
| जून | 1<br>16 | 5.45<br>5.46 | 7.29<br>7.33 | 6.33<br>6.35 | 9.11<br>9.14 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.50<br>5.56 | 7.35<br>7.32 | 6.38<br>6.44 | 9.16<br>9.21 |
| अगस्त | 1<br>16 | 6.04<br>6.10 | 7.26<br>7.13 | 6.52<br>6.59 | 9.25<br>9.28 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.18<br>6.24 | 6.59<br>6.43 | 7.06<br>7.12 | 9.29<br>9.29 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.31<br>6.39 | 6.25<br>6.10 | 7.19<br>7.26 | 9.29<br>9.32 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.48<br>7.00 | 5.53<br>5.49 | 7.36<br>7.46 | 9.35<br>9.40 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 7.10<br>7.19 | 5.45<br>5.48 | 8.00<br>8.08 | 9.49<br>9.57 |

## HYDERABAD

| माह | तारीख | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 6.46<br>6.50 | 5.53<br>6.02 | 7.34<br>7.38 | 9.32<br>9.38 |
| फरवरी | 1<br>16 | 6.49<br>6.42 | 6.11<br>6.18 | 7.37<br>7.30 | 9.42<br>9.36 |
| मार्च | 1<br>16 | 6.35<br>6.24 | 6.23<br>6.26 | 7.23<br>7.12 | 9.32<br>9.25 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.11<br>6.00 | 6.29<br>6.32 | 6.59<br>6.48 | 9.16<br>9.08 |
| मई | 1<br>16 | 5.50<br>5.44 | 6.36<br>6.41 | 6.38<br>6.32 | 9.01<br>8.58 |
| जून | 1<br>16 | 5.41<br>5.41 | 6.47<br>6.51 | 6.29<br>6.29 | 8.57<br>8.58 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.45<br>5.49 | 6.54<br>6.55 | 6.33<br>6.37 | 9.02<br>9.05 |
| अगस्त | 1<br>16 | 5.55<br>5.59 | 6.50<br>6.42 | 6.44<br>6.47 | 9.08<br>9.09 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.02<br>6.05 | 6.30<br>6.18 | 6.50<br>6.53 | 9.09<br>9.07 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.06<br>6.09 | 6.06<br>5.55 | 6.54<br>6.57 | 9.06<br>9.05 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.14<br>6.21 | 5.45<br>5.40 | 7.02<br>7.09 | 9.06<br>9.10 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 6.30<br>6.38 | 5.39<br>5.44 | 7.18<br>7.26 | 9.17<br>9.25 |

## JALGAON (Maharashtra)

| माह | तारीख | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 7.06<br>7.09 | 5.56<br>6.06 | 7.54<br>7.57 | 9.49<br>9.53 |
| फरवरी | 1<br>16 | 7.06<br>6.59 | 6.17<br>6.25 | 7.54<br>7.47 | 9.54<br>9.51 |
| मार्च | 1<br>16 | 6.50<br>6.38 | 6.31<br>6.36 | 7.38<br>7.26 | 9.45<br>9.38 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.23<br>6.10 | 6.41<br>6.45 | 7.11<br>6.58 | 9.28<br>9.19 |
| मई | 1<br>16 | 6.00<br>5.52 | 6.50<br>6.56 | 6.48<br>6.40 | 9.13<br>9.08 |
| जून | 1<br>16 | 5.48<br>5.49 | 7.03<br>7.08 | 6.36<br>6.37 | 9.07<br>9.08 |
| जुलाई | 1<br>16 | 5.52<br>5.57 | 7.11<br>7.10 | 6.40<br>6.45 | 9.12<br>9.16 |
| अगस्त | 1<br>16 | 6.04<br>6.09 | 7.05<br>6.56 | 6.52<br>6.57 | 9.19<br>9.21 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.13<br>6.17 | 6.43<br>6.29 | 7.01<br>7.05 | 9.21<br>9.20 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.20<br>6.24 | 6.15<br>6.03 | 7.08<br>7.12 | 9.19<br>9.19 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.31<br>6.40 | 5.52<br>5.46 | 7.19<br>7.28 | 9.21<br>9.26 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 6.49<br>6.59 | 5.44<br>5.48 | 7.37<br>7.47 | 9.33<br>9.41 |

## BOMBAY

| माह | तारीख | सूर्यो. | सूर्या. | नवकारसी | पोरसी |
|---|---|---|---|---|---|
| जनवरी | 1<br>16 | 7.16<br>7.19 | 6.08<br>6.18 | 8.04<br>8.07 | 9.58<br>10.03 |
| फरवरी | 1<br>16 | 7.17<br>7.10 | 6.28<br>6.35 | 8.05<br>7.58 | 10.03<br>10.00 |
| मार्च | 1<br>16 | 7.02<br>6.50 | 6.40<br>6.45 | 7.50<br>7.38 | 9.56<br>9.48 |
| अप्रैल | 1<br>16 | 6.37<br>6.25 | 6.48<br>6.52 | 7.25<br>7.13 | 9.39<br>9.31 |
| मई | 1<br>16 | 6.15<br>6.08 | 6.56<br>7.02 | 7.03<br>6.56 | 9.24<br>9.20 |
| जून | 1<br>16 | 6.05<br>6.05 | 7.08<br>7.13 | 6.53<br>6.53 | 9.18<br>9.21 |
| जुलाई | 1<br>16 | 6.08<br>6.13 | 7.16<br>7.15 | 6.56<br>7.01 | 9.24<br>9.27 |
| अगस्त | 1<br>16 | 6.19<br>6.23 | 7.11<br>7.02 | 7.07<br>7.11 | 9.31<br>9.32 |
| सितम्बर | 1<br>16 | 6.27<br>6.30 | 6.50<br>6.38 | 7.15<br>7.18 | 9.32<br>9.30 |
| अक्टूबर | 1<br>16 | 6.33<br>6.36 | 6.24<br>6.12 | 7.21<br>7.24 | 9.29<br>9.29 |
| नवम्बर | 1<br>16 | 6.42<br>6.50 | 6.02<br>5.57 | 7.30<br>7.38 | 9.31<br>9.35 |
| दिसम्बर | 1<br>16 | 6.59<br>7.08 | 5.56<br>6.00 | 7.47<br>7.56 | 9.42<br>9.50 |

नोट— निम्नलिखित गाँव वालों को हैदराबाद वाले कोष्ठक में निम्नलिखित मिनटें अधिक मिलाकर पच्चक्खाण का पालन करना।

11 मिनट = अकोला
10 मिनट = शोलापुर
18 मिनट = नासिक
11 मिनट = बीजापुर
3 मिनट = नागपुर

नोट— पचक्खाण के समय के 5 मिनट पश्चात् पच्चक्खाण पारना चाहिए।

### नवकारसी

उग्गए सूरे नमुक्कारसहियं पच्चक्खामि चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं वोसिरामि।

### पोरसी

उग्गए सूरे पोरिसिं पच्चक्खामि चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### डेढ़ पोरसी

उग्गए सूरे साड्ढपोरिसिं पच्चक्खामि चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### दो पोरसी

उग्गए सूरे पुरिमड्ढं पच्चक्खामि चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, पच्छन्नकालेणं, दिसामोहेणं, साहुवयणेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### पच्चक्खाण पारने का पाठ

सम्मं काएण न फासियं, न पालियं, न तीरियं, न किट्टियं, न सोहियं, न आराहियं, आणाए अणुपालियं, न भवइ, तस्स मिच्छामि दुक्कडं।

### आयंबिल

उग्गए सूरे आयंबिलं पच्चक्खामि तिविहं-चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, लेवालेवेणं, गिहत्थ-संसट्ठेणं, उक्खित्त-विवेगेणं परिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### उपवास

उग्गए सूरे अभत्तट्ठं पच्चक्खामि तिविहं-चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, परिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### एकासन

उग्गए सूरे एगासणं, विआसणं पच्चक्खामि तिविहं-चउव्विहं पि आहारं-असणं पाणं खाइमं साइमं अन्नत्थणाभोगेणं सहसागारेणं, सागारियागारेणं आउंटणंपसारेणं गुरुअब्भुट्ठाणेणं, परिट्ठावणियागारेणं, महत्तरागारेणं, सव्वसमाहि-वत्तियागारेणं वोसिरामि।

### संवर (दया)

करेमि भंते! संवरं पंचासवदारं पच्चक्खामि जाव न पालेमि ताव पज्जुवासामि दुविहं-तिविहेणं न करेमि न कारवेमि मणसा-वयसा-कायसा (अथवा एगविहं-एगविहेणं न करेमि कायसा) तस्स भंते! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि।

### सागारी संथारा करने का हिन्दी पाठ

आहार, शरीर, उपधि पच्छखूं पाप अठार।
मरण पाऊं तो वोसिरे, जीऊं तो आगार॥

**सूचना**—जब अचानक कोई संकट आ जाये या बीमारी आदि की भयंकर स्थिति हो तो सागारी संथारा ऊपर छपे पाठ से किया जाता है। वैसे भी प्रतिदिन साधक को रात को सोने के समय से लेकर अगली प्रातः तक नहीं पालूँ, नहीं चितारूँ तक सागारी संथारा ग्रहण कर लेना चाहिए, ताकि इस दौरान यदि प्राणान्त हो जाये तो साधक को संथारे का लाभ प्राप्त होगा-सागारी संथारा तीन बार नवकार मन्त्र पढ़कर पारना चाहिए।

## ओली तप करने की विधि

| क्र. | माला | नमोत्थुणं | वंदना | लोगस्स | माला | भोजन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो अरिहंताणं | 12 | 12 | 12 | 12 | चावल |
| 2. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो सिद्धाणं | 8 | 8 | 8 | 8 | गेहूँ |
| 3. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो आयरियाणं | 36 | 36 | 36 | 36 | चना |
| 4. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो उवज्झायाणं | 25 | 25 | 25 | 25 | मूँग |
| 5. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो लोए सव्व साहूणं | 27 | 27 | 27 | 27 | उड़द |
| 6. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो दंसणस्स | 67 | 67 | 67 | 67 | चावल |
| 7. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो नाणस्स | 51 | 51 | 51 | 51 | चावल |
| 8. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो चरित्तस्स | 17 | 17 | 17 | 17 | चावल |
| 9. | ॐ ह्रीँ श्रीँ नमो तवस्स | 12 | 12 | 12 | 12 | चावल |

### ओली तप का समय

आसोज सुदी सातम से पूनम एवं चैत्र सुदी सातम से पूनम तक इस प्रकार एक वर्ष में दो बार इस तप की आराधना की जाती है। साढ़े चार वर्ष में कुल नव ओलियाँ एवं इक्यासी आयंबिल के साथ इस तप की पूर्णाहुति होती है। इससे शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक शान्ति की अनुभूति होती है। कर्म क्षय होते हैं।



जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।
कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बख्त रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।

जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

« विश्व का सर्वप्रथम »
जैन कैलेण्डर

## नवम्बर 2021
## NOVEMBER

**J.P.P. JAIN INTERNATIONAL SCHOOL**
JHUNTHA, RAIPUR MARWAR (RAJ.)

**जय पार्श्व पद्मोदय जैन इन्टरनेशनल स्कूल**
सैनणी, जिला : नागौर (राज.)





JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2547-48 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2544

| वार | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | | ज्येष्ठा २१/०६<br>धनु २१/०६<br>**7**<br>कार्तिक सुद ३ | पूर्वा भाद्रपद १६/२८<br>मीन १०/०८<br>**14**<br>कार्तिक सुद ११ | रोहिणी ७/३१<br>मिथुन २१/०५<br>**21**<br>मार्गशीर्ष वद २ | पूर्वा फाल्गुनी २२/०५<br>कन्या २८/०३<br>**28**<br>मार्गशीर्ष वद ९ |
| MONDAY सोम<br>प्रातः<br>7.30 से 9.00 बजे | पूर्वा फाल्गुनी १२/५१<br>कन्या १८/३८<br>**1**<br>कार्तिक वद ११ | मूल १८/५०<br>धनु<br>**8**<br>कार्तिक सुद ४ | उत्तरा भाद्रपद १८/०८<br>मीन<br>**15**<br>कार्तिक सुद १२ | मृगसिरा १०/३७<br>मिथुन<br>**22**<br>मार्गशीर्ष वद ३ | उत्तरा फाल्गुनी २१/४०<br>कन्या<br>**29**<br>मार्गशीर्ष वद १० |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | उत्तरा फाल्गुनी ११/४२<br>कन्या<br>**2**<br>कार्तिक वद १२ | पूर्वाषाढ़ा १६/५९<br>मकर २२/३६<br>**9**<br>कार्तिक सुद ५ | रेवती २०/१५<br>मेष २०/१५<br>**16**<br>कार्तिक सुद १२ | आर्द्रा १३/३८<br>मिथुन<br>**23**<br>मार्गशीर्ष वद ४ | हस्त २०/३२<br>कन्या<br>**30**<br>मार्गशीर्ष वद ११ |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | हस्त ९/५५<br>तुला २०/५१<br>**3**<br>कार्तिक वद १३/१४ | उत्तराषाढ़ा १५/४०<br>मकर<br>**10**<br>कार्तिक सुद ६/७ | अश्विनी २२/४५<br>मेष<br>**17**<br>कार्तिक सुद १३ | पुनर्वसु १६/२५<br>कर्क ९/४५<br>**24**<br>मार्गशीर्ष वद ५ | **पुष्य नक्षत्र**<br>24 नवम्बर, बुधवार, अपराह्न 4.25 बजे से 25 नवम्बर, गुरुवार, सायं 6.47 तक। |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | चित्रा ७/४०<br>तुला<br>अमावस्या<br>**4**<br>पाक्षिक पर्व<br>स्वाति २९/०५<br>कार्तिक वद ३० | श्रवण १४/५५<br>कुम्भ २६/४७<br>**11**<br>कार्तिक सुद ८ | भरणी २५/३०<br>मेष<br>**18**<br>चातुर्मासिक पर्व<br>कार्तिक सुद १४ | पुष्य १८/४७<br>कर्क<br>**25**<br>मार्गशीर्ष वद ६ | **पंचक**<br>11/12 नवम्बर, मध्यरात्रि 2.47 बजे से 16 नवम्बर रात्रि 8.15 बजे तक। |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रातः<br>10.30 से 12.00 बजे | विशाखा २६/२२<br>वृश्चिक २१/०३<br>**5**<br>कार्तिक सुद १ | धनिष्ठा १४/४९<br>कुम्भ<br>**12**<br>कार्तिक सुद ९ | कृतिका २८/२७<br>वृषभ ८/१४<br>**19**<br>कार्तिक सुद १५ | आश्लेषा २०/३६<br>सिंह २०/३६<br>**26**<br>मार्गशीर्ष वद ७ | **शुभ दिन**<br>2, 5, 14, 18, 22, 24, 25<br>**अशुभ दिन**<br>3, 4, 9, 10, 15, 17, 26, 30 |
| SATURDAY शनि<br>प्रातः<br>9.00 से 10.30 बजे | अनुराधा २३/३९<br>वृश्चिक<br>**6**<br>चन्द्र दर्शन<br>कार्तिक सुद २ | शतभिषा १५/२०<br>कुम्भ<br>**13**<br>कार्तिक सुद १० | रोहिणी<br>वृषभ<br>**20**<br>मार्गशीर्ष वद १ | मघा २१/४३<br>सिंह<br>**27**<br>मार्गशीर्ष वद ८ | **अमृत सिद्धि योग**<br>20 नवम्बर, शनिवार, रोहिणी नक्षत्र, सूर्योदय से आगामी सूर्योदय तक; 25 नवम्बर, गुरुवार पुष्य नक्षत्र सूर्योदय से सायं 6.47 बजे तक। |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| नवम्बर | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 6.48 | 6.51 | 6.55 | 7.00 | 7.02 | 7.05 |
| सूर्यास्त | 5.53 | 5.51 | 5.50 | 5.49 | 5.47 | 5.46 |
| नवकारसी | 7.36 | 7.38 | 7.42 | 7.46 | 7.49 | 7.53 |
| पोरसी | 9.35 | 9.36 | 9.38 | 9.40 | 9.42 | 9.46 |
| डेढ़ पोरसी | 10.59 | 11.00 | 11.01 | 11.02 | 11.04 | 11.06 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

2. अरिष्टनेमि जिन च्यवन, पद्मप्रभ जिन जन्म, 3. पद्मप्रभ जिन दीक्षा, 4. महावीर जिन मोक्ष, 5. वीर निर्वाण संवत् 2548 प्रारम्भ, 7. सुविधि जिन केवल, 9. ज्ञान पंचमी, 11. स्वामी चाँद गुरु स्मृति दिवस, 12. स्वामी हरक गुरु जन्म दिवस, 15. अरह जिन केवल, 19. वीर लोकाशाह जयन्ती, 21. एकभवावतारी आचार्य श्री जयमल जी म. सा. की दीक्षा जयन्ती, 24. सुविधि जिन जन्म, 25. सुविधि जिन दीक्षा, 29. महावीर जिन दीक्षा, 30. पद्मप्रभ जिन मोक्ष।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

1. रमा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी, 2. धनतेरस, धनवंतरी जयन्ती, प्रदोष, 3. दीपदान, रूप चतुर्दशी, 4. महालक्ष्मी पूजा, कुबेर पूजा, 5. गोवर्धन पूजा, नूतन वर्षारम्भ, 6. भाई दूज, 8. दूर्वा गणपति व्रत, 11. पंचक प्रारम्भ, गोपाष्टमी, 14. तुलसी विवाह, देवोत्थापन, नेहरू जयंती (बाल-दिवस), 16. पंचक समाप्ति, प्रदोष, 18. पुष्कर यात्रा, 19. कार्तिक स्नान पूर्ति, गुरु नानक जयंती, खण्डग्रास चंद्रग्रहण, 22. सौभाग्य सुंदरी व्रत, 27. काल भैरवाष्टमी।

### अवकाश

2. धनतेरस, 3. दीपदान, रूप चतुर्दशी, 4. महालक्ष्मी पूजा, 5. गोवर्धन पूजा, 6. भाई दूज, 13. द्वितीय शनिवार, 14. नेहरू जयन्ती (बाल दिवस), 19. गुरु नानक जयन्ती।

नोट–सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

04. पाक्षिक पर्व, 18. चातुर्मासिक पर्व।

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |

## दीपावली पूजन की विधि

दुकान की स्वच्छता करके शारीरिक शुद्धि के साथ पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठें। सामने एक साफ या नया बाजोट (पाटा) रखें जिसके चारों पायों के मोली बाँधें तथा उसके ऊपर एक नया वस्त्र बिछाकर साफ या नयी थाली लेवें जिसमें दस दिक्पालों की स्थापना निम्न यंत्र को कुंकुम से लिखते हुए करें। तत्पश्चात् स्वच्छ जल से भरा कलश (लोटा) थाली में रखें। लोटे के मोली बाँध देवें तथा नयी कलम-दवात के मोली ज्ञान-दर्शन-चारित्र रूप भावनापूर्वक तीन-तीन बार लपेटकर बाँध देवें। थाली में सवा रुपया रोकड़ा, मोली से सात बार लपेटा हुआ श्रीफल (नारियल), अखण्ड सात सुपारी, अक्षत (चावल), मिष्ठान आदि रखें। तीन नवकार मंत्र बोलकर बहियाँ, तिजोरी आदि पर कुंकुम-केसर के छींटे डालें, फिर २१ बार नवकार मंत्र एवं सात बार लोगस्स बोलकर बहीखातों में पूजन के पन्नों पर निम्न प्रकार शिखराकर नव श्री, साकिया आदि लिखें।

ॐ      ह्रीँ

| | | |
|---|---|---|
| ईशान ८ | इन्द्र १ | अग्नि २ |
| कुबेर ७ | ब्रह्म नाग ९ १० | यम ३ |
| वायव्य ६ | वरुण ५ | नैऋत्य ४ |

श्रीँ      क्लीँ

श्री
श्री श्री
श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री
श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री

ॐ ह्रीँ श्रीँ नम:
ॐ ह्रीँ श्रीँ ऋषभजिनाय नम:
श्री भरत जी चक्रवर्ती की पदवी होवे 卐 श्री कयवन्ना जी रो सुख सौभाग्य होवे

ॐ ह्रीँ श्रीँ पुरुषादानीय पार्श्वजिनाय नम:
श्री अभयकुमार जी की बुद्धि होवे
श्री धन्ना शालिभद्र जी की ऋद्धि होवे




ॐ ह्रीँ श्रीँ महावीर जिनाय नम:
श्री बाहुबली का बल होवे
श्री सरस्वती जी की कृपा होवे

ॐ ह्रीँ श्रीँ अनन्त लब्धि निधान गौतम स्वामी जी महाराज की लब्धि होवे।
पूज्य श्री जयमल जी महाराज रो तेज प्रताप होवे, जिनशासन री जय-जयकार होवे।
श्री महालक्ष्मी जी रो अखण्ड धन वर्षा रे साथे भण्डार सदा भरपूर छे।

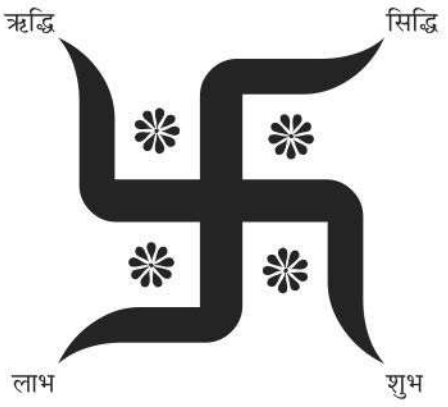

वीर संवत् ..... विक्रम संवत् ..... शालिवाहन शाके ..... कार्तिक वदी ..... वार ..... सायं ..... बजकर ..... मिनट पर ..... लग्न में ..... के चौघड़िया में श्री शारदा माता श्री महालक्ष्मी माता का जैन पद्धति के अनुसार सहर्ष सपरिवार पूजन किया दिनांक/तारीख .......

| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | १४ | ४ | १५ |
| ८ | ११ | ५ | १० |
| १३ | २ | १६ | ३ |
| १२ | ७ | ९ | ६ |
| ॐ | ह्रीँ | श्रीँ | क्लीँ |

इतना होने के बाद एक नवकार मंत्र की माला तथा '**ॐ ह्रीँ श्रीँ अर्हम् गौतमाय नम:**' की माला फेरें। फिर चत्तारि मंगलं का पाठ बोलना तथा अपने से बड़ों को प्रणाम करना। इति समाप्तम्।

सामर्थ्य के अनुसार दीपावली के दिन तेले का तप या उपवास करके शुद्ध भाव से ब्रह्मचर्य-पालन करते हुए अर्द्ध-रात्रि तक नमोत्थुणं समणस्स भगवओ महावीरस्स की माला फेरें और अर्द्ध-रात्रि के पश्चात् सूर्योदय तक '**ॐ नमो भगवओ गोयमस्स सिद्धस्स बुद्धस्स अक्खीण-महाणस्स**' का जप करें अथवा गौतम रास का पाठ करें।

मध्य-रात्रि या सूर्योदय के समय केसर या अष्टगन्ध से उक्त यंत्र लिखकर तिजोरी में या अपने पास में रखें। लक्ष्मी की प्राप्ति होवे, सब प्रकार से आनन्द मंगल रहे। फिर अर्द्ध-रात्रि में केसर से सफेद कागज पर निम्न यंत्र बनाकर तिजोरी में रखें, तस्वीर बनाकर लगा देवें, धन प्राप्त होवे।

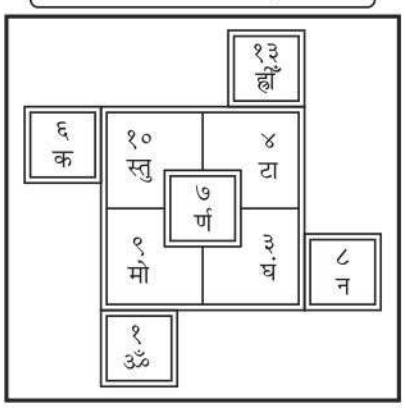

### सर्वसिद्धिदाता लक्ष्मी यंत्र




इस यंत्र को भोजपत्र पर केसर से शुद्धतापूर्वक लिखें, लिखते समय शुभ मुहूर्त्त हो, यंत्र को तस्वीर में भद्रवाकर रखें, घण्टाकर्ण मूल के चार श्लोकों का नित्य पाठ करें, तो अवश्य लक्ष्मी का लाभ होता है। घर में लक्ष्मी स्थिर होती है।

### व्यापार-वृद्धि यंत्र

| ॐ | ह्रीँ | श्रीँ | क्लीँ |
|---|---|---|---|
| ९९ | १०६ | २ | ७ |
| ६ | ३ | १०३ | १०२ |
| १०५ | १०० | ८ | १ |
| ४ | ५ | १०१ | १०४ |

इस यंत्र को दुकान की दीवाल के ऊपर घी, सिन्दूर से लिखें तो व्यापार में बहुत लाभ होता है।

J.J.P.P. PRAKASHAN TRUST, CHENNAI®

ट्रस्टी

- श्री ज्ञानचन्द जी मुणोत, चेन्नई
- श्री भंवरलाल जी लोढ़ा, चेन्नई
- श्री नरेन्द्रकुमार जी मरलेचा, चेन्नई
- श्री निर्मल जी कांकरिया, जोधपुर
- श्री ए. एन. प्रकाशचंद जी बोहरा, चेन्नई
- श्री अमरचंद जी बोकड़िया, चेन्नई
- श्री रिखबचन्द जी बोहरा, चेन्नई
- श्री शांतिलाल जी चौपड़ा, चेन्नई
- श्री विजयसिंह जी पींचा, चेन्नई
- श्री शांतिलाल जी बोहरा, चेन्नई

## ।। श्री महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त्त ।।

**सूर्योदय 6.43 IST, सूर्यास्त 5.59 IST (जोधपुर समयानुसार)**

1. **बहीखाता निर्माण व लाने का मुहूर्त्त :**

**दिनांक 28 अक्टूबर 2021, गुरुवार,** कार्तिक कृष्णा सप्तमी, पुष्य नक्षत्र, सूर्योदय 6.43 IST (जोधपुर)।

- **चौघड़िया मुहूर्त्त—शुभ** प्रात: 6.43 बजे से प्रात: 8.08 बजे तक, **लाभ** व अमृत दोपहर 12.20 बजे से मध्याह्न 3.09 बजे तक, शुभ अपराह्न 4.33 बजे से सायं 5.57 बजे तक, अभिजित मध्याह्न 11.58 बजे से 12.43 बजे तक।

**होरा मुहूर्त्त**—प्रात: 6.43 बजे से प्रात: 7.40 बजे तक, प्रात: 10.28 बजे से दोपहर 12.20 बजे तक, मध्याह्न 1.16 बजे से मध्याह्न 2.12 बजे तक, अपराह्न 4.05 बजे से सायं 5.57 बजे तक।

2. **धन कुबेर - शमी पूजन मुहूर्त्त :**

**दिनांक 02 नवम्बर 2021, मंगलवार,** कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी (प्रात: 11.30 बजे के बाद)।

**लाभ अमृत** प्रात: 10.57 बजे से मध्याह्न 1.43 बजे तक, **शुभ** सायं 3.07 बजे से सायं 4.30 बजे तक, **लाभ** सायं 7.30 बजे से रात्रि 9.07 बजे तक।

**शुभ अमृत** रात्रि 10.44 बजे से मध्यरात्रि 1.57 बजे तक।

**होरा मुहूर्त्त** प्रात: 9.33 बजे से 11.25 बजे तक, मध्याह्न 12.20 बजे से 1.16 बजे तक, अपराह्न 4.02 बजे से सायं 5.53 बजे तक, सायं 6.58 बजे से 8.02 बजे तक, रात्रि 11.06 बजे से मध्यरात्रि 1.25 बजे तक, अर्धरात्रि उपरांत 2.29 बजे से 3.34 बजे तक।

3. **रात्रि कुबेर पूजन :** सायं 7.30 बजे से रात्रि 9.07 बजे तक, रात्रि 10.44 बजे से मध्यरात्रि 1.57 बजे तक।

4. **यम दीप दान-कलम-दवात धोने-भरने का मुहूर्त्त :**

**दिनांक 03 नवम्बर 2021, बुधवार,** कार्तिक कृष्णा त्रयोदशी/चतुर्दशी, बुधवार।

- **चौघड़िया मुहूर्त्त—लाभ अमृत** प्रात: 6.47 बजे से 9.39 बजे तक, **शुभ** प्रात: 10.57 बजे से मध्याह्न 12.20 बजे तक, **लाभ** अपराह्न 4.30 बजे से सायं 5.53 बजे तक, **शुभ अमृत** सायं 7.30 बजे से रात्रि 10.43 बजे तक।

5. **गादी बिछाने का मुहूर्त्त :**

**दिनांक 04 नवम्बर 2021, गुरुवार,** कार्तिक कृष्णा अमावस्या, चित्रा-स्वाति नक्षत्र।

- **चौघड़िया मुहूर्त्त**—शुभ प्रात: 6.48 बजे से 8.11 बजे तक, **लाभ अमृत** मध्याह्न 12.20 बजे से अपराह्न 3.06 बजे तक, **शुभ** अपराह्न 4.29 बजे से सायं 5.52 बजे तक, अभिजित मध्याह्न 11.58 बजे से 12.42 बजे तक।
- **होरा मुहूर्त्त**—प्रात: 6.48 बजे से 7.43 बजे तक, प्रात: 10.29 बजे से मध्याह्न 12.20 बजे तक, मध्याह्न 1.15 बजे से 2.11 बजे तक।

6. **श्री महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त्त :** दिनांक 4 नवम्बर 2021, गुरुवार, कार्तिक कृष्णा अमावस्या।

- **चौघड़िया मुहूर्त्त—शुभ** सायं 4.29 बजे से 5.52 बजे तक, **अमृत** सायं 5.52 बजे से 7.29 बजे तक, **लाभ** मध्यरात्रि 12.20 बजे से 1.58 बजे तक।
- **होरा मुहूर्त्त**—सायं 4.57 बजे से 5.52 बजे तक, सायं 5.52 बजे से 6.57 बजे तक, सायं 8.01 बजे से रात्रि 9.06 बजे तक, मध्य रात्रि 12.20 बजे से 2.30 बजे तक, अर्धरात्रि उपरांत 3.35 बजे से 4.39 बजे तक।

| लग्न | लग्नानुसार लक्ष्मी पूजन मुहूर्त्त : | वर्गोत्तम नवमांश काल : |
|---|---|---|
| कुम्भ | मध्याह्न 1.54 बजे से 3.24 बजे तक | मध्याह्न 2.34 बजे से 2.44 बजे तक |
| मेष | सायं 4.51 बजे से 6.29 बजे तक | सायं 4.45 बजे से 4.57 बजे तक |
| वृषभ | सायं 6.29 बजे से 8.25 बजे तक | सायं 7.21 बजे से 7.34 बजे तक |
| मिथुन | सायं 8.25 बजे से 10.39 बजे तक | रात्रि 10.22 बजे से 10.39 बजे तक |
| कर्क | रात्रि 10.39 बजे से 12.58 बजे तक | रात्रि 10.39 बजे से 10.54 बजे तक |
| सिंह | मध्यरात्रि 12.58 बजे से 3.13 बजे तक | मध्यरात्रि 1.58 बजे से 2.13 बजे तक |
| कन्या | अर्धरात्रि उपरांत 3.13 बजे से 5.27 बजे तक | अर्धरात्रि उपरांत 5.12 बजे से 5.27 बजे तक |

6. **उत्थापन मुहूर्त्त :** दिनांक 05 नवम्बर 2021, शुक्रवार।

**चौघड़िया मुहूर्त्त—लाभ-अमृत** प्रात: 8.12 बजे से 10.57 बजे तक, **शुभ** मध्याह्न 12.20 बजे से 1.43 बजे तक।

**होरा मुहूर्त्त**—प्रात: 7.44 बजे से 9.34 बजे तक, प्रात: 10.30 बजे से 11.25 बजे तक, मध्याह्न 2.11 बजे से सायं 4.00 बजे तक, सायं 4.56 बजे से 5.51 बजे तक।

**विशेष**—उपरोक्त समय जोधपुर (राज.) स्थान स्टैण्डर्ड समय से दिये हैं। इष्ट स्थान के लिए समय संशोधन करें।

| जय भूधर | जय जयमल | जय चौथ | जय रावत | जय चाँद | जय जीत | जय लाल |
|---|---|---|---|---|---|---|

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

विश्व का सर्वप्रथम **जैन कैलेण्डर**

## दिसम्बर 2021 DECEMBER

जे.पी.पी. अहिंसा रिसर्च फाउण्डेशन — सेवा के क्षेत्र में बढ़ते कदम

J.P.P. Jain Samani Center
65, M.G. Road, Near JSS Hospital, Mysore

J.P.P. Jain Samani Center
60, Lakshmi Narayan Puram, Opp. Devaiya Park, Bangalore



J.P.P. Jain Samani Center
170, Karkhana, Secunderabad

J.P.P. Jain Samani Center
Amravati

जे.पी.पी. जैन गुरुकुलुम्, तिरुतणि (तमिलनाडु)
(CBSE BOARD Upto 12th Std.)

जे.पी.पी. जैन समणी सेन्टर
पारस गार्डन, रायचूर (कर्नाटक)

जे.पी.पी. जैन समणी सेन्टर, जलगाँव (महा.)
175, आनंद शान्ति नगर, कोल्हे हील, जलगाँव (महाराष्ट्र)

JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
पद्मोदय जैन कैलेण्डर
JAY PARSHVA PADMODAYA JAIN PRAKASHAN
3A, VEPERY CHURCH ROAD, VEPERY, CHENNAI-600 007
www.jppjaingroups.com

विक्रम संवत् : 2078 | वीर निर्वाण संवत् : 2548 | जय संवत् : 226 | जैन पंचमारक संवत् : 2544

| वार | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| SUNDAY रवि<br>राहुकाल<br>सायं 4.30 से 6.00 बजे | **पुष्य नक्षत्र**<br>22 दिसम्बर, बुधवार, सूर्योदय से मध्यरात्रि 12.42 बजे तक। | ज्येष्ठा ७/५०<br>धनु ७/५०<br>**5**<br>मार्गशीर्ष सुद १/२ | उत्तरा भाद्रपद २३/५८<br>मीन<br>**12**<br>मार्गशीर्ष सुद ९ | मृगसिरा १६/४८<br>मिथुन<br>**19**<br>मार्गशीर्ष सुद १५ | उत्तरा फाल्गुनी २९/२६<br>कन्या ११/१५<br>**26**<br>पौष वद ७ | |
| MONDAY सोम<br>प्रात:<br>7.30 से 9.00 बजे | **पंचक**<br>9 दिसम्बर, प्रात: 10.09 बजे से 13/14 दिसम्बर, मध्यरात्रि 2.05 तक। | पूर्वाषाढ़ा २६/२२<br>धनु<br>**6**<br>मार्गशीर्ष सुद ३ | रेवती २६/०५<br>मेष २६/०५<br>**13**<br>मार्गशीर्ष सुद १० | आर्द्रा १९/४१<br>मिथुन<br>**20**<br>पौष वद १ | हस्त २९/०६<br>कन्या<br>**27**<br>पौष वद ८ | |
| TUESDAY मंगल<br>मध्याह्न<br>3.00 से 4.30 बजे | **शुभ दिन**<br>3, 12, 14, 15<br>18, 23, 26<br>**अशुभ दिन**<br>1, 4, 5, 10, 20, 22, 27, 31 | उत्तराषाढ़ा २४/१३<br>मकर ७/४१<br>**7**<br>मार्गशीर्ष सुद ४ | अश्विनी २८/४२<br>मेष<br>**14**<br>मार्गशीर्ष सुद ११ | पुनर्वसु २२/२१<br>कर्क १५/४२<br>**21**<br>पौष वद २ | चित्रा २८/०९<br>तुला १६/४२<br>**28**<br>पौष वद ९ | |
| WEDNESDAY बुध<br>मध्याह्न<br>12.00 से 1.30 बजे | चित्रा १८/४४<br>तुला ७/४२<br>**1**<br>मार्गशीर्ष वद १२ | श्रवण २२/४०<br>मकर<br>**8**<br>मार्गशीर्ष सुद ५ | भरणी<br>मेष<br>**15**<br>मार्गशीर्ष सुद १२ | पुष्य २४/४२<br>कर्क<br>**22**<br>पौष वद ३ | स्वाती २६/३६<br>तुला<br>**29**<br>पौष वद १० | |
| THURSDAY गुरू<br>मध्याह्न<br>1.30 से 3.00 बजे | स्वाती १६/२५<br>तुला<br>**2**<br>मार्गशीर्ष वद १३ | धनिष्ठा २१/४९<br>कुंभ १०/०९<br>**9**<br>मार्गशीर्ष सुद ६ | भरणी ७/३७<br>वृषभ १४/२३<br>**16**<br>मार्गशीर्ष सुद १३ | आश्लेषा २६/४१<br>सिंह २६/४१<br>**23**<br>पौष वद ४ | विशाखा २४/३३<br>वृश्चिक १९/०६<br>**30**<br>पौष वद ११ | |
| FRIDAY शुक्र<br>प्रात:<br>10.30 से 12.00 बजे | विशाखा १३/४४<br>वृश्चिक ८/२६<br>**3**<br>पाक्षिक पर्व<br>मार्गशीर्ष वद १४ | शतभिषा २१/४५<br>कुंभ<br>**10**<br>मार्गशीर्ष सुद ७ | कृतिका १०/४१<br>वृषभ<br>**17**<br>मार्गशीर्ष सुद १४ | मघा २८/१०<br>सिंह<br>**24**<br>पौष वद ५ | अनुराधा २२/०४<br>वृश्चिक<br>**31**<br>पौष वद १२/१३ | |
| SATURDAY शनि<br>प्रात:<br>9.00 से 10.30 बजे | अनुराधा १०/४९<br>वृश्चिक<br>**4**<br>अमावस्या<br>मार्गशीर्ष वद ३० | पूर्वा भाद्रपद २२/२९<br>मीन १६/१४<br>**11**<br>मार्गशीर्ष सुद ८ | रोहिणी १३/४७<br>मिथुन २७/१९<br>**18**<br>पाक्षिक पर्व<br>मार्गशीर्ष सुद १४ | पूर्वा फाल्गुनी २९/०७<br>सिंह<br>**25**<br>पौष वद ६ | **अमृत सिद्धि योग**<br>14 दिसम्बर, मंगलवार, अश्विनी नक्षत्र, सूर्योदय से अर्द्धरात्र्यौपरान्त 4.42 बजे तक; 18 दिसम्बर, शनिवार रोहिणी नक्षत्र सूर्योदय से मध्याह्न 1.47 बजे तक। | |

### पचक्खाण यंत्र (जोधपुर समयानुसार)

| दिसम्बर | 1 | 6 | 11 | 16 | 21 | 26 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्योदय | 7.10 | 7.13 | 7.16 | 7.19 | 7.22 | 7.24 |
| सूर्यास्त | 5.45 | 5.46 | 5.47 | 5.48 | 5.50 | 5.53 |
| नवकारसी | 8.00 | 8.02 | 8.05 | 8.08 | 8.11 | 8.13 |
| पोरसी | 9.49 | 9.51 | 9.54 | 9.57 | 10.00 | 10.02 |
| डेढ़ पोरसी | 11.08 | 11.11 | 11.14 | 11.16 | 11.18 | 11.21 |

### जैन पर्व (तिथि के अनुसार)

13. अरह जिन जन्म, अरह जिन मोक्ष, 14. अरह जिन दीक्षा, मल्ली जिन जन्म, मल्ली जिन दीक्षा, मल्ली जिन केवल, नेमि जिन केवल, मौन ग्यारस, 17. संभव जिन जन्म, 19. संभव जिन दीक्षा, 29. पार्श्व जिन जन्म, 30. पार्श्व जिन दीक्षा, 31. चंद्रप्रभ जिन जन्म।

### राष्ट्रीय एवं आर्य त्यौहार

2. प्रदोष, 8. नाग पंचमी, 9. पंचक प्रारम्भ, 13. पंचक समाप्ति, 14. गीता जयन्ती, मोक्षदा एकादशी व्रत, 16. प्रदोष, अनंग त्रयोदशी व्रत, 18. श्री दत्त जयन्ती, 21. सूर्य उत्तरायण प्रारम्भ, 25. बड़ा दिन (क्रिसमस डे), 30. सफला एकादशी व्रत, 31. प्रदोष।

### अवकाश

11. द्वितीय शनिवार
25. बड़ा दिन (क्रिसमस-डे)

नोट—सभी माह के अवकाश राजकीय गजट में देखकर मान्य करें।

### याददाश्त

03. पाक्षिक पर्व
18. पाक्षिक पर्व

### दूध का हिसाब

| ता. | प्रातः | सायं |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| 29 | | |
| 30 | | |
| 31 | | |

Download Padmodaya Jain Calendar App in Android and iPhone using http://bit.do/padmodaya or search in app store and visit our website : www.jppjaingroups.com

J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®
।। पूज्य प्रवर जयमल्लजी, राय आस सबलेश। नमो हीर कस्तूर, भीष्म कानमल्लेश।।

विश्व का सर्वप्रथम जैन कैलेण्डर

# पद्मोदय जैन कैलेण्डर

## पद्मोदय यात्रा विचार

| पौ. | मा. | फा. | चै. | वै. | ज्ये. | आ. | श्रा. | भा. | आ. | का. | मि. | प्रहर 1 | प्रहर 2 | प्रहर 3 | प्रहर 4 | पूर्व | दक्षिण | पश्चिम | उत्तर |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | लाभ | सुख | शोक | सुख | सुख | क्लेश | भय | लाभ |
| 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | भय | क्लेश | सुख | लाभ | शून्य | नाश | दु:ख | संकट |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | लाभ | सुख | सुख | मरण | लाभ | दु:ख | लाभ | लाभ |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | क्लेश | कल्याण | क्लेश | संकट | क्लेश | दु:ख | लाभ | सुख |
| 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | संकट | क्लेश | भाग्य | लाभ | लाभ | लाभ | लाभ | सुख |
| 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | संकट | क्लेश | लाभ | लाभ | भय | लाभ | मृत्यु | लाभ |
| 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | विलंब | लाभ | सुख | लाभ | लाभ | कष्ट | लाभ | सुख |
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | — | — | — | — | — | — | — | — |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | लाभ | भय | लाभ | सुख | सुख | लाभ | लाभ | कष्ट |
| 10 | 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | लाभ | लाभ | मरण | मरण | क्लेश | कष्ट | लाभ | लाभ |
| 11 | 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | मरण | लाभ | लाभ | मरण | लाभ | कष्ट | — | लाभ |
| 12 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | मरण | लाभ | सुख | लाभ | — | सुख | मरण | कष्ट |

### नोट

तीज-तेरस, चौथ-चतुर्दशी, पंचमी-पूर्णिमा इनका फल समान है। वदी चौदस व अमावस को यात्रा में निषिद्ध है।

**नोट**—इन मुहूर्त्त पर गमन करने वालों को दिशाशूल आदि का विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

### चन्द्र विचार

| दिशा | राशि | पूर्व | दक्षिण | पश्चिम | उत्तर |
|---|---|---|---|---|---|
| पूर्व | मेष, सिंह, धन | अर्थ लाभ | धन नाश | घात | सुख सम्पत्ति |
| दक्षिण | वृषभ, कन्या, मकर | सुख सम्पत्ति | अर्थ लाभ | धन नाश | घात |
| पश्चिम | मिथुन, तुला, कुंभ | घात | सुख सम्पत्ति | अर्थ लाभ | धन नाश |
| उत्तर | कर्क, मीन, वृश्चिक | धन नाश | घात | सुख सम्पत्ति | अर्थ लाभ |

### दिन का चौघड़िया

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग |
| काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल |
| शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत |
| उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल |
| चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग |

### रात का चौघड़िया

| सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | रवि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत |
| काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल |
| लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल |
| शुभ | चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चंचल | काल | उद्वेग |
| चंचल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |

### नोट

दिन में 8 तथा रात में 8 चौघड़िया होते हैं। औसतन एक चौघड़िया 1 घंटा 30 मिनट का होता है। शुद्ध मान निकालने के लिये दिनमान में 8 का भाग दें तथा प्राप्त समय को सूर्योदय में उत्तरोत्तर जोड़ने से दिन के चौघड़िया प्राप्त होते हैं। रात्रि के मान में 8 का भाग देकर प्राप्त को सूर्योदय में जोड़ने से उत्तरोत्तर रात्रि के चौघड़िया प्राप्त होते हैं। लाभ, अमृत और शुभ श्रेष्ठ; चंचल सम तथा उद्वेग, काल व रोग अशुभ होते हैं।

### काल राहु विचार

| दिशा | वार | शुभ दिशा | निषिद्ध दिशा |
|---|---|---|---|
| उत्तर | रवि | दक्षिण | उत्तर |
| वायव्य | सोम | अग्नि | वायव्य |
| पश्चिम | मंगल | पूर्व | पश्चिम |
| नैऋत्य | बुध | ईशान | नैऋत्य |
| दक्षिण | गुरु | उत्तर | दक्षिण |
| अग्नि | शुक्र | वायव्य | अग्नि |
| पूर्व | शनि | पश्चिम | पूर्व |
| ईशान | रवि | नैऋत्य | ईशान |

### नोट

यात्रा में यह काल राहु पीछे का उत्तम माना गया है। प्रस्तुत तालिका में इसी नियम के अनुसार प्रत्येक वार की यात्रा में शुभ व वर्जित दिशा दर्शाई गई है।

### शुभाशुभ समय ज्ञान

| | गुलिककाल (शुभ) | | यमगंडकाल (अशुभ) | | राहुकाल (अशुभ) | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वार | प्रारम्भ | समाप्त | प्रारम्भ | समाप्त | प्रारम्भ | समाप्त |
| रवि | 3.00 | 4.30 | 12.00 | 1.30 | 4.30 | 6.00 |
| सोम | 1.30 | 3.00 | 10.30 | 12.00 | 7.30 | 9.00 |
| मंगल | 12.00 | 1.30 | 9.00 | 10.30 | 3.00 | 4.30 |
| बुध | 10.30 | 12.00 | 7.30 | 9.00 | 12.00 | 1.30 |
| गुरु | 9.00 | 10.30 | 6.00 | 7.30 | 1.30 | 3.00 |
| शुक्र | 7.30 | 9.00 | 3.00 | 4.30 | 10.30 | 12.00 |
| शनि | 6.00 | 7.30 | 1.30 | 3.00 | 9.00 | 10.30 |

### पद्मोदय जैन कैलेण्डर के मुख्य प्राप्ति-स्थान

**1. पी. एम. बोहरा**
जय परिसर,
3-ए, चर्च रोड,
वेपेरी, चैन्नई-600 007
मो. 98844 97000

**2. श्रुताचार्य चौथ भवन**
39, विनोद नगर,
ब्यावर-350 901 (राज.)
मो. 9887670271

**3. श्री देवराज जी बोहरा**
C/o, श्री श्रुताचार्य चौथ स्मृति भवन,
महिला बाग,
जोधपुर-342 001 (राज.)
मो. 9414127331

**4. Manak Mewa Stores**
# 19, Huriopet,
B.V.K. Iyengar Road Cross,
Bangalore-560 053
Ph. : 22252232

**5. विष्णु बुक एण्ड जनरल स्टोर**
गुलाब सागर,
जोधपुर-342 002 (राज.)
फोन : 2556120
मो. : 09414754307

**जैन कैलेण्डर प्रारम्भकर्त्ता**
श्री पदमचन्द जी कांकरिया
वर्तमान पर्याय
डॉ. श्री पदमचन्द्र जी म. सा. (एम. ए., पी-एच. डी.)

: मुद्रक :
सौरव बुक एजेन्सी
ए-7, अवागढ़ हाउस, एम. जी. रोड,
अंजना सिनेमा के सामने, आगरा-282 002
मो. : 9319203291, 8979260780

प्रकाशक
J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®
# 3A, Vepery Church Road, Vepery, Chennai - 600 007. (M) 98844 97000

अब से नियमित कैलेण्डर J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI® से ही प्रकाशित होंगे। कैलेण्डर की सामग्री सर्वाधिकार सुरक्षित है। इसकी नकल करने के कार्य को कानूनी अपराध माना जायेगा, दु:साहस करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जायेगी। समस्त विवादों में न्याय क्षेत्र चेन्नई रहेगा।
J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®

## विश्व का सर्वप्रथम जैन कैलेण्डर "पद्मोदय जैन कैलेण्डर" का इतिहास

आकर्षक व्यक्तित्व के धनी, जैन-जैनेतर दर्शनों के ज्ञाता, मधुर-ओजस्वी वाणी के धारक, सांसारिक अवस्था में ही जिन्होंने योग-निमित्तादि ज्ञान को साधना की कसौटी पर कसा ऐसे जोधपुर निवासी श्री पदमचन्द जी कांकरिया ने सन् १९८४ में सर्वप्रथम अपने चिन्तन को लिपिबद्ध कर एकभवावतारी आचार्यसम्राट् श्री १००८ श्री जयमल जी म. सा. के नवम् पट्टधर जैनागम मर्मज्ञ आचार्यप्रवर श्री १००८ श्री जीतमल जी म. सा. पण्डितप्रवर आगम व्याख्याता अनेकानेक विद्याओं के सिद्ध पुरुष आचार्यप्रवर श्री १००८ श्री लालचन्द्र जी म. सा. का मांगलिक श्रवण कर अनंत श्रद्धा के केन्द्र गुरुदेव श्री पार्श्वचन्द्र जी म. सा. का कृपारूपी वरदहस्त प्राप्त करके जैन कैलेण्डर के नाम से विश्व का प्रथम जैन कैलेण्डर प्रारम्भ किया। इस कैलेण्डर में अनेकानेक जन एवं व्यवहार उपयोगी सामग्री के साथ-साथ आध्यात्मिक जानकारियाँ भी संकलित की गईं। ५ वर्ष में कैलेण्डर अत्यधिक लोकप्रिय हो गया। इसी अन्तराल में १९८८ में श्री पदमचन्द जी कांकरिया ने जैन भागवती दीक्षा अंगीकार करके डॉ. पदमचन्द्र जी म. सा. के रूप में जय संघ में जिनशासन की अनुमोदना स्व-पर कल्याण रूप करने लगे। दीक्षा से पूर्व कांकरिया जी ने कैलेण्डर के पीछे के अनेक वर्षों तक छपने योग्य नवीनतम जन-उपयोगी लेख लिखे थे।

श्री पदमचंद जी कांकरिया के द्वारा प्रारम्भ किया गया विश्व का यह प्रथम जैन कैलेण्डर प्रारम्भ में भूधर जैन कला मंच के अध्यक्ष श्री पदमचन्द जी कांकरिया के दिशा-निर्देश में ही प्रकाशित किया गया। कांकरिया जी के दीक्षा लेने के पश्चात् १९८८ में इसके प्रकाशन हेतु भूधर जैन कैलेण्डर प्रकाशन समिति बनाई गई जिस समिति ने करीबन ६ वर्षों तक श्री निर्मलचंद जी कांकरिया के दिशा-निर्देश में कैलेण्डर प्रकाशन का कार्य किया एवं कैलेण्डर अर्द्ध-मूल्य में बिक्री हेतु उपलब्ध करवाये। तत्पश्चात् कैलेण्डर के प्रकाशन का कार्य श्री जयमल जैन मेमोरियल ट्रस्ट, चेन्नई (श्रीमान् सुगनचन्द जी गुगलिया परिवार की निजी ट्रस्ट) को सौंपा गया। ट्रस्ट ने ९ वर्ष तक प्रचार-प्रसार में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। कैलेण्डर प्रकाशन के कार्य को गति प्रदान करने वाली सभी संस्थाओं को बहुत-बहुत धन्यवाद।

सन् २००५ से स्वाध्याय संगम, कैलेण्डर, पॉकेट कैलेण्डर, प्रवचन साहित्य आदि के प्रकाशन हेतु श्री अ. भा. जयमल जैन श्रावक संघ से सम्बन्धित श्री जयमल जैन पार्श्व-पद्मोदय फाउण्डेशन, चेन्नई नामक संस्था स्थापित की गई। अब सन् 2019 से पद्मोदय जैन कैलेण्डर आदि के प्रकाशन का कार्य **J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®** द्वारा किया जायेगा।

*सर्वाधिकार सुरक्षित*—J.P.P. JAIN PRAKASHAN, CHENNAI®

जय-गच्छ के शृंगार, आचार्य प्रवर गुरु जीत की।। होवे जय-जयकार, आचार्य प्रवर गुरु लाल की।।

कुशल-हर्ष-भगवान-सूर्य-राज-नथमल्लजी। चौथ-बखत रावत चाँद, नव स्वामी नामी नमूँ।।

विविध भाँति है जैन के, सम्प्रदाय अभंग। संवत् अठारह पाँच का, स्मारक जयमल संघ।।